डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

₹75,270 10 ग्राम
₹90,080 01 किलो
सेंसेक्स 77,690.95 -984.23
डॉलर 84.391 +0.009

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

कार्तिक शुक्ल पक्ष 13, संवत 2081 | डालटनगंज (मेदिनीनगर), गुरुवार, 14 नवंबर 2024, वर्ष-31, अंक-30, पृष्ठ-12 | ₹3.00 | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

पेज-10 गंभीर की प्रतिक्रिया से हैरान...

पलामू प्रमंडल में मतदान शांतिपूर्वक, लातेहार विधानसभा में सर्वाधिक वोटिंग, हुसैनाबाद में कम

लातेहार विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 69.07 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र में 59.04 प्रतिशत मतदान दर्ज

लातेहार में जवान को लगी गोली

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू प्रमंडल की 9 विधानसभा सीटों पर बुधवार शाम मतदान समाप्त हो गया। इस दौरान सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त के बीच मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। लातेहार विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 69.07% मतदान हुआ, जबकि हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र में 59.04% मतदान दर्ज किया गया।

लातेहार में सीआरपीएफ जवान को लगी गोली : लातेहार जिले के छिपादोहर के निकट चुनाव ड्यूटी पर तैनात सीआरपीएफ जवान संतोष कुमार यादव को गोली लग गई। जवान को आंख के पास गोली लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसे मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया और फिर बेहतर इलाज के लिए रांची के रिम्स रेफर कर दिया गया। इस संबंध में पलामू के डीआईजी वाईएस रमेश ने बताया कि यह एक्सीडेंटल घटना घटी है। जिसमें जवान जख्मी हो गया है। इसे इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर एयरलिफ्ट किया गया है। इधर मेदिनीराय हॉस्पीटल में पलामू डीसी, एसपी व अधिकारियों ने घायल जवान की स्थिति का जायजा लिया। चुनाव शांति पूर्ण करने के लिए पुलिस और केंद्रीय बलों द्वारा

सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गई थी। सूत्रों के अनुसार पलामू जिले में 59 कंपनियां, गढ़वा में 41 और लातेहार में 40 कंपनियां तैनात की गई थीं, जो चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पलामू प्रमंडल के तीनों जिलों में चुनाव के दौरान सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर, सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ और अन्य अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई थी। चुनाव के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए केंद्रीय बलों ने सभी बूथों पर सघन निगरानी रखी।

लातेहार विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक मतदान प्रतिशत रहा, जहां 69.07% मतदान दर्ज किया गया। वहीं, हुसैनाबाद में सबसे कम 59.04% मतदान हुआ। मतदान के दौरान खासकर युवा और नए मतदाताओं का उत्साह देखने को मिला। **शेष पेज 11 पर**

मतदान के दौरान 17 बैलट यूनिट, 16 कंट्रोल यूनिट और 47 वीवीपैट में आई खराबी

मेदिनीनगर। झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 के दौरान पलामू जिले में मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। जिला निर्वाचन पदाधिकारी शशि रंजन ने मतदान समाप्ति के बाद बुधवार शाम लगभग 6 बजे जीएलए कॉलेज परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि जिले के सभी मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई है और किसी भी मतदान केंद्र पर पुनर्मतदान की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि चुनाव में 2931 पायलट यूनिट, 1796 कंट्रोल यूनिट और इतनी ही संख्या में वीवीपैट का इस्तेमाल किया गया। हालांकि, मतदान के दौरान 17 बैलट यूनिट, 16 कंट्रोल यूनिट और 47 वीवीपैट खराब पाए गए। शशि रंजन ने आगे कहा कि रात्रि और कल दोपहर 12 बजे तक सभी पोलिंग पार्टियां वापस लौट आएंगी, इसके बाद सभी ईवीएम और अन्य सामग्री को सील करके सीआरपीएफ की निगरानी में स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा। उन्होंने ईवीएम की सुरक्षा के लिए तीन स्तर की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी दी, जिसमें सीआरपीएफ की तैनाती होगी। उन्हें यह भी बताया कि हुसैनाबाद के तीन स्थानों पर वोट का बहिष्कार करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन वहां पर भी अच्छा मतदान हुआ। उन्होंने जिले में शांतिपूर्ण मतदान की सफलता का श्रेय संबंधित पदाधिकारियों के साथ-साथ सभी पत्रकारों को भी दिया, जिन्होंने किसी भी असमंजस की स्थिति की सूचना तुरंत दी, जिससे माहौल को शांति से नियंत्रित किया जा सका।

विधानसभा चुनाव में कहां हुआ कितना प्रतिशत मतदान

खरसावां	77.32	चायबासा	68.61	विश्रामपुर	62.63
बहरागोडा	76.15	भवनाथपुर	68.02	कोडरमा	62
लोहरदगा	73.21	तमाड़	67.12	चतरा	61.16
पोटका	72.29	तोरपा	67.03	बरही	61.1
मांडर	72.13	चक्रधरपुर	66.5	छतरपुर	60.88
सरायकेल	71.54	गढ़वा	66.46	बरकट्ठा	59.01
सीसई	71.21	बढ़कागांव	66.32	हुशैनाबाद	59.04
विशुणपुर	70.06	जगन्नाथपुर	66.26	हटिया	58.02
घाटशिला	70.05	सिमरिया	65.65	कांके	57.89
लातेहार	69.7	गुमला	65.46	हजारीबाग	57.65
खूंटी	69.53	पांकी	65.13	जमशेदपुर ईस्ट	56.72
मझगांव	69.04	डालटनगंज	64.82	जमशेदपुर वेस्ट	55.95
ईचागढ़	69	जुगसलाई	64.53	रांची	51.5
सिमडेगा	68.07	मनिका	64.15		
कोलेबिरा	68.62	मनोहरपुर	63.43	टोटल	64.86

43 सीटों पर 64.86 प्रतिशत मतदान, रांची में सबसे कम 51.5 प्रतिशत वोटिंग

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा है कि प्रथम चरण के 43 विधानसभा सीटों पर मतदान पूर्णतः शांतिपूर्ण रहा। शाम पांच बजे तक की रिपोर्ट के अनुसार लगभग 64.86 प्रतिशत मतदान हुआ है। क्लोज अप पोल डेटा रात 12 बजे तक अपडेट होगी। पहले चरण में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन, पूर्व विस अध्यक्ष व मंत्री सीपी सिंह, मंत्री बन्ना गुप्ता, पूर्व मंत्री सरयू राय, पूर्व सांसद गीता कोड़ा, राज्यसभा सदस्य महुआ माजी, कोचे मुंडा, नीलकंठ सिंह मुंडा, मंत्री रामेश्वर उरांव, पूर्व आईपीएस अरुण उरांव समेत कुल 683 उम्मीदवारों की चुनावी किस्मत ईवीएम में कैद हो गई। पहले चरण में कुल 1.37 करोड़ वोटर्स को अपने वोटिंग अधिकार का इस्तेमाल करना था लेकिन लगभग 89 लाख वोटर्स ने अपने मतों का प्रयोग किया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा शहरी क्षेत्र में थोड़ा कम मतदान हुआ है। मॉक पोल और मतदान के दौरान एक फीसद से भी कम इवीएम और वीवीपैट के बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा प्रायः सभी क्षेत्रों में महिला और युवा मतदाताओं में जबरदस्त उत्साह देखा गया। प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार खरसावां सीट पर सबसे ज्यादा 77.32 प्रतिशत वोट पड़े हैं। रांची विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम **शेष पेज 11 पर**

भाजपा नेता पूर्व मंत्री सधनु भगत का निधन

लोहरदगा। भाजपा के पूर्व विधायक व झारखंड सरकार में मंत्री रहे सधनु भगत का निधन बुधवार को लोहरदगा में हो गया। एकीकृत बिहार में वर्ष 1995 में पहली बार लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र से विधायक बने तथा दूसरी बार भी भगत ने लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा की टिकट पर जीत दर्ज की और 15 नवंबर 2000 को झारखंड अलग होने के बाद झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री बने। व्यवहार कुशल एवं मृदुभाषी व्यक्तित्व के धनी सधनु भगत के आकस्मिक निधन से पूरा भाजपा परिवार एवं लोहरदगा के लोग मर्माहत हैं। इनका जन्म 19 जनवरी 1946 को हुआ था। गुरुवार (14 नवंबर) को बक्शीडिपा स्थित जिला कार्यालय में सधनु भगत का पार्थिव शरीर लाया जाएगा। जहां पार्टी के नेता व कार्यकर्ता उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। इसके बाद उनके पार्थिव शरीर को पैतृक गांव हेंसल बसारडीह ले जाया जाएगा। जहां पारंपरिक ढंग से उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

लोकतंत्र के महापर्व में प्रशासनिक अधिकारियों ने भी निभाई अपनी भूमिका, आम नागरिक की तरह किया मतदान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। लोकतंत्र के इस महापर्व में, जहां आम नागरिकों ने उत्साह के साथ चुनाव प्रक्रिया में भाग लिया, वहीं प्रशासनिक पदाधिकारियों ने भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए आम मतदाता की तरह मतदान किया। इस कदम से लोकतंत्र की ताकत और उसकी मयार्दा का अहसास होता है।

पलामू के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त शशि रंजन ने मॉडल बूथ पर मतदान किया और इस दौरान वह आम नागरिक की तरह पंक्तिबद्ध होकर वोट देने के लिए खड़े रहे। उन्हें करीब 20 मिनट लाइन में इंतजार करना पड़ा, जिसके बाद उन्होंने पर्ची दिखाकर अपने मत का प्रयोग किया। शशि रंजन को इस तरह मतदान करते देख वहां मौजूद मतदाताओं में उत्साह की लहर थी, और लोग यह चर्चा करते दिखे कि प्रशासनिक अधिकारी किस सहजता से और आम नागरिक की तरह मतदान कर रहे हैं, जो कि सभी के लिए **शेष पेज 11 पर**

नवरत्नपुर के वोटरों ने किया वोट बहिष्कार, नही हुई वोटिंग

नवीन मेल संवाददाता

प्रतापपुर (चतरा)। रंजीत यादव हत्याकांड को लेकर 13 नवंबर को प्रतापपुर प्रखंड के नवरत्नपुर रंजीत यादव के परिजनों व ग्रामीणों ने विधानसभा चुनाव में वोट बहिष्कार कर विरोध किया। बूथ संख्या 201 पर बुधवार सुबह मतदान कर्मी बूथ पर पहुंचे, लेकिन कोई भी मतदाता वोट देने नही पहुंचा। वोट बहिष्कार की सूचना मिलने पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संदीप सुमन, प्रखंड निर्वाची पदाधिकारी अभिषेक पांडेय, सीओ विकास कुमार टुडू, पुलिस निरीक्षक अवधेश सिंह, थाना प्रभारी कासिम अंसारी दलबल के साथ नवरत्नपुर गांव पहुंचे और मतदाताओं को समझा-बुझाकर वोट देने की अपील की। वहां के ग्रामीण ने रंजीत यादव

हत्याकांड में इंसाफ की मांग करते हुए वोट का वहिष्कार किया। प्रशासन द्वारा कुछ लोगों को वोट कराने मतदान केन्द्र ले जाया जा रहा था। इस बीच रास्ते में ग्रामीणों ने पुलिस की गाड़ी को रोककर विरोध किया। ग्रामीणों ने बताया कि बीते 28 सितंम्बर 2024 के रात्रि रंजीत यादव का **शेष पेज 11 पर**

संथाल में आदिवासियों की संख्या आधी रह गयी : मोदी

देवघर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को झारखंड के देवघर जिले की सारठ विधानसभा सीट पर चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार झारखंड की जनता नया इतिहास रचने को तैयार है। पीएम ने कहा 23 नवंबर के बाद मैं फिर से झारखंड आऊंगा और नई एनडीए सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित रहूंगा। उन्होंने कहा कि झारखंड में पहले चरण के तहत हो रहे मतदान में भी रोटी-बेटी और माटी बचाने का संकल्प हर बूथ पर दिख रहा है। भाजपा ने जो गारंटियां दी हैं, उनके प्रति भारी समर्थन

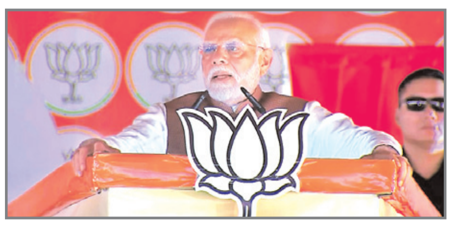

दिख रहा है। संथाल का क्षेत्र भी नया इतिहास रचने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड में आदिवासियों की घटती आबादी और विदेशियों की घुसपैठ पर चिंता जाहिर की। आंकड़े बताते हैं कि संथाल में आदिवासियों की संख्या करीब-करीब आधी रह गयी है। अगर ऐसे ही आदिवासी घटते रहे तो क्या होगा? आपके जल, जंगल और जमीन पर दूसरों का कब्जा हो जायेगा। हमें इस स्थिति से हर झारखंडी को बचाना है। उन्होंने कहा कि दो दिन बाद हम भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंति का उत्सव गौरव दिवस के रुप में मनाने जा रहे हैं। भारत के हर कोने में इस गौरव दिवस को मनाया जाएगा।

पलामू डीआईजी ने किया विधि व्यवस्था का निरीक्षण, गढ़वा में स्थिति का लिया जायजा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू के डीआईजी वाईएस रमेश ने बुधवार को जिले के विभिन्न हिस्सों में विधि व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने गढ़वा जिले के उपायुक्त शेखर जैन के साथ कई क्षेत्रों का दौरा किया, जहां चुनाव संबंधित सुरक्षा

व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की गई। डीआईजी ने मतदान के बाद की स्थिति को देखते हुए विधि व्यवस्था को दुरुस्त किया और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सुरक्षा इंतजामों को सख्त किया।

इंडिया: कहीं सबसे कम तो कहीं रिकॉर्ड वोटिंग किसके सर ताज के संकेत

झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए पहले चरण में 15 जिलों की 43 सीटों पर वोटिंग के आंकड़े आए उसमें राजधानी रांची में सबसे कम 51.50 % और उसके बाद हटिया जबकि सबसे ज्यादा सराईकेला खरसांवा में 72.19 % वोटिंग हुई । झारखंड में बीजेपी नित एनडीए और कांग्रेस-जेएमएम की इंडी गठबंधन में सीधी टक्कर है। ये चुनाव तय करेगा कि झारखंड में हेमंत सोरेन फिर सत्ता में आएंगे या फिर इस बार पिछली गलतियों विशेषतः 2019 से सीख लेकर आजसू,जदयू और एलजेपी के साथ गठबंधन बनाकर चुनाव लड़ रही बीजेपी अपना खोया राज फिर से पाएगी । झारखंड में पहले फेज में आखिर किसका क्रेज है, इसका इशारा वोट प्रतिशत से मिलता है । इस बार मोटे तौर पर कुछ अपवादों को छोडकर रांची और हटिया के बूथों में उत्साह में कमी देखी गई जबकि चुनाव आयोग के अनुसार लोकसभा चुनाव के समय से ही इस बार का चुनाव सबसे अधिक सुविधायुक्त और खचीर्ला है । इस बार शाम 5 बजे की सूचना जो दिन के 3 बजे तक की वोटिंग पर आधारित थी 64.86 % थी अगर हम 2019 के विधानसभा चुनाव की बात करें तो राज्य में 63.9 % वोटिंग हुई थी। फाइनल आंकड़े में कुछ प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है। प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार सरायकेला-खरसावां जिले की सीटों पर सबसे अधिक 72.19 फीसदी मतदान रिकॉर्ड किया गया है, जबकि सबसे कम वोटिंग हजारीबाग जिले की सीटों में 59.13 फीसदी दर्ज की गई है। कोल्हान प्रमंडल की खरसावां सीट पर सबसे ज्यादा 77.32 प्रतिशत वोट पड़े हैं। रांची शहरी विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम 51.50 मतदाताओं ने ही मताधिकार का इस्तेमाल किया है। जिन अन्य सीटों पर 70 फीसदी से ज्यादा मतदान हुआ है, उसमें बहरागोड़ा में 76.15, लोहरदगा में 73.21, मांडर में 72.13, पोटका में 72.29, सरायकेला में 71.54, सिसई में 71.21 और बिशुनपुर में 70.06 प्रतिशत वोट रिकॉर्ड किया गया है। अंतिम अपडेट रात 12 बजे तक आने की बात झारखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रवि कुमार कह रहे थे पर रुझान के अनुसार देखें तो झारखंड में वोटिंग पर्सेंटेज पिछले विधानसभा चुनाव से ऊपर जा सकता है। इस बार बहरागोड़ा, खरसावां और घाटशिला समेत कोल्हान, उत्तरी छोटानागपुर, दक्षिणी छोटानागपुर और पलामू प्रमंडल के कई विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं में खासा उत्साह देखा गया। हालांकि रांची और जमशेदपुर समेत अन्य शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत अपेक्षाकृत कम रहा। चुनावी विश्लेषक ज्यादा वोट प्रतिशत सत्ता पक्ष के खिलाफ लहर के मानते हैं जबकि इसके बाद भी सरकारों ने सत्ता में वापसी की है। राजधानी रांची सहित अनेक स्थानों से बिना किसी कारण के वोटर लिस्ट से नाम हटाने की शिकायतें भी आईं। एबीपी न्यूज चैनल और मैट्रीज चुनाव सर्वेक्षण में तो भाजपा को सबसे बड़ी पार्टी बताया है पर अभी कुछ भी कहना जल्दीबाजी होगी । वैसे ग्रामीण क्षेत्र इस बार भी शहरी क्षेत्रों से वोट देने में आगे हैं । देश की राजधानी दिल्ली की तरह झारखंड की राजधानी रांची के मतदाताओं ने भी निराश किया । सबसे अधिक पढे लिखे, संपन्न, नौकरीपेशा, व्यापारी और नेताओं का निवास स्थान रांची सबसे कम मतदान से संदेश दे रहा है कि उन कारणों की पड़ताल की जाए जो इस कलंक के कारक हैं। विधानसभा अध्यक्ष रवीद्र कुमार महतो को चुनावी मुकद्दमे में जीत दिलाने वाले संवैधानिक मामलों के जानकार झारखंड हाइकोर्ट के वकील अरविंद कुमार लाल उस समय हक्के बक्के रह गए जब राणी सती स्कूल स्थित बूथ में उनकी पत्नी का नाम ही गोल था। कुछ स्थानों में बीएलओ ने अच्छा काम किया पर पोस्ट ऑफिस वालों की लापरवाही और वॉटर आईडी कार्ड में अपूर्ण पते के कारण वोटर वोट देने से वंचित रहे। अनेक पॉश इलाकों के लोगों में वोट के प्रति कोई उत्साह नहीं देखा गया जबकी आज रांची का मौसम बहुत ही सुहावना था और बूथों पर बिजली, पानी,चिकित्सा से लेकर दिव्यांगों के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं थीं । चर्चा थी कि ड्राइंग रूम की बहसों में सरकार,व्यवस्था से लेकर देश तक को कोसने वाले ये सुविधाभोगी लोग दिन भर सोने या घूमने फिरने में व्यस्त रहे पर आधे घंटे का समय नहीं निकाला जबकि राज्यपाल, मुख्यमंत्री,बड़े अधिकारी जैसे व्यस्त लोगों सहित वरिष्ठ पत्रकार और राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने भी मतदान में भाग लेकर बड़ा संदेश दिया। रांची के राजकुमार कैप्टन कूल महेंद्र सिंह धोनी ने भी सपरिवार मतदान में भाग लेकर खुद के चुनाव के आइकन होने का फर्ज निभाया। वरिष्ठ पत्रकार और प्राध्यापक प्रकाश सहाय मतदान को कानूनन अनिवार्य बनाने की मांग करते हैं । बताया जाता है कि प्रतिभा पलायन भी कम मतदान का बड़ा कारण है । बड़ी संख्या में युवा पढ़ाई,नौकरी या रोजगार के सिलसिले में भारत या विदेशों में हैं जिनके नाम यहां की वोटर लिस्ट में है। अनेक लोगों की शिकायत है कि कई बार फोरम भरने के बाद भी उनका वोटर कार्ड नहीं बना । चुनाव आयोग को इन कारणों को तलाशने के साथ समाधान भी ढूंढना चाहिए जिसमें ओटीपी और आधार लिंक ऑनलाइन वोटिंग का भी विकल्प है।

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

पलामू में मतदान सामग्री का जमा करने का काम जारी, स्ट्रांग रूम में जुटे मतदान कर्मी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के सभी पांच विधानसभा क्षेत्रों से मतदान करने के बाद मतदान कर्मी अपने-अपने बूथ की सामग्री जीएलए कॉलेज स्थित स्ट्रांग रूम में जमा करने के लिए पहुंचने लगे हैं। इसके लिए अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों– डाल्टनगंज, बिश्रामपुर, छतरपुर, और हुसैनाबाद– के लिए अलग-अलग काउंटर बनाए गए हैं। यह प्रक्रिया शाम से लेकर देर रात तक लगातार जारी रही। सभी मतदान कर्मी निर्धारित प्रपत्र के साथ अपनी सामग्री जमा करने के लिए कतारबद्ध होकर खड़े हैं।

इस कार्य की निगरानी जिला प्रशासन द्वारा की जा रही है, और इसे जिला निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. शशि रंजन और एसपी रीष्मा रमेशन द्वारा मॉनिटर किया जा रहा है। 1796 मतदान केंद्रों से मतदान कर्मी बुधवार से लौटने लगे हैं, और यह प्रक्रिया कल दोपहर 12 बजे तक जारी रहेगी। इस दौरान, जीएलए कॉलेज स्थित स्ट्रांग रूम के आसपास मेला जैसा दृश्य देखा गया, जहां मतदान कर्मियों द्वारा सामग्री जमा करने का काम तेजी से चल रहा था।

एक नजर

हरिहरगंज में 61 और पिपरा में 60 मतदान सम्पन्न

हरिहरगंज। पलामू झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण के तहत बुधवार को हरिहरगंज और पिपरा प्रखंड में कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण माहौल में मतदान प्रक्रिया सम्पन्न हुई। दोनों प्रखंडों के मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग किया। हरिहरगंज प्रखंड में कुल 35001 मतदाताओं में से 61.5% ने मतदान किया। इस प्रखंड में 17360 पुरुष और 17641 महिला मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। बूथ संख्या 319 (प्राथमिक विद्यालय, अंबा) में सर्वाधिक 77.7% मतदान हुआ, जबकि बूथ संख्या 332 (स्तरोन्नत उच्च विद्यालय, सुलतानी) में सबसे कम 47.42% मतदान दर्ज किया गया। पिपरा प्रखंड में कुल 17355 मतदाताओं में से 60.6% ने मतदान किया। यहां 8480 पुरुष और 8875 महिला मतदाताओं ने हिस्सा लिया। बूथ संख्या 274 (उमवि, चपरवार) में सर्वाधिक 71% मतदान हुआ, जबकि बूथ संख्या 256 (उमवि, पिठौरा) में सबसे कम 49.5% मतदान दर्ज किया गया। दोनों प्रखंडों में चुनावी प्रक्रिया शांतिपूर्ण रही और मतदाताओं ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

पहली बार मतदान कर खुश दिखे नए मतदाता

चतरा/सिमरिया। जिले के सिमरिया व चतरा दोनो विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न बूथों पर बुधवार को पहली बार मतदान करने वाले नए युवा मतदाताओं में अलग ही मुस्कान दिखा। नए मतदाताओं के चेहरे पर पहली बार मतदान करने की खुशी साफ झलक रही थी। उत्साह के साथ सभी नए मतदाता कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। इस बार नए युवा मतदाताओं की संख्या भी अच्छी खासी थी। नए युवा मतदाता पहली बार मतदान कर खुश नजर आ रहे थे।

हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न

प्रशासनिक अधिकारियों ने कई बूथों का जायजा लिया

कई बूथों पर मशीन की तकनीकी खराबी के कारण घंटो विलंब से चालू हुआ मतदान

◀◀ बूथों पर सुबह से ही लगी रहीं मतदाताओं की लंबी कतार

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। झारखंड विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण का मतदान बुधवार को शांतिपूर्ण सम्पन्न हो गया। हुसैनाबाद हरिहरगंज 79 विधानसभा क्षेत्र में शांतिपूर्ण तरीके से मतदान सम्पन्न हुआ। हुसैनाबाद नगर पंचायत क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 131 पर मशीन की तकनीकी खराबी के कारण करीब ढाई घंटे लेट से मतदान चालू हुआ। वहीं 127 पर आईटीआई के बूथ संख्या 127 पर करीब एक घंटे विलंब मतदान शुरू हुई। जिसके कारण मतदाताओं की लंबी कतार लगी थी। उक्त दोनों बूथों पर दूसरे ईवीएम लाकर वोटिंग चालू हुआ। वैसे चुनाव को लेकर मतदाताओं में काफी उत्साह रहा। नए मतदाताओं में काफी उत्साह देखा गया। इसके अलावे बुर्जुग व दिव्यांग मतदाता भी अपने मतों का प्रयोग किया। हुसैनाबाद क्षेत्र के संवेदनशील व अति संवेदनशील मतदान केंद्रों पर लोग निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सुबह से ही मतदाताओं की लम्बी कतार देखी गयी। शहर के मतदान केंद्र संख्या 116 को मॉडल रूप दिया गया था,जहां पर बुजुर्ग,दिव्यांग व महिला मतदाताओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। मतदान केंद्र पर हुसैनाबाद एसडीओ सह निवार्ची पदाधिकारी कृष्णकांत कनवाड़िया ,डीटीओ जितेंद्र कुमार यादव, सहायक निवार्ची पदाधिकारी पंकज कुमार,अपर समाहर्ता गौरांग महतो,एसडीपीओ एस मो0 याकूब, हुसैनाबाद थाना प्रभारी संजय कुमार यादव,देवरी ओपी प्रभारी बबलू कुमार,दंगवार ओपी प्रभारी सोनू कुमार पूरे दल बल के साथ सक्रिय दिखें।

सुबह से कतार में दिखे मतदाता वोट देने के प्रति थे उत्साहित

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। हुसैनाबाद विस क्षेत्र अंतर्गत इस प्रखंड के एक से 43 मतदान केंद्रों में कुछ को छोड़ मतदान को लेकर मतदाताओं में उत्साह दिखा। सुबह से ही मतदाताओं की कतार लंबी होती चली गई। पहले दो घंटे में 9 बजे तक 40351 में 5234 (12.97%), 11 बजे तक 28.89, 1 बजे तक 43.36 जबकि 3 बजे तक 54.56 प्रतिशत तक मतदाताओं ने मतदान कर लिया था। कुल मतदाताओं में पुरुष 20,900 व 19,451 महिलाएं शामिल हैं। इनमें 3 बजे तक 21,610 ने मताधिकार का प्रयोग कर लिया था। इसमें सर्वाधिक मतदान बूथ संख्या 26 राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय करडंडा में 68.66 जबकि 22.28 प्रतिशत रामवि कोल्हुआ के बूथ नंबर 25 में सबसे कम मतदान किया जा सका था। 5 बजे मतदान की समाप्ति के बाद आंकड़े में और वृद्धि होगी। ऐसा बताया गया। शांतिपूर्ण मतदान के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

निष्पक्ष मतदान को लेकर पांकी विधानसभा में प्रशासन रहा अलर्ट

नवीन मेल संवाददाता

नीलांबर पीतांबरपुर। पांकी विधानसभा में निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कई मतदान केंद्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पहले बार वोट डालने वाले मतदाताओं और वृद्ध मतदाताओं को कॉफी मग देकर सम्मानित किया। इसके अलावा, पांकी के कपूरी ठाकुर चौक पर आमजन के साथ चाय पीकर लोगों से मतदान में भाग लेने की अपील की। इस मौके पर उनके साथ पांकी विधानसभा क्षेत्र की उप-विकास आयुक्त और जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्कू भी मौजूद थीं। कुछ वर्षों पहले नक्सल प्रभावित क्षेत्र माने जाने वाले पांकी, मनातू, तरहसी और लेस्लीगंज के कई मतदान केंद्रों पर अब लोगों का उत्साह देखा गया। बुनियादी विद्यालय कोनवाई पर मतदान कर रहे शिवमंगल सिंह और महेश सिंह जैसे मतदाताओं ने बताया कि एक दशक पहले तक नक्सलियों का खौफ था, जिससे मतदान में कमी आती थी। लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है, और इस बार यहां के तीन बूथों पर 70% से अधिक मतदान हुआ। सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था ने मतदान को सुचारु रूप से चलाने में मदद की। सामान्य बूथों पर महिला पुलिसकर्मी और झारखंड पुलिस के जवान तैनात थे, जबकि अति-संवेदनशील बूथों पर केंद्रीय रिजर्व बलों की तैनाती की गई थी। पुलिस जवानों की सजगता और सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए, पुलिस ने क्यूआरटी टीमें भी तैनात की थीं, जो विभिन्न मतदान केंद्रों पर घूम-घूमकर निगरानी करती रही। सेक्टर मजिस्ट्रेट, प्रखंड विकास पदाधिकारी और क्यूआरटी टीमों ने अलग-अलग मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। पांकी विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 141 पर डीएसपी राजीव रंजन और लेस्लीगंज थाना प्रभारी राजू कुमार गुप्ता ने मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को सतर्क रहने और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

न्यूज बॉक्स

नवीन मेल के कैमरे ने देखा विधानसभा चुनाव की झलकियां

पूर्व मंत्री ने परिवार के साथ मतदान किया।

निर्दलीय प्रत्याशी विनोद सिंह ने किया मतदान।

भाजपा प्रत्याशी मतदान के बाद अपने परिजनों के साथ ।

मोहम्मदगंज के विभिन्न बूथों पर सुबह से लगी लंबी कतार ।

मोहम्मदगंज के जिला पार्षद अंजु देवी ने पंसा में किया मतदान

15 किमी तय कर मतदान करने पहुंचे माहूर के मतदाता, दिखा उत्साह

मोहम्मदगंज। हुसैनाबाद विस क्षेत्र के कादलकुर्मी पंचायत अंतर्गत मतदान केंद्र संख्या 43 उप्रावि माहूर के मतदाताओं ने 15 किमी की दूरी तय कर प्रखंड मुख्यालय स्थित उत्तर कोयल परियोजना उवि में स्थापित बूथ पर मतदान किया। इसमें माहूर गांव के उत्साही युवाओं की भूमिका मतदाताओं को उत्प्रेरित करने के काम आई। बताया गया कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से यह व्यस्था की गई थी। जहां उत्साह के साथ 3 बजे तक 50.92 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान कर लिया था। इसमें पहले दो घंटे में 1.69, दूसरे में 11.38, तीसरे में 38 प्रतिशत मतदान किया गया था। अंतिम दो घंटे में भी मतदान के लिए कतार लगी थी। बताया गया कि उन्हें गांव से मतदान केंद्र तक पहुंचने के लिए वाहन की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। इस गांव में कुल मतदाताओं की संख्या 650 है। इसमें पुरुष की अपेक्षा महिला मतदाताओं की संख्या अधिक है। पुरुष जहां 318 हैं, वहीं महिलाओं की संख्या 332 है। सूदूरवर्ती जंगलों-पहाड़ों के बीच बसा माहूर गांव मोहम्मदगंज-महुडंड मुख्य पथ में स्थित है। मगर इस मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली गांव की सड़क अच्छी नहीं है।

मतदान केंद्रों पर सुबह से ही लगी रही मतदाताओं की कतार

विश्रामपुर। विस क्षेत्र में चुनाव को लेकर मतदाताओं में काफी उत्साह दिखा। सुबह सात बजे से ही मतदान केंद्रों पर मतदान के लिए लोगों की लंबी कतार लग गई थी। विश्रामपुर के बूथ संख्या 259 निमियां में ईवीएम में आई खराबी के कारण करीब एक घंटे विलंब से मतदान शुरू हुआ। वहीं विश्रामपुर के अति संवेदनशील बूथ संख्या 271 घासीदाग में मतदान शुरू होने के बाद जब 131 वोट पड़े तब ईवीएम में खराबी आ गयी, जिससे मतदान कार्य बीच में ही करीब 8:30 बजे रोकना पड़ा। बाद में दूसरा ईवीएम आने के बाद पुनः 9:48 बजे मतदान शुरू कराया गया। रेहला बुनियादी विद्यालय में स्थापित आर्दश बूथ केंद्र 214 पर निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देश के आलोक में समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराई गई थी, वहां मतदान कर्मी से लेकर पुलिस कर्मी तक महिलाएं थीं। हालांकि यहां मतदान की गति काफी धीमी रही, जिससे मतदाताओं को काफी देर तक कतार में खड़ा रहना पड़ा।

बुजुर्गों में दिखा मतदान को लेकर उत्साह, मतदान के प्रति जागरूकता का संदेश

नीलांबर पीतांबरपुर। पांकी विधानसभा क्षेत्र में बुधवार को हुए मतदान में बुजुर्गों का उत्साह देखने को मिला। उम्र के अंतिम पड़ाव में होने के बावजूद बुजुर्गों ने चुनाव में अपनी भागीदारी निभाने के लिए मतदान केंद्र तक पहुंचे। कुछ बुजुर्ग लाठी के सहारे तो कुछ परिजनों के साथ मतदान करने आए। इन बुजुर्गों के मतदान के प्रति जज्बे ने दूसरों को भी प्रेरित किया और यह संदेश दिया कि मतदान कितना महत्वपूर्ण है। मेघनी देवी, जो अपने बेटे के साथ वोट देने आई थीं, ने कहा, ₹वोट देना जरूरी है, और मैं हर बार वोट करती हूं। जब तक जीवित हूं, मतदान करती रहूंगी।₹ 78 वर्षीय मिथिलेश्वर शुक्ला ने राजकीय कृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय कमलकेड़िया मतदान केंद्र पर वोट डाला। उन्होंने कहा, ₹वोट करने से ही देश की तरक्की हो सकती है। आज तक मैंने बहुत बदलाव देखे हैं, और यह सब वोट देने से ही हुआ है।₹ उन्होंने यह भी कहा कि हर जिम्मेदार नागरिक को वोट देना चाहिए और चुनाव केंद्रों पर बुजुर्गों के लिए बेहतर सुविधाएं होनी चाहिए। 72 वर्षीय किसमती देवी, जो मुंदरिया मतदान केंद्र संख्या 123 पर अपने बेटे के साथ वोट देने आई थीं, ने कहा, ₹मेरे पैरों में तकलीफ है, और मैं चल नहीं सकती, लेकिन वोट तो देना ही था। मैं हमेशा वोट करती हूं और इस बार भी बेटे की मदद से मतदान केंद्र तक पहुंची।₹ इन बुजुर्गों की भागीदारी ने यह साबित कर दिया कि लोकतंत्र में हर नागरिक का योगदान जरूरी है, चाहे उनकी उम्र कुछ भी हो।

पांकी विधानसभा में वोटरों का जोश, 65.13 मतदान

मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पांकी विधानसभा क्षेत्र में बुधवार को हुए चुनाव में मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कुछ मामूली झड़पों को छोड़कर, मतदान शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ। शाम 5 बजे तक पांकी में कुल 65.13% मतदान दर्ज किया गया। चुनाव में पहली बार मतदान कर रहे युवा, महिलाएं और वरिष्ठ नागरिकों में विशेष उत्साह देखा गया। मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, जिसमें महिला पुलिस और सशस्त्र बलों के साथ-साथ संवेदनशील बूथों पर केंद्रीय रिजर्व बल भी तैनात थे। पोलिंग पार्टियां मंगलवार रात से ही बूथों पर तैनात हो गई थीं। संवेदनशील बूथों पर महिला सुरक्षा कर्मियों और मतदान कर्मियों के लिए रुकने की विशेष व्यवस्था की गई थी। सुबह 3 बजे मतदान कर्मियों ने अपने-अपने बूथों के लिए कूच किया और 5 बजे तक सभी बूथों पर पहुंच गए थे। इसके बाद मॉक पोल किया गया और 7 बजे मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई। मतदान के प्रारंभ में कुछ वीवीपैट मशीनों में तकनीकी दिक्कतें आईं, जिन्हें समय रहते ठीक कर लिया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान शुरू होते ही बड़ी संख्या में मतदाता मतदान केंद्रों पर पहुंचने लगे।

वोटर लिस्ट में नाम नहीं होने से असंतोष

कुछ मतदाता, जिनके पास वोटर आईडी कार्ड था, वोटर लिस्ट में नाम न होने के कारण वोट नहीं कर सके। इनमें नीलांबर-पीतांबरपुर के बूथ संख्या 108 पर अनिकेत कुमार सिंह और तरहसी तथा पांकी के अन्य मतदाता शामिल थे। मतदान के दौरान डीएसपी मनोज कुमार झा और थाना प्रभारी राजू गुप्ता ने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। तरहसी के गुरहा बूथ पर पुलिस की क्यूआरटी टीम ने गश्त की, जबकि पांकी और नीलांबर-पीतांबरपुर के सेक्टर मजिस्ट्रेट भी सुरक्षा का जायजा लेते नजर आए। स्वास्थ्य विभाग के निर्देश पर सभी मतदान केंद्रों पर प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था की गई थी। सहियाओं द्वारा जरूरत के अनुसार ओआरएस और दवाइयां वितरित की जा रही थीं। निर्दलीय प्रत्याशी देवेंद्र कुमार सिंह ने पदमा के भैंसासुआ स्थित बूथ संख्या 25 पर मतदान किया। पांकी विधानसभा में शांतिपूर्ण मतदान के साथ लोकतंत्र का पर्व सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

कई मतदान केन्द्रों से निराश लौटे वोटर,मतदाता सूची में नाम था गायब

हुसैनाबाद। विधानसभा क्षेत्र 2024 के चुनाव में प्रखंड के देवरी खुर्द पंचायत के राजकीय मध्य विद्यालय के बूथ संख्या136,137 और 138 बूथ केन्द्रों के कई मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से डिलीट कर दिया गया है। जिससे निराश होकर देवरी खुर्द से उज्वल कुमार, शिप्रा कुमारी ,सोनी कुमारी, लालती देवी,बनकट के नारायण, मनिका देवी आदि का बूथ पर पहुंचने पर कहा गया कि आपका नाम सूची में नहीं मिला। सभी लोग निराश होकर बिना मतदान किये घर वापस लौट गए।

कोल्हुआ और बेगमपुरा के मतदाताओं ने भी किया मतदान

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। कोल्हुआ के 25 व बेगमपुरा के 18 नंबर बूथों पर इन गांवों के ग्रामीण सड़क व अंडरपास नहीं तो वोट नहीं करने पर अड़ गए थे। मगर बुधवार को मतदान के ऐन वक्त पर उन्होंने इरादा बदला और मतदान करने को राजी हो गए। हालांकि कोल्हुआ में पहले चार घंटे में मात्र 6 लोगों ने ही मतदान किया था। बताया गया कि सहायक निवार्ची पदाधिकारी रणवीर कुमार व थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह के पहुंचने पर उनके मान मनौव्वल के बाद मतदान में तेजी आई। इससे एक बजे तक 2.75 व 3 बजे 22.18 प्रतिश तक मतदान का आंकड़ा पहुंच गया था। 11 बजे तक मात्र 0.59 प्रतिशत ही था। इन अधिकारियों की पहल पर ही बेगमपुरा के ग्रामीणों ने भी मतदान में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इससे पहले दो घंटे में जहां मतदान प्रतिशत 2.62 था, वह 11 बजे तक 19.61 जबकि एक बजे तक 39.36 जबकि 3 बजे तक 47.24 प्रतिशत पर पहुंच गया था। बताया गया कि इन अधिकारियों को मतदान के दिन तीसरे प्रयास में इन गांवों के ग्रामीणों को मताधिकार का एहसास दिलाने में सफलता मिली। बता दें कि कोल्हुआ के ग्रामीणों ने सड़क और बेगमपुरा के ग्रामीणों ने रेलवे अंडरपास की मांग को पूरी करने को लेकर ठोस आश्वासन प्राप्त करने के लिए वोट नहीं डालने का निर्णय लिया था। ग्रामीणों का कहना है कि इस मामले में अधिकारियों का आश्वासन तो मिला ही है। साथ ही दल विशेष के अलग-अलग प्रत्याशियों के स्तर से भी उनके चुनाव जीतने के बाद इन समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि इन्हीं भरोसे पर लोकतंत्र में जनता के सबसे अहम मौलिक अधिकार का इस महापर्व में प्रयोग करते हुए वे गौरवांवित हैं।

पत्थलगड़ा मे 69.67 प्रतिशत मतदान

पत्थलगड़ा(चतरा)। पत्थलगड़ा प्रखंड में बुधवार को शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने को लेकर बीडीओ कलिंदर साहू, सीओ उदल राम व थाना प्रभारी आलोक कुमार चौधरी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रखंड में 69.67 प्रतिशत मतदान हुआ। पत्थलगड़ा में सबसे ज्यादा मतदान नवाडीह पश्चिमी भाग बूथ में 82 प्रतिशत। नवाडीह भाग उत्तरी में 251 में 77 प्रतिशत, चौथा बूथ संख्या 419 में 76 प्रतिशत, बेलहर बूथ संख्या 568 में 74 प्रतिशत, तेतरिया पूर्वी भाग बूथ संख्या 485 में 76 प्रतिशत व सिंघानी बूथ संख्या 142 में 73 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान को लेकर नए वोटर ज्यादा उत्साहित थे।

विस चुनाव 2024

पहली बार मतदान करने वालों में खुशी की झलक

सुबह सात बजे से ही मतदाता कर रहे थे अपनी बारी का इंतजार

नवीन मेल संवाददाता

नीलांबर पीतांबरपुर। विधानसभा चुनाव में पहली बार मतदान करने वाले युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न बूथों पर जैसे ही युवाओं ने अपनी पहली बार मतदान किया, उनके चेहरों पर खुशी की झलक साफ नजर आई। अति सुदूरवर्ती इलाके के मतदान केंद्र जैसे उत्क्रमित मध्य विद्यालय गेठा (बूथ नंबर 161), मध्य विद्यालय नावाडीह तेनार (बूथ नंबर 162), और उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय पथरही (बूथ नंबर 129) पर पहली बार वोट डालने के बाद युवा मतदाता खुशी से कहते नजर आए, 'बहुत उत्साहित हूं।' प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से ही मतदाता अपनी बारी का इंतजार करते हुए लंबी कतारों में खड़े नजर आए। खासकर युवाओं में मतदान को लेकर खासा जोश देखा गया, वे सुबह-सुबह मतदान केंद्रों पर पहुंचकर अपने अधिकार का प्रयोग करने के लिए आगे रहे। दिनभर मतदान केंद्रों पर मतदाताओं का आना-जाना जारी रहा, जिसमें महिलाओं और युवाओं की भागीदारी भी उल्लेखनीय रही।

पहली बार मतदान करने वालों से बातचीत

नवविवाहिता रिंपा कुमारी ने कहा, 'कुछ वर्ष पहले मेरी शादी हुई थी, और अब मुझे मतदान का अधिकार मिला है। पहली बार मतदान करके मैं बहुत खुश हूं।' अंकित कुमार दुबे ने कहा, 'मेरी दिली इच्छा थी कि मैं राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दूं। आज पहली बार मतदान करके मेरी यह इच्छा पूरी हो गई, और मैं बहुत प्रसन्न हूं।' विवेक कुमार और संदीप कुमार ने कहा, 'पहले जब हम दूसरों को मतदान करते देखते थे, तो हमें भी इच्छा होती थी कि हम भी मतदान करें और हमारी अंगुली पर भी स्याही का निशान लगे। आज हमारी इच्छा पूरी हुई, हम बहुत खुश हैं।' रंजू कुमारी और पूजा कुमारी ने कहा, 'पहली बार मतदान कर बहुत अच्छा लगा। मतदान से राज्य का भविष्य तय होता है, इसलिए हमने वोट दिया।'

शहरी मतदाता शांत, ग्रामीणों में दिखा जबरदस्त उत्साह

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। विधानसभा चुनाव में इस बार शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के मतदाताओं में स्पष्ट अंतर देखने को मिला। जहां शहरी क्षेत्र के मतदाता शांत दिखी, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में लोग लोकतंत्र के इस महापर्व में पूरे उत्साह के साथ शामिल हुए। शहरी बूथों पर अपेक्षाकृत कम भीड़ देखने को मिली, जबकि ग्रामीण इलाकों में सुबह 7 बजे मतदान शुरू होने से एक घंटा पहले ही लोग कतारों में खड़े नजर आए।

ग्रामीण बूथों पर मतदान का प्रतिशत बेहतर रहा, जबकि शहर में अधिकांश मतदान केंद्रों पर लोगों की कम संख्या देखी गई। शहरी क्षेत्रों में केवल पहली बार वोट देने वाले युवा मतदाताओं में ही उत्साह दिखाई दिया। वोट देने के बाद उनके चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। इसके विपरीत, गांवों में मतदान के प्रति सभी वर्गों में उत्साह देखने को मिला।

हालांकि, प्रशासन ने मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्कूलों, कॉलेजों में प्रतियोगिताएं, दौड़ और कला प्रतियोगिताएं आयोजित की थीं, लेकिन इसका असर शहरी मतदाताओं पर नहीं दिखा। शहरी इलाकों में स्वीप कार्यक्रम के तहत विशेष अभियान भी चलाया गया, ताकि लोकसभा चुनाव में कम मतदान वाले बूथों पर इस बार प्रतिशत बढ़ाया जा सके।

कांजी हाउस मुहल्ला में मतदान के दौरान हंगामा, जांच के बाद मतदान सामान्य हुआ

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। बुधवार को कांजी हाउस मुहल्ला स्थित मदरसा के बूथ संख्या 166 और 167 पर कुछ मतदाताओं ने मतदान के दौरान गड़बड़ी का आरोप लगाकर हंगामा किया। उन्होंने कहा कि वोट डालने पर उनके द्वारा चुने गए उम्मीदवार के बजाय दूसरे दल की पर्ची निकल रही थी, जिससे मतदान प्रक्रिया में कुछ समय के लिए विघ्न उत्पन्न हुआ। सूचना मिलने पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी सुलोचना मीणा, अंचल अधिकारी अमरदीप सिंह बल्होत्रा, और टीओपी वन के प्रभारी इंद्रदेव पासवान अपने दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति की जांच की। एसडीओ ने आरोप लगाने वाले युवक से फॉर्म भरने को कहा और कहा कि मामले की जांच की जाएगी। जांच में यदि आरोप सही पाए गए तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी, जबकि आरोप झूठे पाए जाने पर युवक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कांग्रेस प्रत्याशी के एन त्रिपाठी को इस घटना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने जिला निर्वाचन पदाधिकारी शशि रंजन से संपर्क किया, जिन्होंने मामले की जांच के लिए एसडीओ को निर्देश दिया। एसडीओ के निरीक्षण के बाद स्थिति सामान्य हुई और मतदान को पुनः शुरू किया गया। इस दौरान प्रशासन ने पूरी प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रूप से जारी रखने के लिए सुरक्षा शिक्षकों को चाक चौबंद बनाए रखा।

प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद, शांतिपूर्ण मतदान हुआ

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जिला प्रशासन ने जिले के सभी मतदान केंद्रों पर उचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की थीं, जिससे मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। अधिकांश मतदान केंद्र सीसीटीवी कैमरों से लैस थे और हर बूथ पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, ताकि किसी भी तरह का उपद्रव न हो सके।

अनुमंडल पदाधिकारी सुलोचना मीणा, शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार और सदर थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय सुबह से ही विभिन्न मतदान केंद्रों का जायजा लेते रहे। इस दौरान मतदान केंद्र संख्या 274 और 275 पर कुछ लोगों द्वारा मतदाताओं को दबाव डालकर एक विशेष उम्मीदवार के पक्ष में वोट डालने के लिए मजबूर किया जा रहा था। जैसे ही इस मामले की सूचना मिली, अनुमंडल पदाधिकारी सुलोचना मीणा और शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार मौके पर पहुंचे और उन लोगों को वहां से बाहर किया, जिसके बाद मतदान शांतिपूर्वक जारी रहा।

इसके अलावा, डाल्टनगंज के कुछ मतदान केंद्रों को छोड़कर, अन्य सभी केंद्रों पर व्हीलचेयर और मेडिकल किट की उचित व्यवस्था की गई थी, जिससे विकलांग मतदाताओं को मतदान में सहूलत मिल सकी। कई मतदान केंद्रों पर पुलिसकर्मियों को विकलांग लोगों को मतदान मशीन के पास ले जाते हुए देखा गया, जिससे उन मतदाताओं का आभार भी व्यक्त किया गया। इस कदम ने मतदान प्रक्रिया को और भी सुलभ और सुविधाजनक बना दिया।

प्रो. मिश्रा ने किया तीन पीढ़ियों संग मतदान

मेदिनीनगर। जीएल कॉलेज के सेवानिवृत्त प्राध्यापक और साहित्यकार प्रो. सुभाष चंद्र मिश्रा ने अपनी पत्नी बासंती मिश्रा, पुत्र हेमंत मिश्रा, पुत्रवधू जया मिश्रा और पौत्र मानस मिश्रा के साथ रेड़मा बूथ पर मतदान किया।

भाजपा प्रत्याशी आलोक चौरसिया ने अपने गांव के बूथ पर मतदान के बाद परिजनों के साथ।

कांग्रेस प्रत्याशी केएन त्रिपाठी रेड़मा स्थित मतदान केन्द्र पर स्थिति का जायजा लेते हुए।

मतदाता सूची से नाम गायब, कई मतदाता हुए निराश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। डाल्टनगंज-भंडारिया विधानसभा क्षेत्र के कनीराम चौक स्थित मिडिल स्कूल के मतदान केंद्र संख्या 180 और 181 से कई मतदाता निराश लौटे, क्योंकि उनका नाम मतदाता सूची से गायब था। इनमें से कुछ मतदाताओं ने बताया कि उनके पास वोटर आईडी और आधार कार्ड तो मौजूद थे, लेकिन उनका नाम सूची से कट चुका था। दुर्गा प्रसाद ने बताया, 'मेरे पास वोटर आईडी कार्ड है, फिर भी मेरा नाम कट गया है। पिछले लोकसभा चुनाव में भी मैं मतदान करने से वंचित रह गया था, और अब फिर से यही स्थिति है। कई प्रयास करने के बावजूद प्रशासन ने इस पर ध्यान नहीं दिया।' इसी मतदान केंद्र पर शिवम कुमार गुप्ता और मनोज गुप्ता ने भी अपनी निराशा जाहिर की। उन्होंने कहा, 'यहां लाइन में खड़े होने पर सूर्य की तेज रोशनी परेशान कर रही थी, जिस कारण कई वोटर मतदान केंद्र पर नहीं रुक रहे थे। विकलांग और वृद्ध मतदाताओं के लिए भी यहां कोई सुविधा नहीं थी। कई मिनटों तक धूप में खड़े रहने के बाद वे अपना वोट डालने में सक्षम हुए।' इस घटनाक्रम से स्पष्ट होता है कि मतदाता सूची में त्रुटियां और मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं की कमी ने कई मतदाताओं को मतदान के अधिकार से वंचित किया।

चौक से लेकर सड़क तक सुनसान, मतदान के दिन शहरी क्षेत्र में शांति का माहौल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। विधानसभा चुनाव 2024 के मतदान के दिन पलामू जिले का हृदय कहे जाने वाले छः मुहान चौक पर पूरी तरह से शांति का माहौल था। यह वही चौक है जहां आमतौर पर दोपहर से शाम तक जाम की स्थिति बनी रहती है, और प्रशासन को यातायात व्यवस्था संभालने में कठिनाई होती है। लेकिन मतदान के कारण इस दिन छः मुहान चौक पूरी तरह से सुनसान नजर आया। डालटनगंज-रांची मुख्य मार्ग, जो दिनभर व्यस्त रहता है और हजारों वाहन एक राज्य से दूसरे राज्य में आवागमन करते हैं, मतदान के दिन पूरी तरह से खाली दिखा। इस मार्ग पर सामान्य दिनों की तुलना में बहुत कम वाहन नजर आए।

पलामू प्रमंडल का प्रमुख शहर मेदिनीनगर में भी लगभग सभी दुकानें बंद दिखीं और शहर में किसी भी प्रकार की भीड़-भाड़ नहीं थी। मतदान के दिन लोग अपने घरों में रहकर अपने मत का प्रयोग करने को प्राथमिकता देते हुए अपने अन्य कामों को स्थगित कर दिए थे। इससे शहर में ग्रामीण इलाकों से आने वाली भीड़ भी नजर नहीं आई।

निष्पक्ष मतदान कराने के लिए प्रशासन रहा सतर्क

मेदिनीनगर। विधानसभा चुनाव 2024 को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने उच्च स्तर की सतर्कता बरती। पलामू के जिला उपायुक्त शशि रंजन और पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा किया और वहां की मतदान प्रक्रिया का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति को भी देखा।

डीसी और एसपी ने मतदाताओं से अपील की कि वे शांतिपूर्ण तरीके से मतदान करें और लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उनके द्वारा किए गए दौरे से यह स्पष्ट हुआ कि प्रशासन ने चुनाव को पूरी तरह से शांतिपूर्ण बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए हैं। मतदान के दौरान किसी भी प्रकार के उपद्रव से बचने के लिए प्रशासन ने सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की थी, जिससे मतदाता निडर होकर अपने मत का प्रयोग कर सकें।

पहली बार मतदान कर रहे युवा मतदाताओं में दिखा उत्साह

मनोष कुमार तिवारी

मेदिनीनगर। विधानसभा चुनाव 2024 में पहली बार मतदान करने वाले युवा मतदाताओं में खासा उत्साह देखा गया। 25 वर्ष से कम आयु के और पहली बार मतदान कर रहे युवा अपने मत का सही उपयोग करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध थे।

19 वर्षीय राहुल सिंह, 21 वर्षीय शिवकुमार सिंह, और 22 वर्षीय सुनील कुमार सिंह ने कहा, 'हम युवा हैं और इस बार मतदान में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। हम अपने मत से उस उम्मीदवार को चुनेंगे, जो जिले में रोजगार के अवसर बढ़ाए, शिक्षा व्यवस्था को सुधारें, ताकि गरीब बच्चों को भी अच्छी शिक्षा मिल सके। इसके साथ ही, स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर हों और गरीबों को आवास मिल सके। इन सभी मुद्दों पर ध्यान देते हुए हम वोट डालेंगे, क्योंकि अब अगले पांच साल तक हमें अपने मत का इस्तेमाल नहीं करने का मौका मिलेगा।'

20 वर्षीय अभिषेक गुप्ता ने भी अपने विचार साझा करते हुए कहा, 'इस बार मैं अपने मत का इस्तेमाल बेरोजगारी, महिला सम्मान और शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए करूंगा।'

18 वर्षीय शुभम कुमार ने कहा, 'यह मेरा पहला मतदान है, और मैं इस बार राज्य के विकास, शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने और पलायन रोकने के लिए अपने मत का उपयोग करूंगा।'

इस चुनाव में युवा मतदाताओं का एकजुट संदेश था : 'रोजगार, शिक्षा, पलायन रोकना, और महिलाओं का सम्मान जैसे मुद्दों पर ध्यान देते हुए हम अपना मत देंगे।' इस प्रकार, युवा मतदाताओं का उत्साह और जागरूकता इस बार के विधानसभा चुनाव में एक सकारात्मक बदलाव की उम्मीद दिखा रहे हैं।

कैमरे की नजर में विधानसभा चुनाव 2024

ग्रामीण मतदाता में दिखा भारी उत्साह

कन्नी राम चौक पर सेल्फी के लिए लगाया गया होर्डिंग रहा मुख्य आकर्षण का केंद्र

बेलवाटिका स्थित मतदान केंद्र पर मेन गेट के पास नीचे बैठकर मोबाइल में मगन दिखी सुरक्षाकर्मी

जोड़ ग्राम के मतदान केंद्र पर महिला पुलिस पदाधिकारी ने विकलांग मतदाता को व्हीलचेयर से ले जाते

गणेश लाल अग्रवाल विद्यालय में मतदाताओं की सुविधा के लिए मेडिकल किट तथा पानी की व्यवस्था की गई थी

वोटिंग मशीन को मतदान पूर्ण होने के बाद बंद करते मतदानकर्मी

बड़कागांव के मतदान केंद्र पर 85 वर्षीय वृद्ध अपना मत का प्रयोग किया

विधानसभा चुनाव 2024: युवा और नए मतदाताओं ने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, 67.35% मतदान

मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। 13 नवम्बर विधानसभा चुनाव 2024 के तहत गढ़वा जिले में शांतिपूर्ण माहौल में मतदान प्रक्रिया सम्पन्न हुई। जिले के सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के साथ सुबह 7 बजे मतदान प्रारंभ हुआ। सभी वर्गों के मतदाताओं, विशेषकर युवा, बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कुल 67.35% मतदान दर्ज किया गया।

वोटिंग में सभी वर्गों की भागीदारी

बुजुर्ग, दिव्यांग, युवा और नए मतदाताओं ने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पहली बार मतदान करने वाले युवा मतदाताओं का गुलाब के फूलों से स्वागत कर उत्साहवर्धन किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी शेखर जमुआर, पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडेय, उप विकास आयुक्त पशुपति नाथ मिश्रा समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया और लोगों से भी मतदान में भाग लेने की अपील की। सभी मतदान केंद्रों की गतिविधियों की समाहरणालय स्थित वेबकास्टिंग रूम से निगरानी की गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने मतदान प्रक्रिया पर नजर रखी और स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित किया।

मतदान का प्रतिशत

- सुबह 9 बजे: गढ़वा में 13.23 , भवनाथपुर में 13.58 (कुल 13.41)
- सुबह 11 बजे: गढ़वा में 29.63 , भवनाथपुर में 31.09 (कुल 30.38)
- दोपहर 1 बजे: गढ़वा में 47.03 , भवनाथपुर में 46.48 (कुल 46.75)
- दोपहर 3 बजे: गढ़वा में 60.71 , भवनाथपुर में 61.39 (कुल 61.06)
- शाम 5 बजे: गढ़वा में 66.46 , भवनाथपुर में 68.20 (कुल 67.35)

वृद्ध और दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर, रैंप, पेयजल और शौचालय की विशेष व्यवस्था की गई थी। गढ़वा जिले में शांतिपूर्ण माहौल के बीच लोकतंत्र का पर्व सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

एक नजर

डंडई प्रखंड में 71.57 मतदान

डंडई। डंडई प्रखंड में विधानसभा चुनाव शांतिपूर्वक 71.57% मतदान के साथ सम्पन्न हुआ। प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों पर सुबह से लंबी-लंबी लाइनें लगीं। इस दौरान मतदाताओं ने विकास के नाम पर वोट देने की बात कही। कई मतदाताओं ने माफी योजना और महिला मतदाताओं ने मईया योजना के नाम पर मतदान किया।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के साथ चुनाव संपन्न

श्री बंशीधर नगर। विधानसभा चुनाव को लेकर श्री बंशीधर नगर क्षेत्र में सभी 502 मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। सभी केंद्रों पर मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की तैनाती की गई थी, जिससे कोई भी गड़बड़ी न हो। पूर्व विधायक और झामुमो प्रत्याशी अनंत प्रताप देव ने अपने परिवार के साथ मतदान किया और क्षेत्र में परिवर्तन की लहर का दावा किया।

चिनिया प्रखंड में मतदान शांतिपूर्ण हुआ, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

चिनिया। झारखंड के पहले चरण के विधानसभा चुनाव के दौरान चिनिया प्रखंड के सभी 33 मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण और भयमुक्त वातावरण में मतदान संपन्न हुआ। प्रखंड में सात सेक्टर बनाए गए थे, और हर सेक्टर में मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई थी। सभी मतदान केंद्रों पर सीआरपीएफ और बीएसएफ के जवान तैनात थे, जिन्होंने मतदाताओं को सुरक्षा प्रदान की। इस दौरान मतदान केंद्रों पर खासतौर से युवाओं और महिलाओं में उत्साह देखा गया। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक जारी रहा।

मेराल प्रखंड में 70.83 प्रतिशत मतदान

नवीन मेल संवाददाता

मेराल। मेराल प्रखंड में कुल 1,05,297 मतदाता थे, जिनमें से 74,586 मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया, जिसका प्रतिशत 70.83 रहा। पुरुष मतदाता 36,292 और महिला मतदाता 38,294 थे, जिसमें महिला मतदाताओं का प्रतिशत पुरुषों से अधिक था। प्रखंड में राजकीय मध्य विद्यालय मेराल दक्षिण भाग बूथ संख्या 63 पर 80.11% मतदान हुआ, जबकि बूथ संख्या 42 राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय ओखारगड़ा दक्षिण भाग पर सबसे कम 56.47% मतदान हुआ। प्रखंड के सभी मतदान केंद्रों पर प्रशासनिक व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रही। विकलांग और असहाय लोगों के लिए व्हीलचेयर और अन्य वाहन सुविधा उपलब्ध कराई गई थी ताकि मतदान में किसी को भी कठिनाई न हो।

खरौंधी प्रखंड में मतदान शांतिपूर्ण संपन्न

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी। बुधवार को प्रखंड में विधानसभा चुनाव शांतिपूर्वक 63.34% मतदान के साथ सम्पन्न हुआ। प्रखंड के 9 पंचायतों के 48 मतदान केंद्रों पर मतदाता सुबह से ही लाइन में खड़े रहे। विशेषकर मध्य विद्यालय चौरिया बूथ नंबर 28 और मध्य विद्यालय सिसरी बूथ नंबर 17 पर दो बजे तक लंबी कतारें देखी गईं। भाजपा प्रत्याशी भानू प्रताप शाही और झामुमो प्रत्याशी अनंत प्रताप देव ने विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा किया। शांति से मतदान कराने के लिए प्रखंड में पुलिस बल मुस्तैदी से तैनात रहा। बीडीओ रवींद्र कुमार ने मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया और बताया कि कंट्रोल रूम के माध्यम से लगातार मतदान की जानकारी ली जा रही थी। थाना प्रभारी रवि कुमार केशरी ने शांति बनाए रखने के लिए सक्रिय रूप से काम किया।

64 प्रतिशत वोटरों ने किया मतदान ईवीएम में बंद हुआ 22 प्रत्याशियों का भाग्य

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। जिले के चतरा व सिमरिया (अजा) विधानसभा का चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। क्षेत्र में कोई अप्रिय घटना नहीं घटी। चुनाव संपन्न होने के साथ ही प्रत्याशियों का भाग्य इवीएम में बंद हो गया है। 23 नवंबर को मतों की गणना होगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रमेश घोलप व पुलिस अधीक्षक विकास कुमार पांडेय वोटिंग के दौरान कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। जिले के दोनों विधानसभा में सुबह सात बजे से पांच बजे तक 64 प्रतिशत मतदान के साथ पहले चरण का मतदान निष्पक्ष, शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। मतदाताओं ने निर्धारित समय पर अपने-अपने मतदान केंद्रों पर लाइन लगाकर अपनी बारी का इंतजार कर मतदान किया। मतदाताओं ने उत्साह और उमंग के साथ शांति व्यवस्था में अपना मत डाला। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी गाइड लाइन का पूरा अनुपालन किया गया। मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा लगाया गया था। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदाताओं ने निर्भीक व भयमुक्त होकर अपना मताधिकार का प्रयोग किया। जिला और अनुमंडल और प्रखंड स्तर के अधिकारी मतदान केंद्रों का लगातार जायजा ले रहे थे। मतदान की प्रतिशत बढ़ाने को लेकर निर्देश कर रहे थे। बताते चले कि जिले के सिमरिया विधानसभा क्षेत्र में संध्या 7 बजे तक 66.08 प्रतिशत, चतरा विधानसभा क्षेत्र में 62.17 प्रतिशत मतदान हुआ। उक्त डेटा मतदान समाप्ति के पश्चात का है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने चुनाव प्रक्रिया के दौरान सिमरिया व चतरा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया।

वृद्ध व दिव्यांग वोटर लोकतंत्र का बने हिस्सा, बुलंद हैसले से किया मतदान

नवीन मेल संवाददाता

चतरा/सिमरिया। झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 के पहले चरण में जिले के चतरा व सिमरिया विधानसभा क्षेत्र में मतदान 13 नवंबर को शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। इस चुनाव में जिले के सिमरिया, पत्थलगड़ा, इटखोरी, मयूरहंड, टंडवा, गिद्धौर, हंटरगंज, प्रतापपुर, कंदा, व सदर आदि प्रखंडों में दर्जनों की संख्या में 85 से उपर उम्र वाले वृद्ध मतदाता लोकतंत्र का हिस्सा बने। क्षेत्र के दिव्यांग व वृद्धों में चुनाव को लेकर काफी उत्साह देखने को मिला। वृद्ध और दिव्यांग मतदाताओं के लिए सभी बूथ पर अलग व्यवस्था रहने से सभी को वोट करने में काफी सहूलियत हुई। वॉलंटियरों ने ऐसे लोगों को बूथ तक पहुंचाने में सहायता की। सिमरिया प्रखंड के दुंदवा निवासी वृद्ध सखिया देवी मतदान कर काफी खुश दिखी। भले ही वृद्धों को युवाओं के कंधे के सहारे तो दिव्यांग अन्य संसाधनों से मतदान केंद्रों तक पहुंच कर वोट दिया,लेकिन उनमें मतदान के प्रति जज्बा युवाओं व सामान्य मतदाताओं से कम नही दिखा। जब वृद्ध व दिव्यांगों से मतदान के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हम अपने राष्ट्रीय कर्तव्य को निभाने के लिए मतदान करने पहुंचे हैं। लोकतंत्र के इस महापर्व में वृद्ध व दिव्यांगों के जज्बे ने अन्य को भी मतदान के लिए प्रेरित किया।

भवनाथपुर में 68.20 प्रतिशत मतदान शांतिपूर्वक संपन्न

भवनाथपुर। विधानसभा चुनाव में भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र में 68.20% मतदान हुआ। मतदान केंद्रों पर सुबह से ही मतदाताओं की कतारें लगी थीं, और विशेष रूप से युवाओं में मतदान को लेकर उत्साह देखा गया। मतदान केंद्रों पर व्हीलचेयर और आटो की व्यवस्था की गई थी, जिससे वृद्ध और दिव्यांग मतदाताओं को किसी तरह की परेशानी न हो। एसडीओ प्रभाकर मिर्धा और एसडीपीओ सत्येन्द्र नारायण सिंह ने मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया और मतदान को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक कराने के निर्देश दिए।

विधानसभा चुनाव: सुरक्षा के व्यापक प्रबंध, मतदान को लेकर छावनी में तब्दील रहा पूरा क्षेत्र

नवीन मेल संवाददाता

चतरा/सिमरिया। चतरा व सिमरिया विधानसभा क्षेत्र में शांतिपूर्ण व निष्पक्ष चुनाव कराने को लेकर विशेष कर सुदुरवर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए थे। चप्पे-चप्पे पर अर्द्धसैनिक बलों के अलावा जिला बल, होमगार्ड के जवानों की तैनाती की गई थी। सिमरिया को 12 सेक्टर में बांटा गया था और सुरक्षा में जिला बल के जवानों को लगाया गया था। सभी बूथों पर सुरक्षा बलों की व्यापक तैनाती की गई थी। सिमरिया में एसडीपीओ प्रदीप कुमार, थाना प्रभारी मानव मयंक व पत्थलगड़ा में बीडीओ कलेंद्र साहू, सीओ उदल राम व थाना प्रभारी आलोक रंजन विधि व्यवस्था की कमान संभाले हुए थे। पदाधिकारी बारी-बारी से सभी बूथों पर स्वंय जाकर निरीक्षण कर रहे थे। सुरक्षा तैनात सुरक्षा बलों को निर्देश दे रहे थे। व्यापक व्यवस्था रहने के कारण इस बार सभी जगह शांति व्यवस्था बनी रही।

विस चुनाव 2024

62 मतदान केंद्रों पर विधानसभा चुनाव का मतदान शांतिपूर्वक सम्पन्न

रमना प्रखंड में 68.9 प्रतिशत मतदाताओं ने किया मतदान

नवीन मेल संवाददाता

रमना। बुधवार को प्रखंड अंतर्गत कुल 62 मतदान केंद्रों पर विधानसभा चुनाव का मतदान शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ। इसके लिए आठ सेक्टर बनाए गए थे, और प्रत्येक सेक्टर के लिए एक-एक मजिस्ट्रेट को प्रतिनियुक्त किया गया था। सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा बल, मतदान कर्मी, बीएलओ और स्वास्थ्य कर्मियों ने पूरी तत्परता के साथ मतदान कार्य को सम्पन्न कराया। 62 मतदान केंद्रों के लिए कुल 57,396 मतदाताओं की संख्या थी, जिनमें से 68.9% (39,545) मतदाताओं ने मतदान किया। शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान के लिए चुनाव आयोग द्वारा पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की गई थी, जिसमें मतदान केंद्र से 200 मीटर के दायरे में किसी भी दल का चुनाव चिन्ह या पर्चा लेकर नहीं रहने की सख्त हिदायत दी गई थी। सभी मतदान केंद्रों पर वेब कैमरा लगाया गया था, जिससे मतदान कर्मी, बूथ एजेंट और मतदाताओं पर पैनी नजर बनी रही। मतदान शुरू होने से पूर्व ही सिलिदाग पंचायत के मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की भीड़ उमड़ी, जिसमें महिलाओं और युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। वोटर कंचन कुमार सिंह ने बताया कि इस बार उन्होंने मतदान किया है क्योंकि वे चाहते हैं कि क्षेत्र की मौलिक सुविधाएं, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़कें, सुधारी जाएं। उन्होंने यह भी बताया कि पहले उनके पंचायत में स्वास्थ्य सेवाएं थीं, लेकिन अब नहीं हैं। पहले मतदान करने वाली बहनों, स्वेता और काजल ने बताया कि उन्होंने अपने क्षेत्र में विकास के लिए वोट किया। बुजुर्ग महिला को सीआरपीएफ जवानों ने व्हीलचेयर से मतदान केंद्र तक पहुंचाकर मतदान कराया, जो एक मिसाल साबित हुआ।

मुखिया अनीता देवी ने मतदान के बाद कहा कि यह जनता का अधिकार है कि वे अपनी सरकार चुनें और हर नागरिक को अपना मताधिकार अवश्य इस्तेमाल करना चाहिए।

सीओ सह प्रखंड विकास पदाधिकारी, विकास कुमार पांडेय, प्रधान सहायक रामानुज शुक्ल, टीजीटी नंदकिशोर चौबे, सेक्टर मजिस्ट्रेट और सीआरपीएफ इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर विधि व्यवस्था का जायजा लिया।

न्यूज बॉक्स

मतदान कर बाहर आते गढ़वा उपायुक्त शेखर जमुआर।

परिवार के साथ अनंत देव प्रताप ने मतदान किया।

मतदान के इंतजार में कतार में खड़ी महिलाएं।

वृद्ध को मतदान कराने ले जाते पुलिसकर्मी।

मतदाता पहचान पत्र दिखाती महिलाएं।

पहली बार मतदान करने के बाद निशान दिखाती मतदाता।

मतदान के इंतजार में पुरूष मतदाता।

स्कूल के बाहर अपनी बारी का इंतजार करते मतदाता।

उत्साहित वोटर पहचान पत्र दिखाते।

मतदान के लिए खड़ी महिलाएं।

जिला में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न, वोटरों ने दिखाया उत्साह

- डीसी, एसपी के बूथों का किए निगरानी
- 40 महिला मतदान केंद्रों में महिला मतदान कर्मियों ने कराया मतदान

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। झारखंड विधानसभा चुनाव के तहत बुधवार को पहले चरण के मतदान में जिले के दोनों विधानसभा क्षेत्र मनिका, लातेहार में लोकतंत्र की बयार बह रही है। चुनाव को लेकर मतदाता घरों से निकलकर मतदान केंद्र पर पहुंचे। मतदाताओं ने अपना-अपना मत डाला। नए मतदाताओं के अलावा वृद्ध मतदाता भी इस महापर्व में शामिल दिखे। चुनाव को लेकर सभी मतदान केंद्रों पर 7 बजे सुबह से मतदान शुरू हो गया था। मतदान केन्द्रों पर लंबी कतार में खड़े मतदाता अपने-अपने मतदान पहचान पत्र लेकर इंतजार करते हुए दिखे। जिला प्रशासन द्वारा की गई तैयारी का इस चुनाव पर खास असर दिखा। लोगों को मतदान की प्रक्रिया में देर दोपहर तक किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के नेतृत्व में जिले भर के मतदान कर्मी मतदान करने की प्रक्रिया में सक्रिय नजर आ रहे हैं। चुनाव को लेकर शहरी मतदाता से ज्यादा ग्रामीण मतदाताओं में उत्साह देखा गया। जो मतदाता कभी नक्सली से भय की वजह से मतदान की प्रक्रिया में भाग नहीं लेते थे, इस बार घरों से निकलकर जमकर वोट किए। वोटरों में नक्सलियों का भय कुछ भी नहीं दिखा।भय मुक्त होकर अपना मतदान किए। जिले के दोनों विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न दलों एवं निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी अपने-अपने मत डालकर मतदान केंद्रों का निरीक्षण करते हुए मिले। बता दे की देर दोपहर तक विधानसभा चुनाव को लेकर जिले से कहीं से अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। चुनाव को लेकर बनाए गए नियंत्रण कक्ष से जिले भर की चुनावी गतिविधियों पर नजर रखी गई। इस बार 40 मतदान केंद्र पर महिला कर्मियों द्वारा मतदान कराया जा रहा है। मतदान केंदों पर जिला प्रशासन द्वारा मतदाताओं के लिए सभी प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराया गया था।

पूजा अर्चना कर मतदान किया भाजपा प्रत्याशी ने : भाजपा के लातेहार विधानसभा प्रत्याशी प्रकाश राम ने सुबह अपनी जीत दर्ज की प्रार्थना भगवान से की। पूजा-अर्चना कर माथे पर तिलक लगाया। मतदान के बाद भाजपा प्रत्याशी ने क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया।

हरिकृष्ण पल्हेया व रामचंद्र ने मंगरा में किया मतदान : विधानसभा चुनाव को लेकर मनिका विधानसभा क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी हरिकृष्ण सिंह ने मनिका प्रखंड के पल्हेया में मतदान किया। कांग्रेस प्रत्याशी प्रत्याशी रामचंद्र सिंह ने मंगरा में मतदान किया। इसके बाद दोनों प्रत्याशी क्षेत्र के विभिन्न बूथों का जायजा लेने के लिए निकल पड़े।

चुनाव को लेकर कई मतदान केंद्रों को सजाया गया था

झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर बुधवार को प्रथम चरण के मतदान में मतदान केंद्रों को जिला प्रशासन सजाकर इस महापर्व का रूप देने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी था। सभी मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की सुविधा का ख्याल किया गया था। वहीं मतदान केंद्रों को झारखंड की संस्कृति के अनुरूप सजाया और संवारा गया था।

यह चुनाव राज्य की दिशा तय करेगी

लातेहार विधानसभा क्षेत्र के झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रत्याशी सह मंत्री बैद्यनाथ राम ने अपना वोट मतदान केंद्र संख्या 199 स्थिति राजकीय कृत मध्य विद्यालय बाजार में डाला। अपना मत डालने के बाद पत्रकारों से कहा कि यह चुनाव राज्य की दिशा तय करने वाली है। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील किया कि वे अपना-अपना वोट डालें। जनता का एक-एक वोट से राज्य की तस्वीर बदलेगी।

दोनों विधानसभा क्षेत्रों में शांतिपूर्ण चुनाव : जिला निर्वाचन पदाधिकारी

लातेहार। झारखंड विधान सभा चुनाव लातेहार जिला में निष्पक्ष भयमुक्त और शांतिपूर्ण वातावरण मे संपन्न हो गया। बुधवार सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक मतदान हुई। चुनाव संपन्न के बाद शाम साढ़े पांच बजे जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने कार्यालय कक्ष मे प्रेसवार्ता का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि जिले के दोनों विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हो गई।अभी तक के प्राप्त आकड़े के अनुसार लातेहार विधानसभा क्षेत्र का मतदान प्रतिशत 69.70, जबकि मनिका विधानसभा क्षेत्र का मतदान प्रतिशत 64.15 रहा है। उन्होंने बताया कि कहीं-कहीं वोटिंग हो रही है। जिस कारण वहां से आकड़े आने में विलंब हो सकता है। पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने पत्रकारों से कहा कि सभी पुलिस बल और की गई रणनीति के कारण जिले भर में

चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। उन्होंने बताया कि सुरक्षा को लेकर सभी प्रकार की पुलिस बल की तैनाती कराई गई थी। नक्सल प्रभावित और अति संवेदनशील बूथों पर बीएसएफ समेत अन्य फोर्स की तैनाती कराई गई थी, जबकि बाइक से भी फोर्स की पेट्रोलिंग समेत कई प्रकार की तैयारी कराई गई थी।

मतदाताओं ने भय मुक्त होकर किया मतदान

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। विधानसभा चुनाव 2024 के पहले चरण के मतदान में लातेहार विधानसभा क्रमांक संख्या 074 के अंतर्गत बालूमाथ प्रखंड में कुल 85 बूथ पर मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में लोग अपने मत अधिकार का प्रयोग करते नजर आए। नए मतदाताओं की बात करें तो नए मतदाता उत्साह पूर्वक अपना मत का प्रयोग करते देखे गए। वहीं क्षेत्र में पुरुष, महिलाएं भी अपना मत का प्रयोग उत्साह पूर्ण किया। बालूमाथ प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी सोमा उरांव व अंचलाधिकारी विजय कुमार, बालूमाथ थाना प्रभारी, इंस्पेक्टर, डीएसपी ने सभी बूथों पर अपनी पैनी नजर रखी थी। समय-समय पर विभिन्न बूथों का निरीक्षण भी प्रखंड निर्वाचन अधिकारी करते

नजर आए। अगर व्यवस्था की बात करें तो मॉडल बूथों के साथ अन्य बूथों में भी सुरक्षा और व्यवस्था किया गया था। पीने के लिए पानी शौचालय बुजुर्ग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर आदि की व्यवस्था की गई थी। सभी बूथों में भारी संख्या में सुरक्षा बल शस्त्र के साथ तैनात किए गए थे। मतदाताओं ने शांतिपूर्ण क्रमबद्ध तरीके से अपने मताधिकार का प्रयोग निर्भीक होकर किया। मतदान के अंत समय 5:00 बजे तक 70 प्रतिशत मतदाताओं ने अपना मत का प्रयोग किया। इसके बाद सुरक्षाकर्मी, विभिन्न प्रत्याशियों के पोलिंग बूथ एजेंट के मौजूदगी में वोटिंग मशीन को सील किया गया। कड़ी सुरक्षा के साथ मतदान कर्मी सील किया गया। वोटिंग मशीन को स्ट्रांग रूम लातेहार ले जाया गया है।

5 किलोमीटर दूर बूथ पर जाकर मतदाताओं ने वोट दिया

- धूप में घंटों लाइन में खड़ा रहे वोटर

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़। राजकीय प्राथमिक विद्यालय पुटरूंगी में चंपा, ग्वालखाड़, पुटरूगी,जराहाटोली ग्राम के तीन मतदान केंद्र संख्या 292, 297, 298 पर वोटर बड़ी संख्या में सुबह सात बजे से लेकर दोपहर के धूप में वोट देने के लिए इंतजार करते रहें। चंपा और ग्वालखाड़ के वोटर 12 किलोमीटर दूर पुटरूगी बूथ में आकर वोट दे दिए। प्रशासन द्वारा वोटरों के लिए छावं की व्यवस्था नही दी गई। धूप में घंटो से वोटर लाइन लगाकर अपने बारी का इंतजार कर रहे थे। मतदान केंद्र संख्या 248, उत्क्रमित मध्य विद्यालय लूरगुमी कला में मतदाता की भीड़ लगी रही। महुआडांड प्रखंड में सबसे अधिक मतदाता इसी बूथ पर हैं। मतदाता की संख्या 1,118 जिसमें पुरूष से अधिक महिला मतदाता है। बूथ संख्या 318 राज्यकिय मध्य विद्यालय चुटिया में बेलवार गांव का मतदान केंद्र बनाया। बेलवार गांव से मतदान केंद्र की दूरी लगभग 5 किलोमीटर थी। बेलवार में वोटर की संख्या 328 है। 318 मतदान केंद्र के मतदाताओं ने बताया कि इतना दूर आकर वोट देने में बहुत परेशानी होती है। हालांकि आने के लिए वाहन व्यवस्था है। बीएलओ प्रमिला नागेसिया ने बताया कि दूरी के कारण 7 बजकर 40 मिनट में मतदान शुरू हुआ। गांव ग्रामीण गांव में ही मतदान केंद्र बनाने की मांग काफी दिनों से कर रहे हैं। इससे पूर्व 15 साल पहले बेलवार गांव में ही मतदान होता था।

प्रशासन ने दूर के वोटरों को बूथ तक लाने का व्यवस्था किया था

महुआडांड़। मनिका विधानसभा अंतर्गत महुआडांड़ प्रखंड के अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र दौना, दुरूप, मेढ़रूवा, छगरही, बालमहुआ गांव के मतदान केंद्र राजकीय प्राथमिक विद्यालय मौनाडीह में बूथ संख्या 245, 249, 250 बनाये गए हैं। गांव में बुलेट पर बैलेट भारी पड़ता नजर आया। इन गांवों से जमकर वोटर निकले और निडर होकर महिला-पुरुषों ने वोट डाला। बता दें कि दौना से 6 किलोमीटर, दुरूप से 3 किलोमीटर, मेढ़रूवा से 5 किलोमीटर छगरही से 2 किलोमीटर और बालमहुआ से 3 किलोमीटर मतदान केंद्र की दूरी है। प्रखंड प्रशासन की ओर से इन गांव से वोटर को लाने-जाने के लिए चार वाहन की व्यवस्था कि गई है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान

नवीन मेल संवाददाता

गारू (लातेहार)। लातेहार जिले के नक्सल प्रभावित गारू प्रखंड के 28 मतदान केंद्र में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हो गया। गारू प्रखंड के सभी मतदान केंद्रों मे कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान शुरू होते ही मतदाताओं की लंबी कतार थी। मनिका विधान सभा अंतर्गत गारू प्रखंड मे सुबह सात बजे सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान शुरू हुआ। मतदान शुरू होते ही महिला पुरूष मतदाताओं की लंबी कतार लग गयी। जैसे जैसे दिन चढ़ता गया मतदान केंद्रों मे मतदाताओं की लंबी कतार लगी रही। गारू के 28 मतदान केंद्र में दोपहर एक बजे तक 45 फीसदी मतदान हो चुका था। प्रखंड के संवेदनशील मतदान केंद्र मध्य विद्यालय गारू दक्षिणी, उत्तरी, मवि सुरकुमी, मवि गोइंदी, उमवि कुई, मवि कारवाई के अलावा अति संवेदनशील सुदूरवर्ती मतदान केंद्र उमवि सालवे, मवि कोटाम, सामुदायिक केंद्र कबरी, मवि सरयू पुर्वी एवं पश्चिम एवं मवि बारीबांध, में महिला पुरुष मतदाताओं की लंबी कतार लगी रही। प्रखंड के कारी हेनार के मतदान केन्द्र में आदिम जनजाति के 74 वर्षीय विकलांग चोयठ किसान ने 25 किमी दूर आकर बारेसांड में बनाए गए मतदान केंद्र में मतदान किया। गारू मुख्यालय में 90 वर्षीय वृद्ध रामदास यादव ने भी पैदल चल कर मतदान किया। मतदान केंद्र संख्या 233 में 3:05 बजे तक 364 में से 209 वोट डाला जा चुका था। बारेसाढ़ के डेढ़गांव बूथ संख्या 235 में 3:05 बजे 380 में से 276 वोटिंग हो चुका था। प्रखंड के रूद पंचायत के बूथ नंबर 226 पर मशीन खराब होने के कारण मतदाता परेशान हुए। काफी देर बाद फिर मतदान शुरू हुआ।

24 बूथों पर शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न, 65.58 प्रतिशत हुआ मतदान

नवीन मेल संवाददाता

कुन्दा (चतरा)। प्रखंड के कुन्दा, मेदवाडीह, दारी, गेन्द्रा, खपिया,सरजामातु,बौधाडीह ,चिलोय समेत 24 बूथों पर मतदान की प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। मतदान की प्रक्रिया प्रातः 7 बजे से प्रारंभ हो गई थी, जो देर शाम तक चलती रही। मतदाताओं ने लंबी कतार में लगकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे मतदान प्रक्रिया में कोई व्यवधान नहीं हुआ। मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की भीड़ देखी गई, जो अपनी बारी की प्रतीक्षा कर रहे थे। यूएमएस विद्यालय चिलोय बूथ संख्या 287 के अंतर्गत इचाक गांव के मतदाताओं ने दोपहर तक वोट बहिष्कार के ऐलान पर अड़े रहे। गांव के लोग गांव में बिजली की व्यवस्था व गांव के समीप नदी पर पुल निर्माण की मांग को लेकर वोट बहिष्कार करने का ऐलान किया था। हालांकि, पदाधिकारियों द्वारा समझाने-बुझाने पर गांव के लोगों ने मतदान किया। वही मतदान प्रक्रिया को सुगम और पारदर्शी बनाने के लिए मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था के साथ विशेष इंतजाम किए गए थे। मतदान अधिकारियों द्वारा मतदाताओं को मतदान के लिए आवश्यक दस्तावेजों की जांच करने के बाद ही मतदान करने की अनुमति दी जा रही थी। शांतिपूर्ण व निष्पक्ष मतदान कराने को लेकर बीडीओ सह सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी साकेत कुमार सिन्हा, सीओ दीपक कुमार मिश्रा, थाना प्रभारी प्रिंस कुमार सिंह लगातार सभी बूथों पर दिनभर गश्त करते दिखे। मतदान को लेकर व्यापक जन जागरूकता के प्रभाव से कुन्दा में कुल 14,458 मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया। 65.58 प्रतिशत मतदान दर्ज की गई। पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं की मत प्रतिशत अधिक रहा।

हेरहंज में 68.85 प्रतिशत हुआ मतदान

नवीन मेल संवाददाता

हेरहंज। लातेहार विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत हेरहंज प्रखंड में सुबह सात बजे से मतदाताओं की लम्बी कतार लगी हुई थी। पहले मतदान फिर जलपान। मतदान को लेकर महिलाओं की संख्या अधिक देखी गयी। पहला मतदान करने वाली बूथ संख्या 16 में महिला को प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित कुमार ने सम्मानित किया। दोपहर 12 बजे तक बूथ संख्या 14 में 50 प्रतिशत मतदान हो गया था। प्रखंड के कुल 28 बूथों में 68.85 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान के लिए सुरक्षा की दृष्टिकोण से पुलिस बल के जवानों को तैनात किया गया था। प्रखंड में चुनाव शांति पूर्ण सम्पन्न हो गया।

मतदान को लेकर काफी उत्साहित दिखी महिलाएं

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। विधानसभा चुनाव में मतदाताओं का जुनून और जिला प्रशासन के जागरूकता का असर इस चुनाव में साफ तौर पर दिखा। चंदवा में शांतिपूर्ण मतदान हुआ। मतदान केंद्रों में सुबह साढ़े पांच बजे से ही मतदाता पहुंचने लगे थे। यह सिलसिला दोपहर बाद तक जारी रहा और मतदान खत्म होने के लगभग आधे घंटे बाद तक मतदान का काम चालू रहा। चुनाव में महला मतदाताओं की संख्या ज्यादा देखी गई। युवा मतदाता व महिलाएं अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए काफी उत्साहित नजर आये। प्रशासन मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरुक करने से लेकर मतदान केंद्र आने तक कि इस बार जिला प्रशासन के द्वारा हर व्यवस्था की गई थी, ताकि मतदाताओं को मतदान केंद्रों परआने तक कोई परेशानी नहीं हो। जिला प्रशासन के माध्यम से प्रखंड मुख्यालय के साथ विभिन्न मतदान केंद्रों में मतदाताओं के लिए समुचित व्यवस्था की गई थी।

चाक-चौबंद थी सुरक्षा व्यवस्था : विधानसभा चुनाव पूरी तरीके से शांतिपूर्ण संपन्न कराए जाने के बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली। बीडीओ सह निर्वाचन पदाधिकारी चंदन प्रसाद,सीओ जयशंकर पाठक, पुनि सह थानेदार रणधीर कुमार सिंह पूरी तरह सजग दिखे। मतदान केंद्रों में मतदान कर्मियों के जाने से लेकर उनके मतदान संपन्न करा कर वापस लौटने और मतदान केंद्रों में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए थे। जिला पुलिस के साथ केंद्रीय सुरक्षा बल समेत कई सुरक्षा बलों के अधिकारी लगाए गए थे।

इवीएम खराब, घंटों बाधित रहा मतदान

कुछ बूथों पर ईवीएम मशीन में आई तकनीकी खराबी के कारण मतदान में देरी की जानकारी प्राप्त हुई है। बूथ संख्या में 289 किता में मतदान शुरू होते ही मशीन में खराबी आ गई। वहां मतदान दो घंटे प्रभावित रहा। इस दौरान कतार में खड़े मतदाताओं को परेशानी भी हुई है। पूरे चुनाव के दौरान सभी मतदान केंद्रों के राजनीतिक पार्टी के लोग काफी सक्रिय देखे गए। कुछ मतदान केंद्रों को छोड़ अधिकांश मतदान केंद्रों में भाजपा, झामुमो के एजेंट ही देखने को मिले।

मतदाताओं ने उत्साहित होकर कर किया मतदान

नवीन मेल संवाददाता

बारियातू। प्रखंड क्षेत्र के सभी 50 बूथों में कडी. सुरक्षा व्यवस्था के साथ शांतिपूर्ण तरीके से विधानसभा का मतदान संपन्न हो गया। मतदान को लेकर मतदाताओं में काफी उत्साह देखा गया। महिला पुरुष युवक युवतियाँ सभी समय पर मतदान केंद्र पहुंच कर कतार में खड़े हो गए। सभी मतदान कर्मी मतदाताओं को विधिवत सहयोग कर मतदान कराया। बारियातू मुख्यालय सहित बठेठ, गोनिया, भाटचतरा, मकरा, राजगुरु, सिबला, विश्रामपूर, बेसरा, टोटी हेसला, अमरवाडीह मनातू, इटके, चुम्बा, नवाडीह, फूलसु, बालूभांग, गड़गोमा सहित सभी 50 बूथों मे महिला पुरुषों ने उत्साह के साथ शांति पूर्ण तरीके से मतदान किया। वहीं कई नये वोटर पहली बार युवक यवती भी मतदान का उपयोग किया। पुरुष के अपेक्षा महिला को अधिक उत्साहित देखा गया। सुरक्षा कर्मी के अलावा बीएलओ, स्वास्थ्य, सहिया, भी अपने कार्यों में लगे रहे। मतदान समाप्त होने के बाद ईवीएम सील कर सुरक्षा व्यवस्था के साथ मतपेटी ले जाया गया। सभी विधानसभा प्रत्याशियों का किस्मत मत पेटी में बंद है। सभी का भाग्य फैसला अब 23 नवंबर को होगा। मतदाताओं में मतदान उपयोग करने का काफी रुझान देखा गया। दिव्यांग और वरिष्ठ मतदाताओं को प्राथमिकता के आधार पर उन्हें मतदान कराने में सहयोग किया गया। बूथ के चारों ओर सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम था। सभी जवान निष्पक्ष और भयमुक्त मतदान कराया।

लोहरदगा विस में शांतिपूर्ण तरीके से 73.21 प्रतिशत मतदान

■ गत विस चुनाव के मुकाबले इस बार बढ़ा मतदान प्रतिशत ■ लोकतंत्र के महापर्व को लेकर समाज के सभी वर्गों में उत्साह देखा गया

सूरज निकलने के साथ ही मतदान केंद्रों में मतदाताओं की कतार लग गई थी

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। पहले चरण के विधानसभा चुनाव के दौरान बुधवार को लोहरदगा सीट पर शांतिपूर्ण मतदान प्रक्रिया संपन्न हुई। लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र के 324 बूथों पर हुए मतदान में लगभग 73.21 फीसदी मत डाले गए। चाक-चौबंद सुरक्षा के बीच धीमी गति से शुरू हुई मतदान प्रक्रिया दोपहर के बाद जोर पकड़ता गया। सुबह के 7-9 बजे के बीच 14.97 फीसदी मतदान हुआ जो 9-11 बजे के बीच 33.44 प्रतिशत, 11-01 बजे के बीच 51.53 प्रतिशत, 1-3 बजे के बीच 65.99 प्रतिशत पहुंचकर समाप्त हुआ। लेकिन 3 बजे तक लाइन में लगे मतदाताओं का वोट संपन्न होने के बाद यह आंकड़ा बढ़कर 73.21 प्रतिशत तक पहुंच गया। वही 2019 के विधानसभा चुनाव में इसका प्रतिशत 71.47 प्रतिशत था। जिसमें पुरुषों का 70.56 प्रतिशत व महिलाओं का 72.40 प्रतिशत था। इधर लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में मतदान को लेकर मतदाताओं में जबरदस्त उत्साह देखा गया। सूरज निकलने के साथ ही सभी मतदान केंद्रों में मतदाताओं की कतार लग गई थी। इनमें महिला, युवा और वृद्धों की संख्या भी काफी अधिक थी। केंद्र के बाहर सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पर्याप्त जांच के बाद ही मतदाताओं को अंदर प्रवेश दिया जा रहा था। किसी भी मतदाता को कोई परेशानी ना हो इसके लिए विशेष रूप से व्यवस्था की गई थी। ग्रामीण इलाकों में भी मतदान को लेकर जबरदस्त उत्साह नजर आ रहा था। अपनी प्रतीक्षा की बारी में मतदाता काफी समय तक खड़े रहने के बावजूद अपना वोट डालकर ही मतदान केंद्र से बाहर निकल रहे थे। युवा और पहली बार वोट डालने वाले मतदाताओं में एक अलग ही उत्साह नजर आ रहा था। लोकतंत्र के इस महापर्व को लेकर समाज के सभी वर्गों में उत्साह देखा जा रहा है। निष्पक्ष मतदान के क्रम में ईवीएम में आई गड़बड़ी के कारण जिले के कई बूथ पर कंट्रोल एवं बैलेट यूनिट बदलकर मतदान प्रक्रिया शुरू कराई गई। मतदान के दिन आपात चिकित्सा सेवा का भी पुख्ता इंतजाम रहा। मतदान प्रक्रिया के दौरान जिले के उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम थे। जंगली-पहाड़ी क्षेत्र के अतिसंवेदनशील एवं संवेदनशील मतदान केंद्रों पर संयुक्त रूप से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, जैप, आईआरबी, एपीएस एवं अर्द्धसैनिक बल पर थी। जंगली-पहाड़ी क्षेत्र के मतदान केन्द्रों पर मतदान करने पहुंचे मतदाताओं को सुरक्षा बलों द्वारा मतदान केंद्र पर आए कोई भी व्यक्ति के साथ मतदाताओं द्वारा को मेटल डिटेक्टर से पूरी तरह जांच परख के बाद ही उसे मतदान केंद्र में प्रवेश की अनुमति दी जा रही थी। झारखंड राज्य में पहले चरण के अन्तर्गत लोहरदगा विस सीट के लिए सुदूर देहाती एवं जंगली-पहाड़ी क्षेत्र के मतदान केंद्रों में भी शुरूआत में धीमा मतदान हुआ परंतु बाद में मतदाताओं की लंबी कतार देखी गई। मतदान कार्य सुव्यवस्थित ढंग से हो इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा विशेष इंतजाम किए गए थे। मतदान के लिए बने कलस्ट प्वाइंट पर मतदानकर्मियों को चुनाव के एक दिन पूर्व ही भेजा गया था। साथ ही जंगली-पहाड़ी क्षेत्र के मतदान केंद्रों व कलस्टर प्वाइंट पर सुरक्षा बलों की तैनाती मतदान के लगभग एक पखवाड़े पहले से ही कर दी गई थी। जिसके कारण उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में भी मतदाताओं के हौसले बुलंद हुए और मतदान की उमंग देखी गई।

भंडरा में शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ मतदान, युवाओं में दिखा उत्साह

नवीन मेल संवाददाता

भंडरा। भंडरा प्रखंड में बुधवार को शांतिपूर्ण विस चुनाव संपन्न हुआ। भंडरा प्रखंड में विधानसभा चुनाव के मतदान को लेकर युवा मतदाताओं में काफी उत्साह देखा गया। अपने पहला मतदान करने को लेकर युवाओं की टोली अहले सुबह ही मतदान केंद्र पहुंच गई थी। भंडरा प्रखंड के मतदान केंद्र संख्या 300 व 301 में सुबह के साढ़े पांच बजे से ही मतदाताओं की लाइन शुरू हो गई थी। जिसमें मतदान केंद्र संख्या 300 में पहला मतदान करने वाली सरोज देवी को बीएलओ सुमित्रा टोप्पो द्वारा पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। भंडरा प्रखंड के बिशुनपुर अंश व लोहरदगा मतदान केंद्र में मतदान करने को लेकर वृद्ध मतदाताओं में भी काफी खुशी देखी गई। कचमची मतदान केंद्र संख्या 311 में अपने छह माह के बच्चे को लेकर मतदान करने पहुंची किरण लकड़ा ने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व में मताधिकार जरूरी है। समाज व राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए मतदान करना जरूरी है। पझरी मतदान केंद्र संख्या 303 में मतदान करने पहुंची सुगन उरांव (85 वर्ष) ने कहा कि हर पांच साल में मतदान करने का मौका एक बार ही मिलता है। राज्य के विकास को प्राथमिकता देते हुए अपना मताधिकार का प्रयोग कर काफी खुश है। पझरी गांव से अपने पोते को लेकर पहुंची सुको उरांव (72 वर्ष) ने कहा कि जबतक जिंदा है, तब तक खुद मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान करेंगे। लोकतंत्र के महापर्व में मतदान करना अत्यंत जरूरी है।

सेन्हा में मतदान को लेकर दिखा मतदाताओं में उत्साह

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा (लोहरदगा)। विधानसभा चुनाव को लेकर मतदाताओं में उत्साह देखा गया। बिशुनपुर विधानसभा अन्तर्गत सेन्हा प्रखंड में युवा, वृद्ध व महिला पुरुष सभी मतदाताओं में काफी उत्साह देखा गया। वही मतदान करने के लिये सभी जगहों के मतदान केंद्रों में सुबह से मतदाताओं की कतार लंबी कतार नजर आ रही थी। बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्र पठारी इलाके की बात किया जाए तो मतदाता भयमुक्त होकर अपने मताधिकार का प्रयोग किये। वहीं मुंगो क्लस्टर में तीन बूथ बनाया गया था। जिसमे बूथ नम्बर एक तथा छह में ईवीएम मशीन में तकनीकी गड़बड़ी के कारण मतदान में विलंब हुआ। जबकि मतदाता कतार में बूथ के बाहर खड़े नजर आये। वही दुंदरु बूथ की बात किया जाए तो जिला के लिए मिसाल के रूप में बूथ को सजाया गया था। जहां मतदान के पश्चात सेल्फी लेने के लिए भी व्यवस्था बीएलओ द्वारा बनाया गया था। इस प्रकार सेन्हा और पठारी क्षेत्र पेशरार प्रखंड में शांति व्यवस्था के बीच चुनाव सम्पन्न हुआ। जबकि सेन्हा प्रखंड मुख्यालय के समीप राजकीय उत्क्रमित बुनियादी विद्यालय स्थित बूथ नम्बर 46 में विवाद के कारण मतदान कार्य बंद रहा। जिसकी सूचना जिला निवार्ची पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी एवं प्रखंड निवार्ची पदाधिकारी सह बीडीओ को मिलते ही जीरो ग्राउंड पहुंच मामला को निष्पादन करते हुए मतदान आरम्भ कराया गया। प्रखंड क्षेत्र में ससमय लगभग 70 प्रतिशत मतदान हुआ। वही मतदान में दिव्यांग एवं 85 प्लस व्यक्तियों का भी उत्साह देखने को मिला। सभी बूथो में सुरक्षा को लेकर पुलिस बल तैनात किया गया था। वही सभी मतदान केंद्रों में दिव्यांग मतदाताओं के लिए मतदान केंद्र में व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई थी।

उग्रवाद प्रभावित पेशरार के 17 बूथ पर रिकॉर्ड मतदान

लोहरदगा। अति उग्रवाद प्रभावित सुदूरवर्ती पेसरार प्रखंड के 17 मतदान केन्दों में पठारी ग्रामीणों ने इस बार विस चुनाव में रिकार्ड मतदान किया। 16 सरकारी भवनों में मतदान केंद्र बनाया गया था। सुबह से ही मतदान केंद्र के बाहर ग्रामीणों की लंबी लाइन लग गई। उत्साह से नए और वृद्ध मतदाताओं समेत सामान्य ग्रामीणों ने रिकॉर्ड मतदान किया। कभी गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंजने वाले पेशरार की मनोरम वादियों में लोकतंत्र का पर्व शांतिपूर्ण और उत्साह से संपन्न हो गया।

जिले में अलग-अलग थीम पर बनाए गए थे 06 यूनिक बूथ

लोहरदगा। 72-लोहरदगा विधानसभा चुनाव को लेकर जिला में कुल 06 यूनिक बूथ बनाये गए थे, जो अलग-अलग थीम पर आधारित थे। इसमें 02 बूथ कुटमु में, 02 कैमो में, 01 राजरोम और 01 मक्का में थे। बूथ नंबर 220 व 221 राजकीय प्राथमिक विद्यालय, कुटमु (पूर्वी विंग) व (पश्चिम विंग) थीम महिला सशक्तीकरण पर आधारित था। बूथ नंबर 148- राजकीय प्राथमिक विद्यालय, राजरोम, कुडू को - लोहरदगा रेल अतीत और वर्तमान थीम पर बनाया गया था। बूथ नंबर 212-राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, कैमो (कक्ष क्रमांक 1 व 2) को - पोषण वन उपज थीम पर बनाया गया था। जबकि बूथ नंबर 8- सरकारी मिडिल स्कूल, मक्का को - जनजातीय कला एवं संस्कृति पर आधारित थीम पर बनाया गया था।

48 मतदान केंद्रों पर सुबह 7 से शाम 4 बजे तक हुआ मतदान

लोहरदगा। 72-लोहरदगा (अजजा) विधानसभा क्षेत्र के 48 मतदान केंद्रों में मतदान का समय सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित किया गया था। इन मतदान केंद्रों की संख्या में 2, 3, 5, 6, 7, 9, 10, 12, 13, 14, 15, 16, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 29, 41, 42, 44, 45, 46, 52, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 65, 73, 74, 79, 85, 86, 90, 91, 92, 156, 157, 182, 183,186 और 187 शामिल थे। जबकि 72-लोहरदगा के शेष 276 मतदान केंद्रों में मतदान सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित थे।

सधनु भगत के निधन पर उनके आवास पहुंचे रामेश्वर उरांव

लोहरदगा। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री व भाजपा के कद्दावर नेता सधनू भगत के निधन की खबर सुनकर लोहरदगा सदर प्रखंड मुख्यालय के बगल में स्थित उनके आवास में डॉ रामेश्वर उरांव समर्थकों के साथ पहुचकर शोक व्यक्त किया। इस मौके पर परिजनों को ढांढस बंधाया। कहा कि इस दुख की घड़ी में हमारी संवेदनाएं आपके साथ है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

लोहरदगा के यूनिक बूथ कुटमू बना पिंक बूथ, महिला वोटर्स में देखा गया उत्साह

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। चुनावी माहौल में वोटरों का उत्साह चरम पर था। निर्वाचन आयोग ने जिले में झारखंड की प्राकृतिक सम्पदा का प्रतिनिधित्व करने वाले हरे-भरे वातावरण वाले कुटमू बूथ को एक यूनिक बूथ का नाम दिया है। साथ ही, महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पिंक बूथ की भी स्थापना की गई है, जहां 'नारी ही परिवार और समाज का केंद्र बिंदु है' जैसे नारों का उपयोग कर महिलाओं को प्रेरित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, पर्दानशी बूथ भी बनाए गए हैं ताकि परंपरागत रूप से घूंघट या पर्दा पहनने वाली महिलाएं स्वतंत्रता और गोपनीयता के साथ मतदान कर सकें। पुलिस कप्तान हारीश बिन जमाँ खुद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बरत रहे थे और मतदान प्रक्रिया की हर पहलू की बारीकी से मॉनिटरिंग कर रहे थे। साथ ही, एसडीपीओ श्रद्धा करकेट्टा भी व्यक्तिगत रूप से विभिन्न मतदान केंद्रों का मुआयना कर रही थीं ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना की संभावना को रोका जा सके। इस संदर्भ में कुटमु प्राथमिक विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका रश्मि खेस ने बताया कि विद्यालय की शिक्षिकाओं और बच्चों की सकारात्मक पहल का परिणाम है कि आज एक यूनिक बूथ में हमारे स्कूल का नाम आया है। उन्होंने कहा कि यहां पर बीएलओ, मतदान कर्मी, सुरक्षा प्रहरी भी महिलाएं थी। बूथ पर अच्छी दीवाल पेंटिंग, आकर्षक ग्रीन सजावट, सेल्फी पॉइंट, पेयजल, शौचालय आदि की व्यवस्था किया गया था।

लोकतंत्र की मजबूती में युवाओं की अहम भूमिका : रश्मि खेस

पहली बार वोट देने आए वोटरों में दिखा नयी उमंग और जोश

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोकतंत्र की मजबूती के लिए युवाओं की भूमिका अहम होती है। युवा अपने वोट की चोट से सशक्त, निष्पक्ष व ईमानदारी से कार्य करने वाली सरकार चुनती है तो राज्य व देश का सर्वांगीण विकास होता है। उक्त बातें कुटमु प्राथमिक स्कूल लोहरदगा की प्रभारी प्रधानाध्यापिका रश्मि खेस ने कही। उन्होंने बताया कि यहां पर पिंक बूथ बनाया गया है। जहां पर पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं का गर्मजोशी से स्वागत किया जा रहा है। जिसके कारण नए वोटरों में एक नया जोश व उत्साह का संचार देखा गया। नए वोटरों ने वोट देने का अनुभव भी साझा किया और कहा कि हम राज्य व देश के विकास के लिए वोट देने आए है। यहां आकर मुझे बहुत अच्छा लगा और वोट देकर तो एक गर्व महसूस किया। पहली बार वोट देने आए मधुरिमा कुमारी , राधिका कुमारी कुमारी, सुरभि गुप्ता, अजमेरी खातून, प्रियंका कुमारी, अर्शिता कुमारी आदि वोटरों ने कहा कि अब हम भी राज्य की किस्मत लिखने में अपना योगदान दे रहे हैं। वोटरों ने कहा कि हम ऐसे व्यक्ति को अपना वोट दे रहे हैं जो राज्य को शिक्षा के क्षेत्र में अव्वल बना सके। वही राज्य के समग्र विकास में भागीदारी निभाने वाले प्रत्याशी को हमलोग वोट करने आये है। वही अजमेरी खातून ने कहा कि अपना वोट कीमती होता है। इसका इस्तेमाल देश के विकास के लिए करना चाहिए न कि पैसे के लिए इसे वेस्ट कर दे। कहा पैसे के लिए वोट नही कर अपने दिल और दिमाग से काम ले। कौन सरकार अच्छा कार्य करेगा उसी को वोट दीजिये। वही सुरभि गुप्ता ने कहा कि हमे ऐसा सरकार को चुनना चाहिए जो राज्य की शिक्षा व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ बनाए।

पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने किया मतदान, कहा

बड़े अंतराल से जीतेंगे

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। विधानसभा चुनाव को लेकर लोहरदगा में हो रहे मतदान के तहत बुधवार को पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने लोहरदगा बालिका मध्य विद्यालय बूथ संख्या 281 पर पहुंचकर अपना मताधिकार का प्रयोग किया। मौके पर धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि देश का सबसे बड़ा पर्व लोकतंत्र है। इसलिए मतदान करने के लिए मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपना मतदान किया। झारखंड में प्रथम चरण के तहत लोहरदगा विधानसभा सीट पर मतदान हो रहा है। कहा की लोग अपना मतदान अवश्य करे और आज लोकतंत्र का बड़ा पर्व है। इसलिए सभी लोग अपना मत का अधिकार को समझे और अपना मत का प्रयोग अवश्य करे। ताकि हमारा जिला व राज्य सशक्त बने। इधर पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज साहू ने मतदान के बाद कहा कि पूरे झारखंड में प्रथम चरण के दौरान इंडी गठबंधन को भारी बहुमत मिलने जा रहा है। कहा लोहरदगा से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ रामेश्वर उरांव की जीत सुनिश्चित हो गई है। पिछले चुनाव से भी ज्यादा के अंतराल से जीत होगी। झारखंड में कांग्रेस झामुमो गठबंधन की सरकार द्वारा शुरू किया गया मंईया सम्मान योजना का महिला मतदाताओं ने खुले हृदय से स्वागत कर इंडी गठबंधन के प्रत्याशी के पक्ष में वोट कर रहे हैं।

डीसी और एसपी ने किया बूथों का निरीक्षण

मतदान प्रक्रिया को निरंतर गतिशील बनाये रखने का दिये गए निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। विधानसभा आम निर्वाचन, 2024 अंतर्गत प्रथम चरण में लोहरदगा जिला में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण संचालित हुआ। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण, पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां ने नियमित बूथों का निरीक्षण किया और मतदान प्रक्रिया को निरंतर गतिशील बनाये रखने के निर्देश दिये। उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक द्वारा कुडू के चांपी स्थित बूथ, चिरी में राजकीयकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय चिरी, कुटमू स्थित यूनिक बूथ प्राथमिक विद्यालय कुटमू आदि शामिल है। पुलिस प्रेक्षक द्वारा कैमो स्थित यूनिक बूथ राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय कैमो, राजकीय मध्य विद्यालय कैरो समेत अन्य बूथों का निरीक्षण किया। प्रखण्ड विकास पदाधिकारियों ने प्रखंडों में अवस्थित बूथों व नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा नगर परिषद क्षेत्र के बूथों में लगातार मतदान प्रक्रिया की मॉनिटरिंग की जा रही थी। साथ ही वृद्ध/ दिव्यांग मतदाताओं को आवश्यक सुविधा, व्हीलचेयर, वोलेंटियर की सुविधा उपलब्ध करायी गयी थी। जिला स्तर पर सभी बूथों में की जा रही वेबकास्टिंग व वीडियोग्राफी की लगातार जिला निर्वाचन पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, अनुमण्डल पदाधिकारी द्वारा मॉनिटरिंग की गई। समय-समय पर धीमी पड़ रही मतदान प्रक्रिया को तेज करने के निदेश दिये गये।

बढ़ता रहा मतदान प्रतिशत : जिला के सभी मतदान केंद्रों में मतदान सुबह 7 बजे से प्रारंभ हो गया। 72-लोहरदगा (एसटी) विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 324 मतदान केंद्रों में मतदान हुआ। सुबह 9 बजे तक 14.97 प्रतिशत, 11 बजे तक 33.44 प्रतिशत, दोपहर 1 बजे तक 51.53 प्रतिशत, दोपहर 3 बजे 65.99 प्रतिशत और शाम पांच बजे तक 73.21 प्रतिशत (अनुमानित) मतदान हुआ।

मतदान के दिन भी जेएमएम का चुनावी बैनर लटका दिखा

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा। उपायुक्त लोहरदगा द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जानकारी दिया गया कि आदर्श आचार सहिता का उल्लंघन की सूचना नही है। जबकि बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्र के लोहरदगा जिला अंतर्गत पेशरार प्रखंड स्थित पठारी इलाके के बलाडीह गांव में ग्रामीणों को पेयजल मुहैया हेतु सरकार के द्वारा जलमीनार का निर्माण कराया गया है। जहां जेएमएम का प्रचार-प्रचार चिन्ह का फ्लेक्स लटका हुआ पाया गया। यह दृश्य मुंगो क्लस्टर से महज तीन सौ मीटर की दूरी पर लगा हुआ था। जो मतदाताओं को अपने पक्ष में मतदान करने के लिए आकर्षित कर रहा था। जबकि चुनाव आयोग का सख्त निर्देश दौरान कि किसी भी पार्टी का बैनर झंडा पोस्टर किसी भी सरकारी भवन या सरकारी सम्पति में चिपका कर प्रचार करना वर्जित किया गया था। परंतु जेएमएम पार्टी के द्वारा उन नियमो को ताख पर रख धज्जियां उड़ाने में कोई कसर नही छोड़ा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आदर्श आचार सहिंता लगते ही जिला व प्रखंड के निवार्ची पदाधिकारी द्वारा बूथ का जायजा लिया गया था। परंतु जलमीनार व बिजली खम्भा के माध्यम से प्रचार प्रसार कर नियम की धज्जियां उड़ाई गई जिसपर ध्यान आकृष्ट नही हुआ। जिससे जागरूक मतदाताओं के बीच यह सवाल बार-बार उठ रहा है।

लोकतंत्र का ऐसा जुनून : संगीत एक्का दिल्ली से अपने परिवार के साथ पहुंची वोट देने

नवीन मेल संवाददाता। घाघरा (गुमला) बिशुनपुर विधानसभा में बुधवार की सुबह 7 बजे से ही मतदाता कतारबद्ध होकर अपने मत का प्रयोग किया। लोकतंत्र के इस महापर्व में वोट देने का ऐसा जुनून की दिल्ली से संगीता एक्का ने अपने परिवार के साथ वोट देने के लिए घाघरा प्रखंड के रुकी गांव पहुंची। जहां उन्होंने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वे आज गुरुवार को दिल्ली के लिए रवाना होगी।

जहां ग्रामीणों ने किया वोट का बहिष्कार वहां पड़ा बंपर वोट

घाघरा प्रखंड के कास्पोडिया बूथ संख्या 235 में डेढ़ घंटे बाद साढ़े आठ बजे वोटिंग शुरू हुआ। ग्रामीणों ने पूर्व में सड़क निर्माण की मांग को लेकर वोट बहिष्कार किया था जबकि प्रशासन द्वारा ग्रामीणों को समझाने का काम नहीं किया गया। जिससे मतदान के दिन ग्रामीण वोट करने नहीं निकल रहे थे। इस आशय की सूचना जिले के उपायुक्त को पत्रकारों के द्वारा दी गयी। जिसके बाद बीडीओ दिनेश कुमार व सीओ आशीष कुमार मंडल गांव पहुंचे और गामीणों को समझाया। वहीं बताया कि आचार संहिता समाप्त होने के बाद उपायुक्त ने गांव आने की बात कही। तब जाकर ग्रामीण वोट देने के लिए राजी हुए।

अति सुंदरवर्ती क्षेत्र में बड़े जमकर वोट

घाघरा प्रखंड के अति सुंदरवर्ती बीमरला व दिरगांव पंचायत के लोगों ने भी सड़क निर्माण की मांग को लेकर वोट बहिष्कार का निर्णय लिया था लेकिन समय रहते मतदान से पूर्व जिला व प्रखंड प्रशासन के द्वारा आश्वासन देकर ग्रामीणों को मना लिया गया था। उक्त क्षेत्र में वोट बहिष्कार का किसी भी तरह का असर नहीं दिखा। मतदाता लंबे लाइन लगाकर अपने-अपने मत का प्रयोग कर रहे थे। बूथ संख्या 221 में 10 बजे तक 18 प्रतिशत, बूथ संख्या 243 में 10:30 बजे 21 प्रतिशत, बूथ संख्या 171 में 10:37 बजे 44 प्रतिशत, बूथ संख्या 172 में 10:40 बजे 24 प्रतिशत, बूथ संख्या 166 में 11:37 बजे 58 प्रतिशत, बूथ संख्या 165 में 11:39 बजे 31 प्रतिशत, बूथ संख्या 167 में 11:44 बजे 50 प्रतिशत, बूथ संख्या 168 में 11:45 बजे 45 प्रतिशत, बूथ संख्या 164 में 11:48 बजे 33 प्रतिशत मतदान हो चुका था। यह सभी मतदान केंद्र जहां वोट बहिष्कार किया गया था उन सभी मतदान केंद्रों में कतार में लगकर लोगों ने मतदान किया।

कासपोडिया के ग्रामीणों ने किया मतदान बहिष्कार

प्रशासन के आश्वासन के बाद शुरू हुई वोटिंग

नवीन मेल संवाददाता। गुमला विशुनपुर विधानसभा क्षेत्र के घाघरा प्रखंड के कासपोडिया गांव के बूथ संख्या 235 पर ग्रामीणों ने खराब सड़क को लेकर विधानसभा चुनाव में मतदान का बहिष्कार किया। ग्रामीणों का कहना था कि कासपोडिया मोड़ से गांव तक 3 किलोमीटर की सड़क जर्जर स्थिति में है, और कई बार प्रशासन से शिकायत के बावजूद सड़क का निर्माण नहीं हुआ है। इस असुविधा से परेशान ग्रामीणों ने फैसला किया कि सड़क बनने तक वे वोट नहीं डालेंगे। बहिष्कार की जानकारी मिलते ही प्रखंड विकास पदाधिकारी दिनेश कुमार और अंचल अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि कासपोडिया मोड़ से गांव तक की सड़क का निर्माण कार्य स्वीकृत हो चुका है और शीघ्र शुरू किया जाएगा। अधिकारियों के आश्वासन के बाद ग्रामीण मतदान के लिए तैयार हो गए, और लगभग एक घंटे की देरी के बाद मतदान प्रक्रिया शुरू हो सकी।

100 साल की वृद्ध महिला अपने मताधिकार का प्रयोग करने लिए बच्ची का सहाराह लेकर जाती

अपना वोट देने जाता एक विव्यांग वोटर

भरनो प्रखंड के दतिया ग्राम स्थित बूथ संख्या 168 में भाजपा प्रत्याशी डॉ.अरुण उरांव ने अपना मतदान किया।

चुगलु गांव में सड़क और पुल नहीं होने से ग्रामीण नाराज, किया मतदान का बहिष्कार

अधिकारियों के आश्वासन पर शुरू हुई वोटिंग

नवीन मेल संवाददाता। गुमला गुमला विधानसभा क्षेत्र के चुगलु गांव में बुनियादी सुविधाओं की कमी, विशेष रूप से सड़क और पुल के अभाव को लेकर ग्रामीणों ने विधानसभा चुनाव के दौरान मतदान का बहिष्कार किया। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को समस्या बताई गई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिससे असंतुष्ट ग्रामीणों ने वोट न देने का निर्णय लिया। मतदान बहिष्कार की खबर मिलने पर गुमला थाना प्रभारी और अंचल अधिकारी (सीओ) मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत की। अधिकारियों ने उपायुक्त से फोन पर वार्ता कराई, जिसमें डीसी ने ग्रामीणों को विकास कार्यों का भरोसा दिलाया। लगभग ढाई घंटे की वार्ता और आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने मतदान शुरू करने पर सहमति दी। उपायुक्त ने आश्वासन दिया कि मतदान प्रक्रिया समाप्त होने के बाद वे गांव का निरीक्षण करेंगे और बुनियादी सुविधाओं के विकास पर ध्यान देंगे। ग्रामीणों ने अपनी मांगों को लेकर अंचल अधिकारी के माध्यम से एक लिखित आवेदन भी सौंपा।

गुमला जिले में मतदान के दौरान दिखा उत्साह, 69.01 प्रतिशत हुआ मतदान

नवीन मेल संवाददाता। गुमला जिले के तीन प्रमुख विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी उत्साह चरम पर दिखा। जहां मतदाताओं ने बड़ी संख्या में मतदान कर लोकतंत्र में अपनी मजबूत भागीदारी दिखाई। दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे के बीच जिले में कुल मतदान 69.01 प्रतिशत हुआ।

सिसई विधानसभा : सिसई में 71.21 प्रतिशत मतदान हुआ क्षेत्र के मतदाताओं में चुनाव को लेकर खासा उत्साह देखा गया। मतदाता बूथों पर लंबी कतारों में खड़े होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करते नजर आए, जिसमें युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं की विशेष भागीदारी रही।

गुमला विधानसभा : गुमला विधानसभा 65.46 प्रतिशत मतदान हुआ। हालांकि, यह क्षेत्र का अपेक्षाकृत औसत प्रतिशत है, लेकिन मतदाताओं का समर्थन और सक्रियता यहां भी उत्साहजनक रही। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मतदाता अपने-अपने बूथों पर पहुंचकर मतदान करते देखे गए, जहां प्रशासन की ओर से विशेष सुरक्षा और सुविधा का ध्यान रखा गया था।

बिशुनपुर विधानसभा : बिशुनपुर में 70.06 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो क्षेत्र के जागरूक मतदाताओं की सहभागिता को दर्शाता है। इस क्षेत्र में भी महिलाओं और बुजुर्ग मतदाताओं की उपस्थिति काफी सराहनीय रही। मतदाताओं का इस प्रकार का जोश आगामी चुनाव परिणामों के प्रति लोगों की उत्सुकता को बढ़ा रहा है।

प्रशासन की व्यवस्था थी चुस्त, मतदाताओं में था उत्साह

चुनाव को शांतिपूर्ण संपन्न करने के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। मतदान केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई, जिससे मतदाताओं को सुरक्षित माहौल में मतदान करने का अवसर मिला। सिसई, गुमला, और बिशुनपुर में मतदाताओं की बढ़ती संख्या लोकतंत्र के प्रति उनकी निष्ठा को दशार्ती है। इन क्षेत्रों में सुबह से ही लोग वोट डालने के लिए कतारों में लगे रहे, जोकि आगामी परिणामों को लेकर जनमानस की गहरी रुचि को उजागर करता है। गुमला जिले के मतदान प्रतिशत से यह साफ होता है कि यहां के नागरिक लोकतंत्र को मजबूत करने में अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं। चुनाव के इस दौर में जिले के तीनों क्षेत्रों में मतदाताओं की सक्रियता से जनता की राय और रुझानों का अनुमान लगाया जा सकता है, जो भविष्य की राजनीति को दिशा देने वाला साबित होगा।

उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने किया मतदान

गुमला। विधानसभा चुनाव 2024 के अवसर पर गुमला जिले के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के महापर्व में हिस्सा लिया। दोनों अधिकारियों ने मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपना वोट डाला, और अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए जनता के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत किया। मतदान के बाद, उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने जिले की जनता से अपील की कि वे भी अपने बहुमूल्य मताधिकार का प्रयोग करें और लोकतंत्र को मजबूत बनाएं। अधिकारियों ने सभी से शांतिपूर्ण और सुरक्षित चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने का आग्रह किया, ताकि चुनावी प्रक्रिया में जिले की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

सिसई के मजदूर का पंजाब में हुआ निधन

बुधवार शाम शव पहुंचा सिसई

नवीन मेल संवाददाता। सिसई (गुमला) सिसई प्रखंड क्षेत्र के सकरौली वार्ड नंबर 11 निवासी लालधारी गोप के 24 वर्षीय पुत्र परविंदर गोप का बीमारी से पंजाब में निधन हो गया। मृतक पंजाब के जिला लुधियाना , थाना मूलापुर, के बुडैल में रहकर मजदूरी का काम करता था। दो दिन बाद आज शाम एंबुलेंस से शव के गांव पहुंचने पर परिजन दहाड़ मार कर रोने लगे।पुरे गांव में छा गया मातम। वे अपने पीछे पत्नी बिरशमुनी देवी, पुत्री आरभी कुमारी, माता ललिता देवी को छोड़ गए। सी एफ टी यू ई मजदूर संघ गुमला के पदाधिकारियों ने घर पहुंच कर हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। आज देर रात शव का सकरौली मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया जाएगा। गांव में रोजगार नहीं मिलने के कारण अधिकतर लोग बाहर दूसरे प्रांतों में मजदूरी करने चले जाते हैं। गांव में सरकार की कोई योजना की व्यवस्था भी नहीं है।

दारू बड़वार में शांति पूर्वक सम्पन्न हुआ मतदान

दारू। दारू प्रखंड अंतर्गत इरगा पंचायत के बड़वार गांव के बूथ संख्या 484 और 486 में सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक कड़ी सुरक्षा के बीच शांति पूर्वक बुधवार को विधानसभा चुनाव सम्पन्न हुआ। बूथ संख्या 484 में 60 प्रतिशत मतदान ओर 486 में 65 प्रतिशत मतदान किया गया। वहीं दारु प्रखंड के अन्य बूथों पर मतदान अपने निर्धारित समय सुबह सात बजे शुरू हुआ जो शाम पांच बजे तक चला। सुबह से ही बूथों पर मतदाताओं की लाइन लगनी शुरू हो गई थी। समय के साथ मतदान का प्रतिशत बढ़ता गया।

सिसई प्रखंड में 72.21 प्रतिशत हुआ मतदान

नवीन मेल संवाददाता। सिसई सिसई प्रखण्ड के 112 बूथों में मतदान का प्रतिशत सुबह सात बजे से नौ बजे तक 13.82 प्रतिशत रहा। 11 बजे तक 33.11 प्रतिशत रहा। वहीं 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक 53.59 प्रतिशत, और 3 बजे तक 66.59 रहा। शाम तक 71.21 प्रतिशत रिकॉर्ड किया गया जो जिले के सबसे अधिक मतदान वाले क्षेत्रों में से एक है। क्षेत्र के मतदाताओं में चुनाव को लेकर खासा उत्साह देखा गया। मतदाता बूथों पर लंबी कतारों में खड़े होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करते नजर आए, जिसमें युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं की विशेष भागीदारी रही। खासकर नये मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला जिन्होंने पहली बार अपने मत का प्रयोग करते हुए मतदान किया। चुनाव को शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। मतदान केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई, जिससे मतदाताओं को सुरक्षित माहौल में मतदान करने का अवसर मिला। सिसई,में मतदाताओं की बढ़ती संख्या लोकतंत्र के प्रति उनकी निष्ठा को दशार्ती है। कि इन क्षेत्रों में सुबह से ही लोग वोट डालने के लिए कतारों में लगे रहे, जोकि आगामी परिणामों को लेकर जनमानस की गहरी रुचि को उजागर करता है। सिसई प्रखण्ड के मतदान प्रतिशत से यह साफ होता है कि यहां के नागरिक लोकतंत्र को मजबूत करने में अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं। चुनाव के इस दौर में सिसई प्रखण्ड के क्षेत्रों में मतदाताओं की सक्रियता से जनता की राय और रुझानों का अनुमान लगाया जा सकता है, जो भविष्य की राजनीति को दिशा देने वाला साबित होगा।

चैनपुर में दिव्यांग व वृद्ध मतदाताओं ने मतदान कर दिया संदेश

चैनपुर। प्रखंड में वृद्ध मतदाता जागरूक मतदाता होने का संदेश देते नजर आए। सुबह में मतदान शुरू होने के पहले ही वो उत्साहित होकर मतदान केंद्र पहुंचे और वोट डाल कर अपने कर्तव्य का निर्वहन किया। उन्होंने सभी लोगों से घरों से निकल कर मतदान करने की अपील की।

चैनपुर प्रखंड के मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से मतदान को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा था। सभी मतदान केंद्रों पर जिला प्रशासन की ओर से आवश्यक आधारभूत सुविधा उपलब्ध कराई गयी थी।

बुजुर्ग महिला को वोट देने से किया गया वंचित

सिसई (गुमला)। सिसई प्रखण्ड के राजकीयकृत मध्य विद्यालय सकरौली बूथ नंबर 88 में सकरौली गांव निवासी मोहिनी देवी मतदान करने के लिए मतदान केंद्र पहुंची थी। बूथ एजेंट के मतदाता सूची में उनके नाम में पी बी लिखा हुआ था। जिसके कारण वोट करने नहीं दिया गया। और पीठासीन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची के अनुसार हमलोग मतदान कराते हैं। बी एल ओ अनीता देवी ने कहा कैसे हुआ हमको कोई जानकारी नहीं है। मतदान करने नहीं देने से बुजुर्ग महिला नाराज होकर घर लौटी । और बताई कि हर बार मतदान केंद्र में आकर वोट देती थी। उन्होंने जांच का मांग किया है।

मतदान के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों का उमंग 995 बूथों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

नवीन मेल संवाददाता। गुमला जिले के तीन विधानसभा सिसई, गुमला और बिशुनपुर में पहले चरण का मतदान उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। सुबह 7 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक जिले भर के मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए मतदान केंद्रों पर पहुंचे, जिससे लोकतंत्र के इस पर्व में जनभागीदारी देखने को मिली। इस चुनाव में शहरी क्षेत्रों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों के मतदाताओं में विशेष उत्साह देखा गया, जहां लोग सुबह से ही लंबी कतारों में खड़े होकर मतदान करते नजर आए।

ग्रामीण क्षेत्रों में उमंग, युवाओं की विशेष भागीदारी : गुमला जिले के ग्रामीण इलाकों में लोगों का उत्साह विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। कई ग्रामीण मतदाता सुबह से ही अपने-अपने पोलिंग बूथों पर पहुंच गए थे। पहली बार मतदान कर रहे युवा मतदाताओं ने भी लोकतंत्र के इस पर्व में पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। मतदान केंद्रों पर युवाओं के साथ-साथ बुजुर्गों और महिलाओं की भी सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

महिलाओं और दिव्यांग मतदाताओं में भी रहा उत्साह : इस चुनाव में महिला मतदाताओं का प्रतिशत पुरुषों से अधिक रहा, जो उनके बढ़ते राजनीतिक जागरूकता और सक्रियता को दर्शाता है। इसके अलावा, दिव्यांग मतदाताओं ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिससे उनका हौसला बढ़ता दिखाई दिया।

गुमला जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में कुल 995 मतदान केंद्र बनाए गए थे, जिनमें सिसई में 332, गुमला में 314, और बिशुनपुर में 349 मतदान केंद्र शामिल हैं। प्रशासन ने शांतिपूर्ण और सुरक्षित मतदान सुनिश्चित करने के लिए इन केंद्रों पर व्यापक व्यवस्थाएं की थीं। मतदान केंद्रों पर पुलिस बल के साथ-साथ चिकित्सा सुविधाएं और अन्य आवश्यक सेवाएं भी उपलब्ध कराई गई थीं, ताकि मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पूर्व प्रत्याशी ने नायाब तरीके से मनाया चुनावी उत्सव

नवीन मेल संवाददाता। बसिया (गुमला) सिसई विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कामडारा प्रखंड का रामतोलया बूथ दिनभर चर्चा का विषय बना रहा। हर जुबान पर इस मतदान केंद्र का नाम दिनभर इसलिए चलता रहा क्योंकि गत चुनाव में झारखंड पार्टी की टिकट पर सिसई विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ चुकी सुनीता तोपनो पुड़ी सब्जी के अपने चुल्हे के साथ भर दिन व्यस्त नजर आई। सुनीता टोपनो कामडारा प्रखंड क्षेत्र में अच्छी खासी लोकप्रिय शख्सियत हैं और वह यहां से जिला परिषद सदस्य भी रह चुकी है। आप इसे लोकतंत्र के प्रति उनकी सनक के तौर पर भी देख सकते हैं जबकि लोकतांत्रिक उत्सव के रूप में चुनावी पर्व के अवसर पर आज उन्होंने अपनी मर्जी से सुदूरवर्ती रामतोलया बूथ पर न केवल मतदानकर्मी तथा सुरक्षाकर्मियों के लिए निस्वार्थ भाव के साथ नाश्ता बनाने का काम किया बल्कि उसे निःशुल्क परोसकर अपने संकल्प को सार्वजनिक करने का कारनामा भी कर दिखाया।

रिकॉर्ड मतदान से गड़बड़ाया चुनावी आकलन का बाजार

नवीन मेल संवाददाता। बसिया (गुमला) जिले में सर्वाधिक मतदान का रिकॉर्ड बनाने वाले सिसई विधानसभा क्षेत्र में पूरे शांति के साथ चुनाव संपन्न हो गया। इस अवसर पर लोगों का उत्साह अपने चरम पर देखा गया और इस उत्साह के बीच यहां 66 प्रतिशत से अधिक मतदान का रिकॉर्ड दर्ज किया गया। संदर्भवश मतदान के इस बढ़े हुए प्रतिशत ने यहां के चुनावी गणित को उलझाकर रख दिया है। इस उलझन की गुत्थी तो अब मतगणना के दिन 23 नवंबर को ही सुलझ पाएगा। परन्तु रिकॉर्ड मतदान ने यहां के चौपालों को बहस का एक नया मुद्दा थमा दिया है। अब बढ़े हुए मत प्रतिशत का श्रेय एक ओर झामुमो इस आधार पर ले रही है कि यह सबकुछ उनके लोकप्रिय प्रत्याशी जिगा सुसारन होरो व प्रदेश के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विरुद्ध व्यक्तिगत टिप्पणी के विरुद्ध आम लोगों की प्रतिक्रिया है। इसी तरह सत्तारूढ़ पार्टी के मुख्य प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी की ओर से यह दावा किया जा रहा है कि बढ़ा हुआ मत प्रतिशत झामुमो के भ्रष्टाचार और इसके प्रत्याशी जिगा सुसारन होरो की व्यक्तिगत छवि के विरोध में आया जनाक्रोश का प्रतिफल है। बहरहाल आज सभी बूथों में सुबह से ही मतदाताओं की लंबी लंबी कतारें देखी गई। इन कतारों में प्रमुखतया दो ही मुद्दे मुखर नजर आए। एक ओर बड़ी संख्या में लोग भ्रष्टाचार के विरुद्ध मतदान को आधार मानकर लंबी कतारें में खड़े नजर आए तो महंगाई, बेरोजगारी व विकास के मुद्दे भी ध्रुवीकरण के आधार बनकर सामने दिखे।

हे प्रभु! मेरी इच्छा-शक्ति की प्रत्येक क्रिया आपकी दैवीय शक्ति से आपूरित हो, मेरी प्रत्येक कल्पना, प्रत्येक अभिव्यक्ति, प्रत्येक महत्वाकांक्षा को अपनी कृपा से अलंकृत करें। हे दिव्य शिल्पकार, मेरे जीवन को अपनी योजना के अनुसार तराशें! - श्री श्री परमहंस योगानंद

संपादकीय

नशे के अंतरराष्ट्रीय गिरफ्त में पंजाब राष्ट्रीय खतरा

पाकिस्तान की सीमा से लगा पंजाब पड़ोसी देश के नापाक इरादों का शिकार रहा है और आतंकवाद के बाद नशे में धंसता जा रहा है जिससे इसकी पहचान सबसे मेहनती और कृषि प्रधान राज्य से बदलकर उड़ता पंजाब बनता जा रहा है। सीमा पार के छद्म युद्ध ने इसे जकड़ रखा है। पिछले दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 153 बड़े ऑपरेटरों सहित 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया है जिससे स्थानीय तस्करों के साथ-साथ बड़े ड्रग नेटवर्क को को पकड़ा गया है जिसमें 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य नशीले पदार्थों के साथ-साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक ड्रग मनी जब्त की गई है। ड्रग की तस्करी और व्यापक रूप से नशे की लत पंजाब की सबसे घातक सामाजिक-राजनीतिक चुनौती बन चुकी है जो पूरे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनती जा रही है। पाकिस्तान पोषित इस नशीले कारोबार की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस साल सीमा सुरक्षा बल ने पंजाब की पाकिस्तान से लगती सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए। जो वर्ष 2023 में बरामद 107 ड्रोन से कहीं अधिक हैं। पाक प्रायोजित यह तस्करी परिष्कृत एवं सुनियोजित तरीके से की जा रही है, जिसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की अवश्यकता है। राजनीतिक अस्थिरता के कारण नशे की समस्या पिछले कई वर्षों के दौरान और बद से बदतर होती गई है और यह पिछले पंजाब में हुए विधानसभा चुनावों में यह एक बड़ा मुद्दा था। क्योंकि शहरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से हर रोज युवाओं की मौत की खबरें हो या विधवाओं का क्रंदन समूचा देश सुन चुका है। पंजाब पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं ईरान के तथाकथित गोल्डेन क्रेसेंट से तस्करी कर लाई गई नशीली दवाओं का एक आपूर्ति केंद्र और बाजार दोनों ही है। जहां अफगानिस्तान की हेरोईन की भारत-पाकिस्तान की 553 किमी लंबी और अवैध घुसपैठ की संभावनाओं से युक्त सीमा से तस्करी की जाती है, अफीम, अफीम की भूसी, चरस एवं हशीश जैसी अन्य नशीली दवाएं आसपास के देशों से आती हैं। भारत एवं पाकिस्तान सीमा पर अच्छी सड़कों का अभाव भी सीमा पर लगी बाड़ के नीचे सुरंगों की खुदाई के जरिये भारी मात्रा में मादक दवाओं की खेप के हस्तांतरण के काम को आसान बना देती हैं। पंजाब पुलिस की नशे से जुड़े आतंकवदी तंत्र की जांच करने की सीमित क्षमता है, खासकर, इस समस्या का मुकाबला करने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकीय एवं वैज्ञानिक उपकरणों की उसके पास कमी है। पंजाब में राजनीति और ड्रग्स का चोली दामन का संबंध है, बड़ी राजनीतिज्ञ पार्टियों की नशा माफिया एवं नशीले पदार्थों के तस्करों के साथ काफी मिलीभगत है और यही वजह है कि पंजाब 'नशीले पदार्थों की राजनीति' के युग से गुजर रहा है। इसलिये भी यह समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है।पंजाब में नशे की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट भी चिन्ता व्यक्त करता रहा है, अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए उसने पंजाब सरकार को फटकार भी समय-समय पर लगाई है। पूर्व में सुप्रीम कोर्ट ने कहा, पंजाब में नशे की समस्या बढ़ती जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पूर्व में 'ड्रग्स-फ्री इंडिया' अभियान चलाने की बात कही तो है पर इसमें राज्य सरकार का भी सहयोग अपेक्षित है।

> ड्रग की तस्करी और व्यापक रूप से नशे की लत पंजाब की सबसे घातक सामाजिक-राजनीतिक चुनौती बन चुकी है, जो पूरे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनती जा रही है।

55वां भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव

संस्कृतियों का जुड़ाव, सिनेमा की दिग्गज हस्तियों का सम्मान, भविष्य को आकार

एसएच. चैतन्य के प्रसाद
(पूर्व एडीजी, लेखक डीएफएफ के पूर्व अतिरिक्त महानिदेशक और आईएफएफआई के महोत्सव निदेशक हैं)

55वां भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) 20 से 28 नवंबर, 2024 के दौरान गोवा के मनोरम तट पर सिनेमाई उत्सव की एक नई छटा बिखेरने को तैयार है। इस वर्ष का यह महोत्सव महज फिल्मों की एक प्रदर्शनी से कहीं बढ़कर होने वाला है। विविध वैश्विक संस्कृतियों का संगम एवं उभरती प्रतिभाओं के लिए एक लॉन्चपैड होने के साथ-साथ यह आयोजन भारत की सिनेमाई विरासत के प्रति एक विनम्र श्रद्धांजलि भी होगा। आईएफएफआई 2024 न केवल अपने विकास की दृष्टि से बल्कि एक विशिष्ट अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के रूप में एक ऐसा साहसिक कदम होगा, जो वैश्विक मंच पर भारत की जीवंत संस्कृति और सिनेमा की कला का उत्सव मनाएगा। इस वर्ष, विविध संस्कृतियों को जोड़ने और अंतरराष्ट्रीय समझ को बढ़ावा देने के प्रति फिल्म महोत्सव की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए आईएफएफआई ने ऑस्ट्रेलिया को 'आकर्षण का केन्द्रबिन्दु वाले देश' (कंट्री ऑफ फोकस) के रूप में रेखांकित किया है। आईएफएफआई का यह खंड भारतीय दर्शकों को ऑस्ट्रेलियाई सिनेमा की उस तह में उतरने के लिए आमंत्रित करता है, जहां गंभीर नाटकों से लेकर साहसिक कॉमेडी और विचारोत्तेजक वृत्तचित्रों तक की चुनिंदा फिल्मों की थाह ली जायेगी। इस केन्द्रित दृष्टिकोण के माध्यम से, दर्शकों को ऑस्ट्रेलिया की अनूठी और विकसित सिनेमाई भाषा का एक ऐसा अनुभव हासिल होगा जो आईएफएफआई को अंतर-सांस्कृतिक प्रशंसा एवं संवाद का एक शक्तिशाली मंच बनाएगा। ऐसा करने के क्रम में, आईएफएफआई 2024 एक ऐसे भावविभोर कर देने वाले अनुभव को संभव बनाने हेतु फिल्मों के पारंपरिक प्रदर्शन से परे जाएगा जो इस महोत्सव को दुनिया की विविध कहानियों, लोगों एवं संस्कृतियों के बीच एक सेतु के रूप में स्थापित करेगा। आईएफएफआई 2024 का नवीनतम पुरस्कार, 'भारतीय फीचर फिल्म का सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक' पुरस्कार, भारतीय फिल्मकारों की अगली पीढ़ी पर प्रकाश डालेगा। यह पुरस्कार केवल एक मान्यता भर नहीं होगा। यह एक युवा निर्देशक के करियर में एक ऐसा महत्वपूर्ण क्षण होगा, जो भारतीय सिनेमा में नए दृष्टिकोण के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा। इस श्रेणी को पहली बार के निर्देशकों को समर्पित करके, आईएफएफआई रचनात्मक प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें निरंतर प्रतिस्पर्धी होते फिल्म उद्योग में जगह बनाने में मदद करने की अपनी प्रतिबद्धता का संकेत देता है। जहां विभिन्न अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव स्थापित प्रतिभाओं पर ही ध्यान केन्द्रित करते हैं, वहीं आईएफएफआई द्वारा नवोदित फिल्म निमार्ताओं को मान्यता देना विकास को बढ़ावा देने और भारतीय सिनेमा के भविष्य को अपनाने के प्रति इसके समर्पण को दशार्ता है। इस वर्ष का यह महोत्सव भारतीय सिनेमा की चार महान विभूतियों - राज कपूर, तपन सिन्हा, अक्किनेनी नागेश्वर राव (एएनआर) और मोहम्मद रफी - को भी श्रद्धांजलि देगा। इन दिग्गज हस्तियों ने भारत की सिनेमाई विरासत को आकार दिया और कई पीढ़ियों के दर्शकों के दिलों पर राज किया। पुनरोद्धार की गई पुरानी फिल्मों और विशेष रूप से तैयार की गई प्रस्तुतियों को पेश करके, आईएफएफआई नई पीढ़ी के लिए उनकी कलात्मकता को जीवंत बनाएगा और अंतरराष्ट्रीय दर्शकों को भारत के समृद्ध सिनेमाई इतिहास की एक सार्थक झलक प्रदान करेगा। यह श्रद्धांजलि भारतीय सिनेमा की गहराई, संस्कृति पर इसके परिवर्तनकारी प्रभाव और इन प्रणेताओं की स्थायी प्रासंगिकता की याद दिलाएगी। आईएफएफआई का फिल्म बाजार, अब अपने 18वें वर्ष में, एक ऐसे गतिशील बाजार के रूप में प्रस्तुत है जो फिल्म निमार्ताओं, फाइनेंसरों, वितरकों और अंतरराष्ट्रीय फिल्म उद्योग की अग्रणी हस्तियों को एक साथ लाता है। अपने ह्यव्यूइंग रूमह्ल में 200 से अधिक फिल्मों के प्रदर्शन के साथ, फिल्म बाजार वह जगह है जहां कहानियों को निवेशक मिलते हैं, फिल्में वितरकों के साथ जुड़ती हैं और आपसी सहयोग का जन्म होता है। यह समर्पित मंच महोत्सव के दायरे से परे जाकर विभिन्न परियोजनाओं के विकास और उन्हें फलने-फूलने के अवसर पैदा करके केवल प्रदर्शन (स्क्रीनिंग) पर केन्द्रित अन्य फिल्म महोत्सवों से आईएफएफआई को अलग पहचान देता है। भारतीय और अंतरराष्ट्रीय, दोनों प्रकार के फिल्म निमार्ताओं के संदर्भ में यह फिल्म बाजार वैश्विक दर्शकों के लिए एक प्रवेश द्वार और भविष्य की परियोजनाओं के लिए नेटवर्क एवं सुरक्षित समर्थन का एक दुर्लभ अवसर प्रस्तुत करता है। आईएफएफआई का भारतीय पैनोरमा खंड इस महोत्सव की एक ऐसी पहचान बन गया है, जो दर्शकों को समकालीन भारतीय सिनेमा के विविध चयन की पेशकश करता है। 25 फीचर फिल्मों और 20 गैर-फीचर फिल्मों को उनकी सिनेमाई उत्कृष्टता, विषयगत महत्व और सौंदर्यशील रचनात्मकता के लिए चुनकर भारतीय पैनोरमा कहानी कहने की भारतीय शैली की जीवंतता एवं विविधता को प्रदर्शित करता है। अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के लिए, यह खंड भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य के बारे में एक प्रामाणिक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, जो क्षेत्रीय कथाओं से लेकर कला के क्षेत्र में अग्रगामी प्रयोगों तक पर प्रकाश डालता है। यह खंड भारतीय सिनेमा को उसकी पूरी गहराई और विविधता में प्रस्तुत करने के आईएफएफआई के मिशन को पुष्ट करता है, जिससे यह वैश्विक स्तर पर फिल्म संबंधी परिचर्चा का एक अमूल्य हिस्सा बन जाता है। आईएफएफआई 2024 की असाधारण पहलों में से एक 'क्रिएटिव माइंड्स ऑफ टुमॉरो' (सीएमओटी) है। यह सूचना और प्रसारण मंत्रालय तथा राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) का एक ऐसा कार्यक्रम है, जो युवा फिल्म निमार्ताओं को निखारने के प्रति समर्पित है। सीएमओटी फिल्म उद्योग के अनुभवी पेशेवरों के साथ संपर्क की सुविधा प्रदान करते हुए उभरती प्रतिभाओं को लघु फिल्मों, वृत्तचित्रों और एनिमेशनों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। सीएमओटी के माध्यम से, आईएफएफआई न केवल युवा प्रतिभाओं का प्रदर्शन कर रहा है बल्कि भारतीय फिल्म निमार्ताओं की अगली पीढ़ी को सफल होने के लिए संसाधनों और संपर्क के साथ सशक्त भी बना रहा है। यह पहल एक महोत्सव के रूप में आईएफएफआई की उस भूमिका को मजबूत करती है, जो उत्सव से आगे बढ़कर रचनात्मकता और विकास को निखारने की एक उपजाऊ जमीन बन जाती है। कान्स 2024 में दुनिया का ध्यान खींचने वाले 'भारत पर्व' के सार के अनुरूप, आईएफएफआई भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव मनाता है।

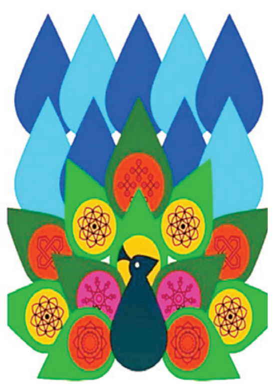

आपकी बात

लैंगिक समानता और हरियाणा

राकेश दुबे

लिंग अनुपात असंतुलन हरियाणा राज्य के लिये असहज करने वाली स्थिति पूर्व की भाँति ही है। कालांतर सरकार के प्रयासों व जन जागरूकता के चलते स्थिति में कुछ सुधार आया था, एक बार फिर परेशान करने वाली हकीकत सामने आई है। वर्ष 2023 की तुलना में इस साल के दस महीनों की अवधि यानी जनवरी से अक्तूबर के बीच जन्म के समय लिंग अनुपात में ग्यारह अंकों की गिरावट दर्ज की गई है। इसे विडंबना ही कहेंगे कि जिस राज्य को लगभग एक दशक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रमुख रूप से 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना शुरू करने के लिये चुना, वहां जन्म के समय लिंग अनुपात में फिर गिरावट दर्ज की गई है। लंबे समय से लिंग असंतुलन से जूझ रहे इस राज्य को एक बार फिर चिंताजनक स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे समय में जब इस साल के सिर्फ दो महीने की बाकी हैं, स्थिति में अधिक बदलाव की उम्मीद करना बेमानी ही होगा। जैसे हालात हैं इतने कम समय में बड़ा बदलाव संभव नहीं है। तो इसे पिछले आठ वर्षों की सबसे बड़ी गिरावट के रूप में देखा जाएगा। उल्लेखनीय है कि हरियाणा में जन्म के समय का लिंगानुपात वर्ष 2015 में 876 से बढ़ने पर आशातीत परिवर्तन की शुरूआत हुई थी। इसी साल ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्ल अभियान की शुरूआत भी की गई थी। कालांतर सरकारी प्रयास और जन भागीदारी से इस दिशा में आशातीत परिणाम सामने आए। जिसके चलते वर्ष 2019 में लिंगानुपात 923 के रिकॉर्ड उच्च स्तर तक जा पहुंचा था। हाल के वर्षों में इसमें फिर गिरावट देखी जा रही है। जो तंत्र को आत्ममंथन को बाध्य करती है कि इस गिरावट के तात्कालिक कारण क्या हो सकते हैं? सकारात्मक बदलाव सिर्फ सरकारी प्रयासों से ही संभव नहीं। इसके लिये समाज में व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाना नितांत जरूरी हो गया है। हरियाणा में लिंग अनुपात में आई गिरावट कहीं न कहीं सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में शिथिलता की ओर इशारा करती है। ऐसे कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिये जरूरी है कि बालिकाओं के जन्म को लेकर समाज में प्रगति की सोच विकसित की जाए। जिसका मकसद हो कि समाज में बालिकाओं के जन्म और अधिकारों को लेकर व्यावहारिक परिवर्तन लाया जाए। लोग बेटियों को लेकर किसी तरह की असुरक्षा महसूस न करें। मौजूदा स्थितियों को देखकत तो ऐसा लगता है कि हमारा तंत्र कन्या भ्रूण हत्या संकट खत्म करने के लक्ष्यों से अभी भी काफी दूर है। वहीं दूसरी ओर लिंग निर्धारण परीक्षणों में शामिल लोगों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकियों की संख्या में इस साल आई चिंताजनक गिरावट कानून प्रवर्तन और स्वास्थ्य एजेंसियों की कार्यशैली पर एक सवालिया निशान भी है। भ्रूण हत्या जैसे कृत्य करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने से किसी भी स्तर पर चूक नहीं की जानी चाहिए। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

बाल दिवस पर विशेष

नेहरूजी के नौनिहालों के चाचा बनने का किस्सा

डॉ रमेश ठाकुर

बाल दिवस और जवाहरलाल नेहरू के संबंध में सभी जानते हैं लेकिन अधिकांश लोगों को शायद यह जानकारी न हो कि नेहरूजी आखिर बच्चों के चाचा क्यों कहलाए। बाल दिवस, भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिवस पर मनाया जाता है। उनका जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहाबाद में हुआ था। यह दिवस पहले संयुक्त राष्ट्र द्वारा अधिकृत 20 नवंबर को पूरे विश्वभर में मनाया जाता था लेकिन साल 1964 में नेहरूजी के निधन के बाद भारतीय संसद में उनके जन्मदिन को आधिकारिक तौर पर 'बाल दिवस' के रूप में मनाए जाने का प्रस्ताव एकमत से जारी किया गया। बच्चों से उन्हें बेहद लगाव था। चलिए बताते हैं नेहरूजी को चाचा कहे जाने की कहानी। पंडित नेहरू एक मर्तबा इलाहाबाद में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। मौसम जाडे.का था। सभा में एक महिला अपने दुधमुंहे बच्चे के साथ भाषण सुनने के लिए पहुंची थी और नेहरू जी के भाषण देने के दौरान ही बच्चा जोर-जोर से रोने लगा। उपस्थित लोगों का ध्यान बंट गया। यहां तक कि नेहरूजी ने भी बच्चे का रोना सुनकर अपना भाषण रोक दिया। उन्होंने तुरंत अपने अंगरक्षक को बच्चा और उसकी माता को मंच पर लाने को कहा। मां अपने बच्चे के साथ जैसे ही मंच पर चढ़ी, नेहरूजी ने आगे बढ़ कर स्वयं बच्चे को अपनी गोद में ले लिया। नेहरूजी की गोद में जाते ही बच्चा चुप हो गया और उनकी जेब में लगे पेन से खेलने लगा। बच्चे के प्रति नेहरू के प्यार-स्नेह देखकर सभा में उपस्थित लोग बेहद प्रभावित हुए। यहीं से उन्हें बच्चों के बीच चाचा का मान दिया जाने लगा। नेहरूजी शुरू से बच्चों के अधिकारों और उनकी अच्छी शिक्षा के लिए मजबूत शिक्षा प्रणाली के पक्षधर थे। वह प्रत्येक बच्चे को देश का भविष्य कहते थे। फूलपुर की चुनावी सभा में नेहरू ने अपने प्रसिद्ध भाषण में कहा था कि बच्चे बगीचे की कलियों की तरह होते हैं, उनका सावधानीपूर्वक और प्यार से पालन-पोषण करना चाहिए, क्योंकि वे देश का भविष्य और कल के नागरिक हैं। हर साल उनके जन्मदिवस को बाल दिवस के रूप में बड़े उत्साह से मनाया जाता है। इस दिन देशभर के स्कूलों में गायन, निबंध, वाद-विवाद, खेलकूद जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित होती हैं। नेहरूजी बच्चों को राष्ट्र की संपत्ति मानते थे। अक्सर नौनिहालों को देश का सबसे कीमती संसाधन के रूप में संदर्भित करते थे। इसलिए, अपने युवा नागरिकों के जीवन की बेहतरी के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए उनके जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

सुख की आंतरिक अवस्थाएं

बोधि वृक्ष

यदि आप सोचते हैं कि आप ईश्वर की विस्मृति में सुखपूर्वक रह सकते हैं, तो यह आपकी भूल है, क्योंकि आप अकेलेपन में बार-बार चीत्कार कर उठेंगे, जब तक कि आप यह अनुभव नहीं कर लेते कि ईश्वर ही सर्वेसर्वा हैं- विश्व में केवल एक मात्र सत्य।

श्री श्री परमहंस योगानंद

आप सुख के लिए बाहरी स्थितियों पर जितना अधिक निर्भर रहते हैं, उतना ही कम सुख अनुभव करेंगे। यदि आप सोचते हैं कि आप ईश्वर की विस्मृति में सुखपूर्वक रह सकते हैं, तो यह आपकी भूल है, क्योंकि आप अकेलेपन में बार-बार चीत्कार कर उठेंगे जब तक कि आप यह अनुभव नहीं कर लेते कि ईश्वर ही सर्वेसर्वा हैं- विश्व में केवल एक मात्र सत्य। आपकी रचना उनके प्रतिबिम्ब के रूप में हुई है, आप किसी भी वस्तु में चिरस्थायी प्रसन्नता प्राप्त नहीं कर सकते क्योंकि ईश्वर के अतिरिक्त कुछ भी पूर्ण नहीं है। ईश्वर के साथ सम्पर्क करने में, मैं जिस विशुद्ध आनन्द को पाता हूँ उसे शब्दों में वर्णन नहीं किया जा सकता। रात और दिन मैं आनन्द की स्थिति में रहता हूँ। वह आनन्द ही ईश्वर हैं। उनको जानने का अर्थ है अपने सभी दुःखों की अन्त्येष्टि करना। वे नहीं चाहते कि आप उदासीन और चिड़चिड़े बनें। यह ईश्वर के प्रति सही धारणा नहीं है, और न ही यह उन्हें प्रसन्न करने का तरीका है। स्वयं प्रसन्न हुए बिना आप उन्हें पा भी नहीं सकते।... आप जितने अधिक प्रसन्न होंगे, उनके साथ आप उतना ही अधिक अन्तर्सम्पर्क कर पाएँगे। जो उन्हें जानते हैं वे सदा प्रसन्न रहते हैं क्योंकि ईश्वर स्वयं आनन्द हैं।

फेसबुक वॉल से

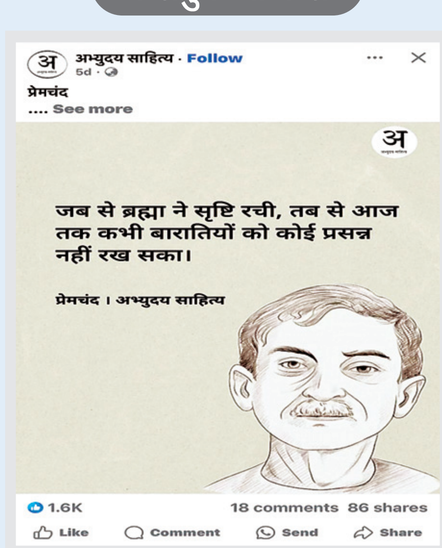

X से

आज का दोहा

रची रंगोली नेह की, आंगन उतरा चांद।
मन की मुरली गूंजती, जैसे अनहद नांद।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें article.rnmail@gmail.com
कॉल/ व्हाट्सएप 82925 53444। –संपादक

अलग बात

करोड़ों शालेय विद्यार्थी पुस्तकालयीन सेवा-सुविधाओं के अधिकार से वंचित

डॉ प्रितम भी. गेडाम

(राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह विशेष 14-20 नवंबर 2024)

जीवन में शिक्षा का स्थान अमूल्य है और शिक्षा में पुस्तकालय का स्थान अतुलनीय है। शिक्षा मनुष्य को जीवन में विश्व के हर क्षेत्र में उच्च स्थान प्राप्त करने के लिए बेहतर अवसर प्रदान करके प्रगतिपथ पर अग्रसर होने के लिए प्रोत्साहित करती है, शिक्षा रूपी प्रकाश मनुष्य के जीवन का अंधकार खत्म करने के लिए है। शिक्षा का आधार पुस्तक होती है और बेहतर पुस्तक का संग्रह पुस्तकालय कहलाते हैं। शाला, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय के ज्ञान स्त्रोत केंद्र अर्थात पुस्तकालय शिक्षा के मूल उद्देश्य को पूर्ण रूप से साकार करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। पुस्तकालय के बिना शिक्षा केन्द्र अधूरा है। आज हम आधुनिक युग में उन्नत शिक्षा संस्थानों को देखते हैं, पुस्तकों का स्वरूप भी अब डिजिटल और वर्चुअल हो चुका है, दुनिया भर का ज्ञान, अद्ययावत सुचना, पुस्तके, कागजात इंटरनेट के एक क्लिक पर हमें घर बैठे तुरंत प्राप्त होते है। शिक्षा के साथ-साथ हर क्षेत्र, सरकारी विभाग, निजी संस्थान, समाज में भी पुस्तकालय का विशेष स्थान है। सार्वजनिक पुस्तकालय, शैक्षणिक पुस्तकालय, सरकारी विभाग पुस्तकालय, विशिष्ट विषय संबद्ध पुस्तकालय, निजी पुस्तकालय ऐसे हमें पुस्तकालय के विविध रूप अंतरराष्ट्रीय से स्थानीय स्तर तक देखने मिलते हैं। मनुष्य के जीवन की प्राथमिक स्तर की शिक्षा विद्यालय की होती है, जहां जीवन विकास की नींव, नैतिकता, सभ्यता-संस्कार, ज्ञान का बीज बोया जाता है ताकि बड़ा होकर यह हरा-भरा, फलदार वृक्ष की भांति विकसित होकर देश की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। जिस प्रकार कुम्हार गिली मिट्टी को विशिष्ट रूप देकर उसका आकार बदलकर मूल्यवान बनाता है, उसी प्रकार शालेय शिक्षा विद्यार्थी जीवन में विविध विषयों के ज्ञान के साथ-साथ अच्छी बातें, ईमानदारी, बेहतर इंसान और सुजान नागरिक बनने में, कलागुणों को निखारने का अवसर देती है। शालेय बच्चे बड़े तेजी से विविध विषयों के ज्ञान को आत्मसात करते हैं, जल्दी नई बातें सीख जाते हैं। ऐसे शैक्षिक वातावरण में शिक्षा की ज्ञान रूपी आत्मा अर्थात पुस्तकालय सबसे बड़ी जिम्मेदारी निभाते है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विकसित पुस्तकालय बेहद आवश्यक है। हम सभी शिक्षा के महत्व को अच्छे से जानते है, भारत सरकार, राज्य सरकार, स्थानीय प्रशासन भी शिक्षा में लगातार सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए हमेशा प्रयासरत रहकर नई उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। शिक्षा समृद्धि के लिए नित नए कार्यक्रम किये जाते है। समग्र शिक्षा अभियान जैसे अनेक प्रेरणात्मक अभियान चलाए जा रहे है। केंद्रीय विद्यालय संगठन, जवाहर नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल, स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सलन्स जैसे सरकारी शालाये देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षाप्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, इसी प्रकार निजी शिक्षण संस्थानों में भी कुछ स्कूल राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानकों का पालन करके बेहतर प्रदर्शन करते है। यहां उच्च शिक्षित कर्मचारी वर्ग, नियमित पद भर्ती और शालेय सेवा-सुविधाओं का ध्यान रखा जाता है, पुस्तकालयों के विकास पर भी विशेष नीति-नियमों का कड़ाई से पालन किया जाता है, निश्चित ही ऐसे स्कूलों से प्रतिभावान विद्यार्थी निकलते है, जो आगे जाकर अपना, स्कूल और देश का नाम रोशन करते है। लेकिन देश में ऐसे शालाओं की संख्या बहुत कम है। देश के बहुत से राज्यों में शिक्षा व्यवस्था में बहुत बड़ी समस्याएं है, जो विकास में रोड़े के रूप में है। आज भी बहुत से शालाओं में आधारभूत सुविधाएं नहीं है। बिजली, शुद्ध पानी, खेल का मैदान, खेल सामग्री, प्रयोगशाला, कंप्यूटर लैब और संपन्न पुस्तकालय का अभाव नजर आता है। कही पद रिक्त पड़े है, कई पदों पर बरसो से भर्ती नहीं, कई पुस्तकालय सामग्री के लिए निधि नहीं तो कही फर्नीचर नहीं, तो कही शालाओं की खंडहरनुमा बदरंग स्कूल भवन और अद्यावत तकनिकी ज्ञान कौशल से अनभिज्ञ कर्मचारी नजर आते है। बड़े शहरों और महानगरों में हालात फिर भी थोड़े ठीक है, पर ग्रामीण क्षेत्रों और दूरदराज के पिछड़े इलाकों में शालेय शिक्षा व्यवस्था और आधारभूत सुविधाओं का अकाल नजर आता है। महाराष्ट्र राज्य सरकार की शालेय शिक्षण विभाग के पोर्टल से प्राप्त जानकारी अनुसार, राज्य के 111879 शालाओं में 20989572 विद्यार्थी अभी पढ़ रहे है। इनमें निजी स्कूल 67842 और निजी अनुदानित (सहायता प्राप्त) शाला 44037 है। इन दोनों प्रकार के स्कूल में कुल 686495 कर्मचारी है, उसमे से टीचिंग 613181 और नॉन टीचिंग कर्मचारी 73314 हैं। महाराष्ट्र सरकार के इसी शालेय शिक्षा और खेल विभाग मंत्रालय का जी.आर. जो 28 जनवरी 2019 को प्रसिद्ध किया गया था, उसमें साफ शब्दों में बताया गया था कि निजी अनुदानित अर्थात सहायता प्राप्त स्कूल में कुल कार्यरत 1600 अंशकालिक लाइब्रेरियन के सेवानिवृत्ति के बाद यह पद समाप्त किये जायेंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

कोचिंग संस्थानों के झूठे दावों पर लगाम के लिए दिशा-निर्देश जारी

एजेंसी। नई दिल्ली

छात्रों के अधिकारों की रक्षा और कोचिंग क्षेत्र में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने भ्रामक विज्ञापनों के मुद्दे के समाधान के लिए व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इनके अनुसार कोचिंग सेंटरों का विज्ञापन करने वाले भी झूठे दावों के लिए जिम्मेदार होंगे। छात्रों की लिखित सहमति के बिना विज्ञापनों में उनके नाम, फोटो या प्रशंसापत्र का उपयोग करना अवैध होगा और सहमति भी छात्र की सफलता के बाद ही उससे लेनी होगी।

सीसीपीए की मुख्य आयुक्त और उपभोक्ता मामले विभाग की सचिव निधि खरे ने बुधवार को कोचिंग क्षेत्र में भ्रामक विज्ञापन की रोकथाम के लिए दिशा-निर्देश, 2024 के बारे में जानकारी दी। उनके अनुसार दिशा-निर्देश झूठे अथवा भ्रामक दावों, सफलता दर और अनुचित अनुबंधों के बारे में बढ़ती चिंताओं के मद्देनजर तैयार किए गए हैं। दिशा-निर्देश कोचिंग संस्थानों को पाठ्यक्रम, उनकी अवधि, संकाय योग्यता, शुल्क और धन वापसी नीतियां, चयन दर, सफलता की कहानियां, परीक्षा रैंकिंग और नौकरी की सुरक्षा के वादे, सुनिश्चित प्रवेश, उच्च परीक्षा स्कोर, गारंटीकृत चयन या पदोन्नति से संबंधित झूठे दावे करने से स्पष्ट रूप से रोकते हैं। कोचिंग संस्थानों को अपने बुनियादी ढांचे, संसाधनों और सुविधाओं का भी सटीक ब्यौरा देना होगा। दिशा-निर्देश कोचिंग में लगे हर व्यक्ति पर लागू होंगे। कोचिंग संस्थानों का समर्थन करने वाले एंडोर्सर को अपने द्वारा प्रचारित किए जा रहे दावों को सत्यापित करना होगा। अगर वे झूठी सफलता दर या भ्रामक गारंटी का समर्थन करते हैं, तो उन्हें कोचिंग सेंटर के साथ-साथ जवाबदेह ठहराया जाएगा। कोचिंग सेंटरों को विज्ञापन में छात्र की तस्वीर के साथ नाम, रैंक और पाठ्यक्रम विवरण जैसी महत्वपूर्ण जानकारी का खुलासा करना होगा। यह भी बताना होगा कि क्या छात्र ने पाठ्यक्रम के लिए भुगतान किया था। महत्वपूर्ण जानकारी समान फॉन्ट व आकार के साथ प्रमुखता से दर्शानी होगी।दिशा-निर्देश कहते हैं कि कोचिंग सेंटर तत्काल निर्णय के दबाव डालने के लिए सीमित सीटों या मांग जैसी तात्कालिकता या कमी की झूठी भावना पैदा नहीं करेंगे। प्रत्येक कोचिंग सेंटर को राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन के साथ भागीदारी करने की आवश्यकता होगी, जिससे छात्रों के लिए भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापार प्रथाओं के बारे में चिंता या शिकायत दर्ज करना आसान हो जाएगा। कोचिंग संस्थानों को अब चयन के बाद की सहमति के बिना सफल उम्मीदवारों की तस्वीरों, नामों या प्रशंसापत्रों का उपयोग करने की अनुमति नहीं होगी। इस प्रावधान का उद्देश्य कोचिंग सेंटरों में दाखिला लेने के दौरान कई छात्रों के सामने आने वाले दबाव को खत्म करना है। खरे ने इस बात पर जोर दिया कि सीसीपीए उपभोक्ताओं और जनता के हित में दिशा-निर्देशों के प्रभावी कार्यान्वयन और अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उद्योग हितधारकों, उपभोक्ता संगठनों और नियामक निकायों के साथ मिलकर काम करना चाहता है। कोचिंग क्षेत्र में भ्रामक विज्ञापन उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के अनुसार शासित होंगे और दिशा-निर्देश हितधारकों के लिए स्पष्टता लाएंगे और उपभोक्ता हितों की रक्षा करेंगे।

अनुच्छेद 370 पर कई सवाल खड़े करती है कांग्रेस की चुप्पी: तरुण

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने बुधवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को बहाल करने की नेशनल कॉन्फ्रेंस की मांग पर कांग्रेस की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। चुघ ने कांग्रेस से अपना रुख स्पष्ट करने का आग्रह करते हुए कहा कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में नेशनल कॉन्फ्रेंस, पाकिस्तान के आईएसआई-संचालित एजेंडे के साथ जुड़ती दिख रही है। बुधवार को पार्टी सदस्यता अभियान की समीक्षा बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में तरुण चुघ ने कहा कि कांग्रेस ने हाल ही में जम्मू-कश्मीर चुनावों में नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन किया है, जनता यह जानने की हकदार है कि क्या कांग्रेस इस पाकिस्तान समर्थित एजेंडे का समर्थन करती है। ऐसे समय में जब जम्मू-कश्मीर के लोग विकास और प्रगति पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं का सक्रिय रूप से समर्थन कर रहे हैं, एनसी-कांग्रेस गठबंधन इसके बजाय एक विभाजनकारी एजेंडे को बढ़ावा दे रहा है, जो अलगाववाद और आतंकवाद को बढ़ावा देने का जोखिम उठाता है। चुघ ने भारत की अखंडता से समझौता करने के उद्देश्य से उनके नापाक उद्देश्यों की निंदा की, और इस बात पर जोर दिया कि ऐसी कार्रवाइयों को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

केंद्र का स्वास्थ्य क्षेत्र में 5 बातों पर फोकस

एजेंसी। दरभंगा

12,000 करोड़ रुपए के अलग-अलग प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बिहार के दरभंगा में 12,100 करोड़ रुपये से ज्यादा की योजनाओं की सौगात दी। साथ ही पीएम मोदी ने दरभंगा में बनने वाले बिहार के दूसरे एम्स का भी शिलान्यास किया। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार देश में स्वास्थ्य को लेकर हॉलिस्टिक अप्रोच के साथ काम कर रही है। उन्होंने बताया कि सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्रों में 5 बातों पर फोकस कर रही है। हमारा पहला कदम, हमारा फोकस बीमारी से बचाव पर है, दूसरा फोकस बीमारी की सही तरीके से जांच पर है, तीसरा फोकस है लोगों को मुफ्त और सस्ता इलाज मिले और सस्ती दवाएं मिले, हमारा चौथा फोकस है छोटे शहरों में भी इलाज की बेहतरीन सुविधाएं पहुंचाना। देश में डॉक्टरों की कमी को दूर करना और हमारा पांचवा फोकस है स्वास्थ्य सेवाओं में टेक्नोलॉजी का विस्तार करना। पीएम मोदी ने कहा कि आज बिहार समेत पूरा देश विकास के बड़े-बड़े लक्ष्यों को पूरा होते देख रहा है। जिन सुविधाओं, परियोजनाओं के पहले सिर्फ चर्चा होती थी, आज वो वास्तविकता बनकर जमीन पर उतर रही है। हम विकसित भारत की तरफ तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। हमारी पीढ़ी सौभाग्यशाली है कि हम इसके साक्षी बन रहे हैं और इसे पूरा करने में अपना योगदान भी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार देश की सेवा के लिए, लोगों के कल्याण के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रही है। सेवा की इसी भावना से यहां एक ही कार्यक्रम में विकास से जुड़े 12,000 करोड़ रुपए के अलग-अलग प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। इसमें रोड, रेल और गैस इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े अनेक प्रोजेक्ट्स हैं और सबसे बड़ी बात दरभंगा में एम्स का सपना साकार होने की तरफ एक बड़ा कदम उठाया गया है। दरभंगा एम्स के निर्माण से बिहार के स्वास्थ्य क्षेत्र में बहुत बड़ा परिवर्तन आएगा। इससे मिथिला, कोसी और तिरहुत क्षेत्र के अलावा पश्चिम बंगाल और आसपास के कई क्षेत्र के लोगों के

एम्स बनने से लोगों को मिलेगी अच्छी चिकित्सा व्यवस्था : नीतीश कुमार

दरभंगा। कार्यक्रम में मंच पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय सहित कई मंत्री, सांसद और विधायक उपस्थित थे। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि एम्स बनने से दरभंगा का विस्तार होगा तथा दरभंगा सहित बिहार के लोगों को अच्छी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी। आज प्रधानमंत्री मोदी इसके शिलान्यास के लिए आए हैं, इसलिए मैं उनका अभिनंदन करता हूं। यह एम्स बहुत अच्छा बनेगा। दरभंगा मेडिकल कॉलेज की चर्चा करते हुए कहा कि यह तय कर दिया गया है कि उसका और विस्तार करे देंगे। यहां 2500 लोगों के इलाज का इंतजाम किया जा रहा है।उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की ओर इशारा करते हुए लोगो से कहा, अब ये आ गए हैं। जितना हम लोग सोचते हैं ये उससे भी बढ़िया बनाएंगे। हमको मालूम है।

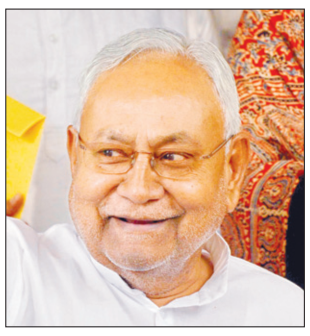

नीतीश ने पीएम का पैर छूने का प्रयास किया

दरभंगा एम्स शिलान्यास के मौके पर मंच पर उपस्थित मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री मोदी के पैर छूने की कोशिश की, जिससे प्रधानमंत्री भी हतप्रभ हो गए और उनका हाथ पकड़ लिया। इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। दरअसल, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंच पर अपना संबोधन पूरा करके वापस अपनी सीट पर लौट रहे थे। इस बीच वह पीएम मोदी के नजदीक पहुंचे और झुककर प्रधानमंत्री के पैर छूने की कोशिश की। नीतीश कुमार के नीचे झुकते ही पीएम मोदी खड़े हो गए और नीतीश कुमार के दोनों हाथों को पकड़कर उनका अभिवादन किया।

केंद्र के कारण निर्माण में विलंब हुआ : तेजस्वी यादव

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि दरभंगा एम्स पहले ही बन गया होता, केंद्र सरकार के कारण विलंब हुआ। हमलोग दरभंगा के शोभन में जमीन लेकर गए थे। यह लोग डीएमसीएच परिसर में ही बनाना चाहते थे। हम लोग चाहते थे कि एम्स डीएमसीएच में ना बने, बाहर जाकर बने ताकि शहर का विकास हो सके।

देव दीपावली पर्व पर वाराणसी के गंगा घाटों पर सुरक्षा की अभेद्य किलेबंदी

एजेंसी। वाराणसी

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में देव दीपावली पर्व (15 नवंबर) पर गंगा घाटों के साथ उस ओर जाने वाले मार्गों पर भी सुरक्षा की अभेद्य किलेबंदी रहेगी। नमो घाट पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की खास मौजूदगी को देख वहां सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। नमोघाट के साथ ही अन्य घाटों पर सुरक्षा के लिए दूसरे जिलों से भी फोर्स आएगी। इसमें तीन कंपनी पीएसी, एक कंपनी पीएसी बाढ़ राहत दल के जवान भी हैं। वाराणसी जोन के डीसीपी गौरव बंसवाल के अनुसार सभी घाटों पर जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। पर्व पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा। हर एक घाट पर मचान बनाए जा रहे हैं जिस पर पुलिस बल तैनात रहेगा। एनडीआरफ, जल पुलिस, पीएससी फोर्स भी तैनात रहेगी। इसके अलावा ड्रोन से भी निगरानी की जाएगी। देव दीपावली पर गंगा घाटों से लगायत शहर क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था का खाका पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर तैयार कर लिया गया है। भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, निगरानी और सुरक्षा के खास प्रबंध किए गए हैं। गंगा नदी में भी 80 मोटरबोट पर सवार जवान गश्त करते रहेंगे। व्यवस्था में रविदासघाट से नमो घाट तक गंगा नदी को आठ सेक्टर में बांटा गया है। सभी सेक्टर में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, जल पुलिस और पीएसी बाढ़ राहत दल के जवान, एनडीआरएफ की वॉटर एंबुलेंस, गोताखोर भी मौजूद रहेगी।

चेन्नई में सरकारी डॉक्टर पर चाकू से हमला, आईएमए ने की सख्त कार्रवाई

एजेंसी। नई दिल्ली/चेन्नई

तमिलनाडु में चेन्नई के गुइंडी में कलैगनार सेंटेनरी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल (केसीएसएसएच) में बुधवार को कुछ लोगों ने ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर डॉ. बालाजी जगन्नाथ को चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। कथित तौर पर एक मरीज के रिश्तेदार द्वारा किए गए इस हमले को सरकारी अस्पतालों में सुरक्षा और स्टाफ की स्थिति से जोड़कर देखा जा रहा है, जिस पर चिकित्सा पेशेवरों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। डॉ. बालाजी जगन्नाथ अस्पताल के ऑन्कोलॉजी विभाग में ड्यूटी पर थे, जब पेरुंगलाथुर के 26 वर्षीय आरोपित विग्नेश ने उनसे संपर्क किया। स्थानीय पुलिस के अनुसार विग्नेश और तीन दोस्त विग्नेश की मां से मिलने के लिए सुबह करीब साढ़े दस बजे अस्पताल पहुंचे। एक बार अंदर जाने के बाद वे कथित तौर पर महिला की बिगड़ती हालत को लेकर डॉ जगन्नाथ के साथ गरमागरम बहस में उलझ गये और उन्होंने डाक्टर ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया। पुलिस के अनुसार विग्नेश ने कथित तौर पर रसोई में इस्तेमाल होने वाला चाकू निकालकर डॉ. जगन्नाथ पर हमला किया। चाकू से उनकी गर्दन पर वार किया गया और उनके सिर और शरीर के ऊपरी हिस्से पर भी चोटें आईं।

आज का राशिफल

मेष : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा।

वृष : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा।

मिथुन : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

कर्क : सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

सिंह : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंग।

कन्या : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा।

तुला : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी।

वृश्चिक : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें, क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

धनु : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी।

मकर : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। सफलता मिलेगी।

कुंभ : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। सफलता मिलेगी।

मीन : अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगे। सुख-आनंद कारक समय है।

चुनाव आयोग ने ली गडकरी, अजित पवार, सीएम शिंदे और नाना पटोले के हेलीकॉप्टर की तलाशी

एजेंसी। मुंबई

चुनाव आयोग की टीम ने बुधवार को उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के बैग की तलाशी। बैग में चखली मिली, जिसे अजीत पवार ने चुनाव आयोग की टीम को खाने का ऑफर भी दिया। आज चुनाव आयोग की टीम ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले के हेलीकॉप्टर की भी जांच की है। इसके साथ ही उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने बैग को चेक किए जाने का वीडियो जारी किया है। जानकारी के अनुसार सोमवार और मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के हेलीकॉप्टर की जांच चुनाव आयोग की टीम ने की थी। उस समय उद्धव ठाकरे ने कहा था कि चुनाव आयोग सिर्फ उनके ही हेलीकॉप्टर की जांच कर रहा है, जबकि सत्तापक्ष के लोगों के हेलीकॉप्टर की जांच नहीं की जा रही है। उद्धव ठाकरे ने चुनाव आयोग पर निष्पक्ष होकर सभी स्टार प्रचारकों के हेलीकॉप्टर की जांच करने की मांग की थी। इसके बाद राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी ने कहा था कि चुनाव आयोग निष्पक्ष होकर जांच कर रहा है। इसके बाद चुनाव आयोग की टीम ने सभी दलों के नेताओं के हेलीकॉप्टर की जांच शुरू कर दी है। चुनाव आयोग की टीम आज मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हेलीकॉप्टर की जांच करने पहुंची तो सीएम शिंदे ने शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे पर तंज कसते हुए कहा कि चेक करो, हमारे हेलीकॉप्टर में दवा की किट नहीं मिलेगी। इसी तरह कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले के हेलीकॉप्टर में कोई सामान अथवा बैग नहीं था, इसलिए चुनाव आयोग की जांच टीम बैरंग लौट गई। अजीत पवार के हेलीकॉप्टर में चकली मिली, जिसे खाने का न्योता अजीत पवार ने जांच करने वालों को दिया।

भिलाई स्टील प्लांट के ब्लॉस्ट फर्नेस में गैस रिसाव, 3 बेहोश

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के भिलाई स्टील प्लांट में बुधवार को बड़ा हादसा हो गया। प्लांट के ब्लॉस्ट फर्नेस में गैस रिसाव हुआ। इसमें तीन मजदूर बेहोश हो गए हैं। तीनों मजदूरों की हालत गंभीर बताई जा रही है। इन तीनों मजदूरों को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रबंधन भिलाई स्टील प्लांट में हुए हादसे की जांच में जुट गया है। भिलाई भट्टी पुलिस ने इस हादसे की पुष्टि की है। हालांकि अभी तक इस हादसे पर प्लांट प्रबंधन की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी है। भिलाई स्टील प्लांट के ब्लॉस्ट फर्नेस 6 में कैपिटल रिपेयर का काम चल रहा था। इस दौरान इसको चालू करने से पहले ही फर्नेश का स्टोव गर्म हो गया। उसके बाद स्टोव नंबर 11 में गैस रिसाव होने लगा। इस गैस रिसाव की चपेट में वहां मौजूद मोहम्मद मेराज खान, हरिचरण और मोहनलाल गुप्ता आ गए। इन बीमार मजदूरों को तुरंत प्राथमिक उपचार दिया गया, उसके बाद मजदूरों को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड(सेल) के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सीआईएसएफ की महिला बटालियन के गठन को मंजूरी

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि सरकार ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की पहली महिला बटालियन के गठन को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि यह महिला बटालियन हवाईअड्डों और मेट्रो रेल जैसी देश की महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेंगी और कमांडो के रूप में वीआईपी को सुरक्षा प्रदान करेगी।

गृह मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्र निर्माण के हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने को साकार करने की दिशा में मजबूत कदम उठाते हुए मोदी सरकार ने सीआईएसएफ की पहली महिला बटालियन की स्थापना को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि एक विशिष्ट सैन्य टुकड़ी के रूप में गठित की जाने वाली महिला बटालियन देश के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे, जैसे हवाई अड्डों और मेट्रो रेल की सुरक्षा और कमांडो के रूप में वीआईपी सुरक्षा प्रदान करने की जिम्मेदारी संभालेगी। शाह ने कहा कि यह निर्णय निश्चित रूप से राष्ट्र की रक्षा के महत्वपूर्ण कार्य में भाग लेने की और अधिक महिलाओं की आकांक्षाओं को पूरा करेगा।

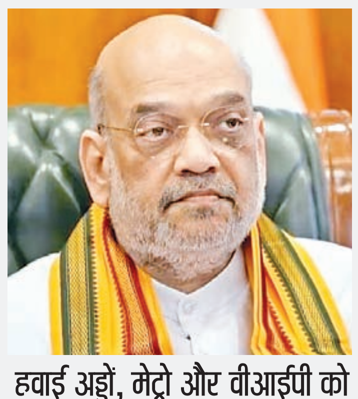

हवाई अड्डों, मेट्रो और वीआईपी को सुरक्षा प्रदान करेगी : अमित शाह

सीआईएसएफ महिलाओं के लिए पसंदीदा विकल्प

गृह मंत्रालय के अनुसार केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल उन महिलाओं के लिए पसंदीदा विकल्प रहा है, जो केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में देश की सेवा करना चाहती हैं। वर्तमान में बल में महिलाओं की संख्या 7 प्रतिशत से अधिक है। महिला बटालियन के जुड़ने से देश की अधिक महत्वाकांक्षी युवा महिलाओं को सीआईएसएफ में शामिल होने और देश की सेवा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे सीआईएसएफ में महिलाओं को एक नई पहचान मिलेगी। सीआईएसएफ मुख्यालय ने नई बटालियन के मुख्यालय के लिए शीघ्र भर्ती, प्रशिक्षण और स्थान के चयन की तैयारी शुरू कर दी है।

कल से उत्तर प्रदेश में जनजाति भागीदारी उत्सव

लखनऊ । योगी सरकार ने 15 से 20 नवंबर तक अंतरराष्ट्रीय जनजाति भागीदारी उत्सव मनाने का फैसला किया है। बिरसा मुंडा की जयंती (जनजातीय गौरव दिवस) पर उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी में मेजबान राज्य समेत देश-विदेश के विभिन्न कलाकार अपनी-अपनी लोक संस्कृतियों की छटा बिखेरेंगे। उत्तर प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने बुधवार को बताया कि उद्घाटन समारोह के उपरांत 11 बजे से सांस्कृतिक समागम शोभायात्रा भी निकलेगी, जिसमें अनेक राज्यों के कलाकार शामिल होंगे। प्रतिदिन शाम पांच बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। आयोजन का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इस दौरान उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी में मेजबान राज्य समेत देश-विदेश की लोक संस्कृति उतरेगी। इसमें स्लोवाकिया और वियतनाम के लोक कलाकारों द्वारा भी कार्यक्रम प्रस्तुत होगा।

बटेंगे तो कटेंगे का नारा देकर जनता को किया जा रहा गुमराह: खरगे

मुंबई। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने महाराष्ट्र के लातूर जिले में बुधवार को चुनाव जनसभा में कहा कि पार्टी के तीन नेताओं ने देश की एकता और अखंडता के लिए बलिदान दिया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर हमला बोलते हुए कहा कि देश एक है और अक्षुण्ण है फिर भी बटेंगे तो कटेंगे का नारा देकर देश की जनता को गुमराह किया जा रहा है। खरगे ने महाविकास आघाड़ी के उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित जनसभा में भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि इन लोगों का देश की लड़ाई में दूर-दूर तक कोई योगदान नहीं है। इन लोगों ने भारतीय संविधान का सम्मान कभी नहीं किया। इन लोगों ने अब देश में झूठ परोसना शुरू कर दिया है और बटेंगे तो कटेंगे का नारा देना शुरू कर दिया है।

रत्नागिरी जिले में अवैध रूप से रह रहे 13 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

मुंबई। रत्नागिरी जिले के नखरे कालाकोंड तहसील के चिरेखानी इलाके में अवैध रूप से रह रहे 13 बांग्लादेशी घुसपैठियों को स्थानीय पुलिस के सहयोग से एंटी टेररिस्ट स्कॉड (एटीएस) की टीम ने गिरफ्तार किया है। ये सभी पिछले छह महीने से नखरे इलाके में रह रहे थे। छानबीन में पता चला है कि यह सभी जून 2024 से बिना वैध दस्तावेजों के चिरेखानी में रह रहे थे। गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान वाहिद रियाज सरदार (35), रिजुल हुसैन करिकर (50), शरीफुल हौजिर सरदार (28), फारूक मुहम्मद जहीर अली मुल्ला (50), हामिद मुस्तफा मुल्ला (45), राजू अहमद हजरतली शेख (31), बाकिबिल्लाह अमीर हुसैन सरदार (39), सईदुर रहमान मुबारक अली (34), आलमगीर हुसैन हीरा पुत्र अब्दुल कादर दलाल (34), मोहम्मद शाहीन सरदार पुत्र समद सरदार (32), मोहम्मद नुरुजमान मोरोल पुत्र विलायत अली (38), मोहम्मद नूरहसन सरदार पुत्र मोहम्मद जाहर सरदार (45) और किताब अली (37) के बेटे मोहम्मद लालू मंडल के रूप में की गई है।

गौतम गंभीर की प्रतिक्रिया पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है, और कहा है कि वह गंभीर की प्रतिक्रिया से हैरान नहीं हैं, उन्होंने उन्हें "उग्र स्वभाव का व्यक्ति" कहा है।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग
वह काफी उग्र स्वभाव के हैं, इसलिए मुझे आश्चर्य नहीं हुआ कि उन्होंने ही कुछ कहा।

गंभीर की प्रतिक्रिया से हैरान नहीं हैं रिकी पोंटिंग

एजेंसी

मैंने कहा था कि मैं (उनके फॉर्म को लेकर) चिंतित रहूंगा। लेकिन मुझे लगता है कि अगर आप विराट से पूछेंगे, तो मुझे यकीन है कि विराट थोड़ा चिंतित होंगे कि वह पिछले सालों की तरह शतक नहीं बना पाए हैं।

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने बॉर्डर-गावस्कर सीरीज से पहले विराट कोहली के फॉर्म के बारे में उनकी टिप्पणियों पर भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर की प्रतिक्रिया पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है, और कहा है कि वह गंभीर की प्रतिक्रिया से हैरान नहीं हैं, उन्होंने उन्हें "उग्र स्वभाव का व्यक्ति" कहा है। पिछले सप्ताह आईसीसी रिव्यू के एपिसोड के दौरान, पोंटिंग ने कोहली के फॉर्म पर चिंता जताते हुए कहा था, "मैंने दूसरे दिन विराट के बारे में एक आंकड़ा देखा, जिसमें कहा गया था कि उन्होंने पिछले पांच वर्षों में केवल दो (तीन) टेस्ट शतक बनाए हैं। यह मुझे सही नहीं लगा, लेकिन अगर यह सही है, तो यह चिंता का विषय है। प्रस्थान से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पोंटिंग की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर गंभीर ने पलटवार करते हुए कहा, "रिकी पोंटिंग का भारतीय क्रिकेट से क्या लेना-देना है? उन्हें ऑस्ट्रेलिया के बारे में बात करनी चाहिए। पोंटिंग ने कहा, "मैंने कहा था कि मैं (उनके फॉर्म को लेकर) चिंतित रहूंगा। लेकिन मुझे लगता है कि अगर आप विराट से पूछेंगे, तो मुझे यकीन है कि विराट थोड़ा चिंतित होंगे कि वह पिछले सालों की तरह शतक नहीं बना पाए हैं।" उन्होंने कहा, "यह किसी भी तरह से उन पर कटाक्ष नहीं था। मैंने वास्तव में यह कहकर इसका अनुसरण किया कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में अच्छा खेला है और वह यहां वापसी करने के लिए उत्सुक होंगे। इसलिए, यह आश्चर्यजनक है कि कैसे छोटी-छोटी चीजें कट जाती हैं, लेकिन वह एक क्लास खिलाड़ी हैं और उन्होंने अतीत में ऑस्ट्रेलिया में अच्छा खेला है। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने आगे कहा कि वह अपनी टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया से थोड़ा हैरान थे, लेकिन गंभीर से ऐसी ही उम्मीद की जा सकती थी। पोंटिंग ने कहा, "मैं प्रतिक्रिया पढ़कर हैरान था, लेकिन कोच गौतम गंभीर को जानता हूं... वह काफी उग्र स्वभाव के हैं, इसलिए मुझे आश्चर्य नहीं हुआ कि उन्होंने ही कुछ कहा।

स्टीव स्मिथ की 'अच्छी खेल योजनाओं' को तोड़ने के तरीके खोज लिए हैं : आर अश्विन

नई दिल्ली। अनुभवी भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में स्टीव स्मिथ के खिलाफ़

कई मुकाबलों में उनकी "अच्छी खेल योजनाओं" को तोड़ने के तरीके खोज लिए हैं। उन्होंने कहा कि आईपीएल में उनके समय के दौरान नेट सेशन ने उन्हें ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ के खिलाफ़ तैयारी करने के तरीके के बारे में भी जानकारी दी। 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली आगामी बॉर्डर-गावस्कर सीरीज़ में दोनों दिग्गज अपनी प्रतिद्वंद्विता को फिर से जगाने के लिए तैयार हैं। यह जोड़ी 2013 से टेस्ट क्षेत्र में प्रतिद्वंद्वी रही है, जिसमें संघर्षरत स्मिथ को 2020-21 सीरीज़ की शुरुआत में अश्विन ने दो बार आउट किया था। जब ऑस्ट्रेलिया ने 2023 में भारत का दौरा किया, तो स्मिथ दो बार अश्विन और तीन बार रवींद्र जडेजा के हाथों आउट हुए। अश्विन ने 7क्रिकेट को दिए एक इंटरव्यू में कहा, "स्टीव स्मिथ स्पिन के खिलाफ़ एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उनके पास अपनी अनूठी तकनीक है, यहां तक कि तेज़ गेंदबाज़ी के खिलाफ़ भी। लेकिन स्पिन के साथ, मुझे लगता है कि वह बेहतरीन गेम प्लान, बेहतरीन तैयारी के साथ आए थे और हाँ, वह इसे अंजाम देते थे। और पिछले कुछ सालों में मैंने इसे तोड़ने के तरीके और साधन खोज लिए हैं। दिल्ली कैपिटल्स में उनका समय, राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स में उनका समय, ये सभी नेट सेशन जो मैंने उन्हें अपने काम के बारे में करते हुए देखे हैं, उनसे मुझे वास्तव में यह समझ में आया कि वह कैसे तैयारी करते हैं और उन्हें क्या पसंद है और क्या नहीं। अश्विन ने कहा,"वह बहुत ही सोच-समझकर खेलने वाले क्रिकेटर हैं। वह हर समय आप पर हावी होना चाहते हैं। लेकिन उनके पास अभ्यास करने के बहुत ही अनोखे तरीके हैं और बीच में आपके साथ लड़ने के अनोखे तरीके हैं।

कप्तान गुरप्रीत ने 'पीढ़ी में एक बार आने वाले खिलाड़ी' संदेश झिंगन की राष्ट्रीय टीम में वापसी की सराहना की

एजेंसी

नई दिल्ली। जनवरी से चोट के कारण बाहर चल रहे भारत के डिफेंसिव दिग्गज संदेश झिंगन को मलेशिया के खिलाफ

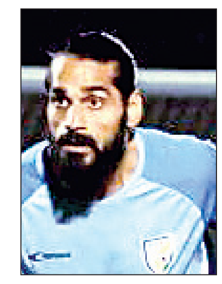

मैत्री मैच के लिए 26 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया है। कप्तान गुरप्रीत सिंह संधू ने उनकी वापसी की सराहना की है और उनकी मौजूदगी की तुलना सुनील छेत्री से की है। गुरप्रीत ने आईएएनएस को वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया, "व्यक्तिगत रूप से मैं (झिंगन की वापसी से) बहुत खुश हूं क्योंकि मेरे पास अमरिंदर (सिंह) के अलावा कोई और है जिससे मैं बात कर सकता हूं क्योंकि जैसा कि आप जानते हैं कि टीम काफी युवा है और मैं उम्र के मामले में दूसरे नंबर पर हूं। इसलिए उनके जैसा कोई व्यक्ति होना जिससे मैं ड्रेसिंग रूम में बात कर सकूं, मुझे बहुत खुशी देता है। उन्होंने कहा, ''मैं संदेश की वापसी के लिए भी बहुत आभारी हूं क्योंकि जाहिर तौर पर वह अपने क्लब और राष्ट्रीय टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण स्तंभ है। मैं बस यही उम्मीद करता हूं कि वह खुद को स्वस्थ रखे और भारतीय फुटबॉल की मदद करे जैसा कि उसने पहले किया है। वह बहुत अच्छे डिफेंडर हैं और सुनील (छेत्री) भाई की तरह, वह एक पीढ़ी के खिलाड़ी हैं। झिंगन को सीरिया के खिलाफ भारत के एएफसी एशियाई कप मैच के पहले हाफ के दौरान घुटने में चोट लग गई थी और उन्हें फीफा डब्ल्यूसी क्वालीफायर और 2023/24 आईएसएल अभियान के अंत के साथ-साथ बाकी प्रतियोगिता से बाहर होना पड़ा, जिसमें गोवा तीसरे स्थान पर रहा, आईएसएल शील्ड विजेता मोहन बागान सुपर जायंट्स से सिर्फ तीन अंक पीछे। 31 वर्षीय सेंटर बैक ने एक्शन में वापसी की और वह बेंगलुरु एफसी पर 3-0 की जीत में पूरे 90 मिनट खेले, जो बाद की सीजन की पहली लीग हार थी, और पंजाब एफसी पर 2-1 से जीत दर्ज की, जिसके कारण उन्हें 18 नवंबर को मलेशिया के खिलाफ मैच के लिए प्रशिक्षण शिविर में बुलाया गया। हैदराबाद के गाचीबावली स्टेडियम में मलेशिया के खिलाफ दोस्ताना मैच भारतीय फुटबॉल के लिए निराशाजनक वर्ष का पर्दा होगा।

एटीपी फाइनल्स

सिनर ने फ्रिट्ज को हराया

एजेंसी

ट्यूरिन। विश्व के नंबर 1 जानिक सिनर की एटीपी फाइनल्स ट्रॉफी के साथ अपने शानदार

सत्र का समापन करने की तलाश जारी रही, क्योंकि शीर्ष वरीय खिलाड़ी ने टेलर फ्रिट्ज़ पर 6-4, 6-4 से जीत दर्ज की, जिससे इली नास्तासे ग्रुप में उनकी 2-0 की बढ़त हो गई। फ्रिट्ज़ ने प्रतियोगिता के शुरुआती चरणों में सिनर को कड़ी टक्कर दी। हालांकि, इतालवी ने एक घंटे, 40 मिनट की जीत दर्ज करने के लिए आवश्यक होने पर अपना खेल का स्तर बढ़ाया, जिससे जोड़ी की एटीपी हेड-टू-हेड सीरीज़ में 3-1 का सुधार हुआ। सिनर, जो 2024 के अपने आठवें टूर-लीडिंग खिताब की तलाश में हैं, अब एक भी सेट नहीं हारने के कारण ग्रुप से आगे बढ़ने की प्रबल दावेदारी में हैं। वह गुरुवार को चौथी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव से भिड़ने पर इली नास्तासे ग्रुप में अपने 2-0 के शानदार रिकॉर्ड को आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे। फ़िट्ज़, जो 1-1 पर हैं, का लक्ष्य दूसरी बार (2022) सेमीफ़ाइनल में पहुंचने के अपने प्रयास में एलेक्स डी मिनौर के खिलाफ़ एक महत्वपूर्ण जीत हासिल करना है। सिनर पिछले साल ट्यूरिन में फ़ाइनल में पहुंचे थे। बारह महीने बाद इटालियन एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 खिलाड़ी के रूप में लौटे, 2024 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और यूएस ओपन में मेजर जीते। युगल में, पूर्व चैंपियन वेस्ले कूलहॉफ़ और निकोला मेकटिक की जोड़ी ने प्रतिष्ठित सीज़न के फाइनल्स में शुरुआती हार से वापसी करते हुए दूसरे वरीय मार्सेल ग्रैनोलर्स और होरासियो ज़ेबालोस को 4-6, 7-6(6), 10-8 से हराकर मैच पॉइंट बचाया।

आईपीएल 2025 से पहले पार्थिव पटेल गुजरात टाइटन्स के सहायक और बल्लेबाजी कोच बने

अहमदाबाद। पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज

पार्थिव पटेल को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 से पहले गुजरात टाइटन्स (जीटी) का नया सहायक और बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया है। फ्रेंचाइजी की ओर से एक बयान में कहा गया, "गुजरात टाइटन्स को पार्थिव पटेल को अपना नया सहायक और बल्लेबाजी कोच नियुक्त करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में 17 साल के शानदार करियर के साथ, पार्थिव टीम में अनुभव और ज्ञान का खजाना लेकर आए हैं। आईपीएल में पार्थिव की यात्रा 2008 में शुरू हुई, जब उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ अपनी शुरुआत की। पिछले कुछ वर्षों में, वह लीग के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक बन गए हैं, जिन्होंने 139 मैचों में भाग लिया और 22.60 की औसत से 2,848 रन बनाए। बल्ले से उनकी निरंतरता में 13 अर्धशतक शामिल हैं।

शाहीन वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में फिर बने नंबर 1

एजेंसी

दुबई। पाकिस्तान के प्रमुख तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने आईसीसी पुरुष वनडे गेंदबाज रैंकिंग में नंबर 1 स्थान हासिल कर लिया है, यह स्थान उन्होंने पिछले साल भारत में हुए क्रिकेट विश्व कप के दौरान हासिल किया था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पाकिस्तान की विजयी श्रृंखला में अफरीदी के हालिया प्रदर्शन ने उन्हें एक बार फिर शीर्ष स्थान पर पहुंचने में मदद की, जहां उन्होंने तीन मैचों में 12.62 के प्रभावशाली औसत से आठ विकेट लिए। अफरीदी की यह बढ़त रैंकिंग में फेरबदल के हिस्से के रूप में आई है, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं और अफगानिस्तान के राशिद खान दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। अफरीदी का मैदान पर दबदबा, पाकिस्तान

के कप्तान बाबर आजम के वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में अग्रणी स्थान के साथ मिलकर पाकिस्तान को एकमात्र टीम बनाता है जिसके पास वनडे बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में नंबर 1 रैंक वाला खिलाड़ी है। बाबर, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ सिर्फ़ एक आउट के साथ 80 रन बनाए, शीर्ष बल्लेबाज़ रैंकिंग पर बने हुए हैं। अफ़रीदी अकेले पाकिस्तानी गेंदबाज़ नहीं थे, जिन्होंने तरक्की की। हारिस राउफ़ ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ 10 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ के प्रदर्शन के बाद अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें स्थान पर पहुंचकर रैंकिंग में तरक्की की। नसीम शाह ने भी अपने करियर की नई ऊंचाई हासिल की, वे 14 पायदान चढ़कर 55वें स्थान पर पहुंच गए। इसके अलावा, पाकिस्तान के नए वनडे कप्तान मोहम्मद रिज़वान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ सीरीज़ के बाद बल्लेबाज़ी चार्ट में 23वें स्थान पर पहुंच गए। इस बीच, बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो 11 पायदान चढ़कर वनडे बल्लेबाज़ों में 23वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि अफ़गानिस्तान के अज़मतुल्लाह उमरज़ई अपनी स्थिति में सुधार करते हुए 31वें स्थान पर पहुंच गए। वनडे गेंदबाज़ी के मोर्चे पर, वेस्टइंडीज़ के गुडाकेश मोती और बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज ने बढ़त हासिल की, जिसमें मेहदी नौ पायदान चढ़कर 23वें स्थान पर पहुंच गए।

टी20 रैंकिंग में, इंग्लैंड के फिल साल्ट और जोस बटलर वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजों में क्रमशः दूसरे और छठे स्थान पर पहुंच गए। दक्षिण अफ्रीका के रीजा हेंड्रिक्स और ट्रिस्टन स्टब्स ने भारत के साथ अपनी मौजूदा श्रृंखला के दौरान टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में उल्लेखनीय लाभ अर्जित किया, स्टब्स 12 पायदान ऊपर चढ़कर 26वें स्थान पर पहुंच गए। ी20 में गेंदबाजी रैंकिंग में भी बदलाव देखा गया, जिसमें श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा इंग्लैंड के आदिल राशिद के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए। वेस्टइंडीज के अकील होसेन और भारत के रवि बिश्नोई क्रमशः तीसरे और सातवें स्थान पर पहुंच गए।

व्यापार/लाइफ व साइंस

रैपिडो को वित्त वर्ष 2024 में 371 करोड़ रुपये का घाटा

नई दिल्ली। घरेलू राइड-शेयरिंग प्लेटफॉर्म 'रैपिडो' ने वित्त वर्ष 2014 में 371 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज

किया। जबकि, वित्त वर्ष 2023 में कंपनी को 675 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। नियंत्रित व्यय ने कंपनी को वित्त वर्ष 2023 में 675 करोड़ रुपये से वित्त वर्ष 2024 में घाटे में लगभग 45 प्रतिशत की कटौती करने में मदद की क्योंकि नियोजित पूंजी पर रिटर्न (आरओसीई) और ईबीआईटीडीए मार्जिन क्रमशः -90.7 प्रतिशत और -52.5 प्रतिशत रहा। अपने वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, स्विगी समर्थित प्लेटफॉर्म ने पिछले वित्त वर्ष में 1 रुपये कमाने के लिए 1.65 रुपये खर्च किए। वित्त वर्ष 2023 में 443 करोड़ रुपये के मुकाबले वित्त वर्ष 2024 में इसका परिचालन राजस्व लगभग 46 प्रतिशत बढ़कर 648 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी की परिवहन सेवाओं ने परिचालन राजस्व का 55.9 प्रतिशत बनाया, जो वित्त वर्ष 24 में 48.4 प्रतिशत बढ़कर 362 करोड़ रुपये हो गया। रैपिडो ने कर्मचारियों की लागत में 16.9 प्रतिशत की कटौती कर 172 करोड़ रुपये कर दिए।

त्योहारी सीजन में मर्सिडीज-बेंज इंडिया की गाड़ियों की हुई जबरदस्त बिक्री

नई दिल्ली। मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक संतोष अय्यर ने कहा कि तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में लग्जरी कारों की बढ़ती मांग के कारण कंपनी की बिक्री में इस साल दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की जाएगी। मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने अब एफ1 हाइब्रिड तकनीक से लैस अपना नया 'एएमजी सी 63 एस ई परफॉरमेंस' मॉडल लॉन्च किया है, जिसकी कीमत 1.95 करोड़ रुपये है। यह इस साल कंपनी का 14वां प्रोडक्ट लॉन्च है, जिसका उद्देश्य 1.5 करोड़ रुपये से अधिक कीमत वाले अपने हाई-एंड वाहनों की बिक्री को बढ़ाना है।

सार्वजनिक सेवाओं के लिए धन का डिजिटल हस्तांतरण 56 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी

जयपुर। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा ने बुधवार को जानकारी दी कि भारत में सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच के लिए डेली ई-ट्रांजैक्शन की औसत संख्या 2024 में पिछले वर्ष की तुलना में 56 प्रतिशत बढ़ गई है। इसके अलावा, 314 योजनाओं के तहत प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के जरिए से 6.9 लाख करोड़ रुपये का हस्तांतरण हुआ है, जिससे वित्त वर्ष 2023-24 में 176 करोड़ लाभार्थियों को लाभ हुआ है। 'भारत में डिजिटल टेक्नोलॉजी, उत्पादकता और आर्थिक विकास' पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए पात्रा ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में डीबीटी के परिणामस्वरूप मार्च 2023 तक 3.5 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित संचयी लागत बचत हुई है। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर ने आगे कहा कि भारत अपने डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (डीपीआई), एक बेहतर सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेक्टर और एआई टैलेंट को लेकर युवा आबादी के साथ नए विकास के रास्ते खोलने के लिए बेहतर स्थिति में है। पूवार्नुमान बताते हैं कि जनरेटिव एआई 2029-30 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 359-438 बिलियन डॉलर का योगदान देगा। भारतीय फर्मों द्वारा उत्पादन प्रक्रियाओं में एआई का इंटीग्रेशन 2023 में 8 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 25 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि भारत ने अपनी सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के विकास के लिए 1.25 ट्रिलियन रुपये का निवेश किया है।

वित्तीय समावेशन का विस्तार

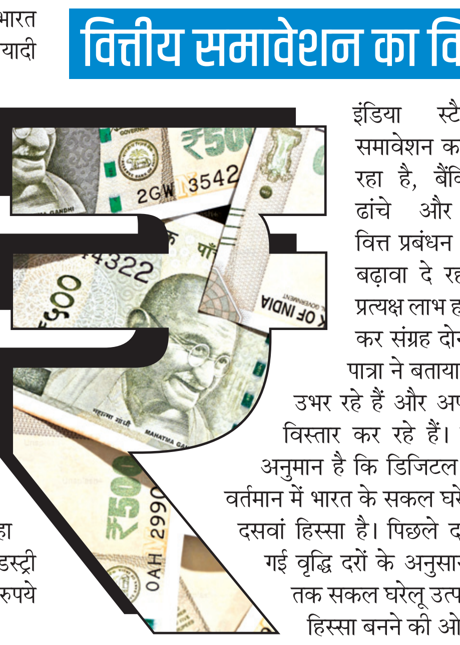

इंडिया स्टैक वित्तीय समावेशन का विस्तार कर रहा है, बैंकिंग बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणालियों को बढ़ावा दे रहा है, जिसमें प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और कर संग्रह दोनों शामिल हैं। पात्रा ने बताया कि ई-बाजार उभर रहे हैं और अपनी पहुंच का विस्तार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अनुमान है कि डिजिटल अर्थव्यवस्था वर्तमान में भारत के सकल घरेलू उत्पाद का दसवां हिस्सा है। पिछले दशक में देखी गई वृद्धि दरों के अनुसार, यह 2026 तक सकल घरेलू उत्पाद का पांचवां हिस्सा बनने की ओर अग्रसर है।

सेंसेक्स 984 अंक गिरा, निवेशकों के छह लाख करोड़ रुपये डूबे

एजेंसी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए बुधवार का कारोबारी सत्र नुकसान वाला रहा। बाजार में चौतरफा गिरावट देखी गई। भारी बिकवाली के कारण निफ्टी और सेंसेक्स दोनों पांच महीने के निचले स्तरों पर पहुंच गए। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 984 अंक या 1.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,690 और निफ्टी 324 अंक या 1.36 प्रतिशत 23,559 पर था। गिरावट के कारण बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का मार्केट कैप करीब 6 लाख करोड़ रुपये कम होकर 430 लाख करोड़ रुपये रह गया है, जो कि कल 436 लाख करोड़ रुपये था। बिकवाली का सबसे अधिक दबाव मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर पर देखा गया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,456 अंक या 2.64 प्रतिशत गिरकर 53,800 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 532 अंक या 2.96 प्रतिशत गिरकर 17,458 पर था। एनएसई के करीब सभी इंडेक्स

लाल निशान में बंद हुए। रिल्यटी, इन्फ्रा, ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक, मेटल, और पीएसई में सबसे ज्यादा गिरावट थी। सेंसेक्स के 30 में से 27 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

एमएंडएम, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, इंडसइंड बैंक, कोटक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एसबीआई, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एलएंडडी टॉप लूजर्स थे। एनटीपीसी, टाटा मोटर्स और इन्फोसिस गेनर्स थे। पीएल कैपिटल-प्रभुदास लीलाधर के एडवाजरी -प्रमुख, विक्रम कसाट का कहना है कि आज लागातार पांचवा दिन है, जब भारतीय शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली है।

सोना 1,470 रुपये गिरा, चांदी में भी 2 हजार की गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सराफा बाजार में बुधवार को लगातार 5वें दिन गिरावट का रुख बना हुआ है। आज सोना 1,350 रुपये से लेकर 1,470 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 2 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 77,430 रुपये से लेकर 77,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 70,990 रुपये से लेकर 70,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। सोने की तरह चांदी के भाव में भी कमजोरी आने की वजह

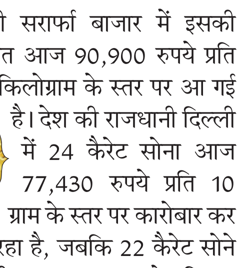

से दिल्ली सराफा बाजार में इसकी कीमत आज 90,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 70,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

2030 तक 500 गीगावाट हरित ऊर्जा का लक्ष्य

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने बुधवार को कहा कि मंत्रालय 14-15 नवंबर को भुवनेश्वर में दो दिवसीय 'चिंतन शिविर' आयोजित करने जा रहा है। यह दो दिवसीय चिंतन शिविर 2030 तक 500 गीगावाट और 2047 तक 1800 गीगावाट हरित ऊर्जा के अगले लक्ष्य की ओर रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करने को लेकर महत्वपूर्ण होगा। इस कार्यक्रम का केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी आईटीसी भुवनेश्वर में उद्घाटन करेंगे।

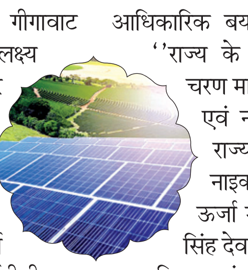

आधिकारिक बयान के अनुसार, ''राज्य के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाइक, ओडिशा के ऊर्जा मंत्री कनक वर्धन सिंह देव और एमएनआरई सचिव प्रशांत कुमार सिंह भी कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

प्रथम चरण संपन्न, जीत के अपने-अपने दावे

दो तिहाई से ज्यादा सीटें जीतेगा एनडीए : प्रतुल शाहदेव

- *भाजपा प्रवक्ता ने कहा, पूरे राज्य में दिखी परिवर्तन की लहर*
- *कहा, अपनी सुनिश्चित हार से परेशान है ठगबंधन*

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने बुधवार को कहा कि पहले चरण के 43 विस सीटों में एनडीए दो तिहाई से ज्यादा सीटों पर बड़ी जीत हासिल करेगा। प्रतुल ने कहा कि इस चुनाव के दौरान पूरे क्षेत्र में जनता में उत्साह था। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक लोग परिवर्तन के नाम पर वोट देते दिखे। उन्होंने ये बातें यहां मारू टावर स्थित मीडिया सेंटर में प्रेस वार्ता के दौरान कहीं।

प्रतुल ने कहा कि दरसल झारखंड की जनता झारखंड के इतिहास की सबसे भ्रष्ट हेमंत सरकार से मुक्ति चाहती थी। हेमंत सरकार के कार्यकाल में रिकॉर्ड घपले-घोटाले हुए और पूरी की पूरी कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई। कहा कि जिस तरीके के रुझान मिल रहे हैं, उससे यह स्पष्ट है कि झामुमो अपनी अनेक परंपरागत सीटों पर भी हारने की ओर अग्रसर है। अभी तक मिली जानकारी के अनुसार पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में इस बार वोटों का प्रतिशत बढ़ने की प्रबल संभावना है। यह परिवर्तन का सूचक है।

प्रतुल शाहदेव ने कहा कि रांची और हटिया के गठबंधन प्रत्याशियों के खिलाफ शिकायतें मिली थीं कि वे मतदान केंद्र के भीतर भी मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे थे। इसकी शिकायत भी चुनाव आयोग में की गई। हुसैनाबाद का एक पुलिस अधिकारी राजद के प्रत्याशी के पक्ष में कार्य कर रहा था। ऐसी सूचनाएं हैं कि अनेक जगहों पर भी राज्य सरकार ने अपने अधिकारियों के जरिए चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की है। जैसे-जैसे सूचना आ रही है, वैसे-वैसे चुनाव आयोग में शिकायत की जा रही है। अधिकारियों को टूल किट बनाना ठगबंधन की हार की बौखलाहट को साफ दर्शाता है। प्रतुल ने कहा कि भाजपा चुनाव आयोग, सुरक्षा कर्मी, पुलिस प्रशासन का शांतिपूर्वक मतदान कराने के लिए साधुवाद करती है। चुनाव आयोग ने बहुत ही बेहतर व्यवस्था में चुनाव कराया। कई अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र में भी अभी तक किसी अप्रिय घटना की जानकारी नहीं है, जो अत्यंत प्रशंसनीय है। बूथों में भी बेहतर व्यवस्था देखने को मिली। प्रतुल शाहदेव ने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेतागण पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय राज्य मंत्री संजय सेठ समेत तमाम वरिष्ठ नेताओं ने भी मतदान कर इस परिवर्तन की लहर में अपनी भागीदारी निभाई। प्रेस वार्ता में तारिक इमरान भी उपस्थित थे।

इंडी गठबंधन दोबारा सरकार बनाएगी : सुप्रियो भट्टाचार्य

- *स्पष्ट जनादेश एवं जनता का आशीर्वाद हेमंत सोरेन के पक्ष में है*
- *हम अपने सभी संकल्पित निर्णयों को क्रियान्वित करेंगे*

रांची (हि.स.)। झारखंड में इंडी गठबंधन दोबारा सरकार बनाएगी। यह बात बुधवार को झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कही। उन्होंने कहा कि छठे झारखंड विधानसभा के गठन के लिए बुधवार को प्रथम चरण के 43 सीटों पर झारखंड के मूलवासी ने स्पष्ट जनादेश एवं आशीर्वाद देकर यह स्पष्ट कर दिया है कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में दोबारा दो तिहाई बहुमत के साथ झामुमो, राजद, कांग्रेस, माले सरकार बनाएगी।

सुप्रियो ने कहा कि हम अपने सभी संकल्पित निर्णयों को क्रियान्वित करेंगे। खास कर रांची, हटिया, जमशेदपुर, आदित्यपुर, चाईबासा, खूंटी, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, चतरा, चांडिल, मानगो, जुगसलाई, घाटशिला, चाकुलिया एवं बहरागोड़ा के प्रबुद्ध मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। क्योंकि, यह पहला मौका है, जब इस मिथक को गलत ठहरा दिया गया है कि झामुमो को शहर के लोग पसंद नहीं करते हैं। झामुमो पूरे झारखंड, राज्य के गांव-टोलों से लेकर शहर के मुहल्ले एवं गलियों में समान रूप से लोगों के नित्य जीवन में जरूरी है और समाज का सबसे विश्वसनीय आवाज है। सुप्रियो ने कहा, आइए हम सब मिल कर इसी तरह आगामी 20 नवंबर को सुबह के 7 बजे से पंक्तिबद्ध होकर मतदान करें और झारखंड विरोधी एनडीए को इस राज्य से सदा के लिए विदा करें।

न्यूज | बॉक्स

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने किया मतदान

रांची। राजधानी रांची के डोरंडा स्थित मॉडल उच्च विद्यालय में बूथ संख्या 374 पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने अपनी पत्नी आर जगथा के साथ मतदान किया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने शहरी क्षेत्र के मतदाताओं से अपील की कि वे मतदान के प्रति उदासीनता को दूर करते हुए अवश्य वोट दें। कहा कि यह मताधिकार आपका केवल अधिकार ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति आपका कर्तव्य भी है।

वृद्ध महिला ने लगाया आरोप, कमल पर नहीं देने दिया गया वोट

रांची। एक वृद्ध महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वृद्धा वीडियो में बोल रही हैं कि वह कमल में देना चाहती थीं, लेकिन उनका वोट कांग्रेस में दिला दिया गया। वृद्धा वायरल वीडियों में बोल रही हैं, मैं कमल में वोट देना चाहती थी, लेकिन जो महिला सहारा देने के नाम मुझे पकड़ के ले गई, उसने दूसरे में वोट दिला दिया। उसने खुद कांग्रेस को वोट दिया और हमको भी कांग्रेस में दिला दी। हमको कमल में वोट नहीं देने दी। इस वीडियो की पुष्टि राष्ट्रीय नवीन मेल अखबार नहीं करता है।

आज योगी आदित्यनाथ की धनबाद बोकारो और बेरमो में जनसभा

रांची। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ धनबाद, बोकारो और बेरमो में गुरुवार (14 नवंबर) को जनसभा करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 14 नवंबर को दिन में 11:30 बजे धनबाद जिले के निरसा नयाडांगा काली मंदिर मैदान में जनसभा करेंगे। वे बोकारो के सेक्टर-5 स्थित लाइब्रेरी ग्राउंड में दिन में 12:30 बजे से जनसभा करेंगे। वहीं, बेरमो स्थित कारगिल फुटबॉल मैदान में दिन में 2:00 बजे से जनसभा को संबोधित करेंगे।

जिन्होंने लड़ा विस अध्यक्ष का केस, उनकी पत्नी का ही नाम वोटर लिस्ट से गायब

रांची। हटिया विधानसभा क्षेत्र की वोटर नीता लाल जब अपने मताधिकार का प्रयोग करने बूथ पर पहुंचीं, तो उन्हें पता चला कि उनका नाम वोटर लिस्ट से काट दिया गया है। हालांकि, उनके पास वोटर कार्ड है। नीता लाल हाई कोर्ट के अधिवक्ता अरविंद लाल की पत्नी है। पिछले दिनों उन्होंने झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो का केस लड़ा था, और जीता भी था। अरविंद लाल ने बताया कि इस मामले कि शिकायत करने के लिए उन्होंने जब रांची डीसी को फोन किया, तो डीसी ने कहा कि अभी इस पर कुछ नहीं कर सकते हैं। वोटर लिस्ट से नाम कब गायब हो गया, इसकी जानकारी उन्हें नहीं दी गई। ऐसा ही एक और मामला सामने आया है कि फ्रेंड कॉलोनी के कालीचरण सिंह का नाम मृत बता कर काट दिया गया है, जबकि वे जीवीत हैं। एक और कालीचण नाम के व्यक्ति हैं, जिनकी मृत्यु हो चुकी है। यहां पर लापरवाही बरती गई है। जीवित कालीचरण को मृत और मृत कालीचरण को जीवित बताया गया है। इन्हीं मामलो के बीच एक और मामला सामने आया है, जो हटिया विधानसभा क्षेत्र का है। हटिया विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 382 में मुनिनाथ यादव ने बताया कि वोटर लिस्ट में नाम नहीं है। जबकि, वर्ष 2019 के चुनाव में उन्होंने ने वोट दिया था। उस समय वोटर लिस्ट में उनका नाम था, लेकिन वर्ष 2024 के चुनाव में वोटर लिस्ट में नाम नहीं है।

हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन ने किया मतदान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची के हटिया विधानसभा क्षेत्र के संत फ्रांसिस स्कूल, हरमू में राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पत्नी कल्पना सोरेन के साथ मतदान के लिए पहुंचे। उन्होंने संत फ्रांसिस स्कूल हरमू के बूथ संख्या 290 पर मतदान किया। इसके अलावा, पार्टी के कई लोग हेमंत सोरेन के साथ पहुंचे थे। हालांकि, इससे पहले ही हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया एक्स पर लोगों से मतदान करने की अपील की। मतदान के बाद मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पूरे झारखंड में उत्साह का माहौल है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए सभी को मतदान करना चाहिए। मतदान हमारा अधिकार है। झारखंड में आई एनडीआईए (इंडिया) की स्थिति मजबूत है। गठबंधन का परचम लहरेगा।

विधानसभा चुनाव में नक्सली डर पर भारी पड़ा लोकतंत्र के पर्व का उत्साह

नवीन मेल संवाददाता

रांची। विधानसभा चुनाव में राज्य के अति नक्सल प्रभावित माने जाने वाले क्षेत्रों में पूर्व के भय और दहशत पर मतदाताओं का उत्साह भारी पड़ा। मतदान प्रारंभ होने के साथ ही मतदाता लोकतंत्र में आस्था दिखाते हुए घरों से निकलकर मतदान केंद्र पर कतारबद्ध होकर मतदान में हिस्सेदारी निभाई। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मतदान केंद्र संख्या-254 प्राथमिक विद्यालय कोलबंगा तथा मतदान केंद्र संख्या-255 उत्क्रमित विद्यालय रबांगा के क्षेत्र में नक्सलियों के द्वारा मतदान बहिष्कार के संबंध में पोस्टरबाजी और मतदाताओं को धमकी की भी सूचना प्राप्त हुई। सुरक्षा बलों द्वारा सफलतापूर्वक पोस्टर हटा दिया गया और शांतिपूर्ण मतदान चल रहा है। यहां के मतदाता सुरक्षाबलों की तैनाती में निडर होकर मतदान कर रहे हैं। गुमला जिले के कुरुमगढ़ के 7 मतदान केंद्र ऐसे हैं, जहां झारखंड राज्य गठन के बाद पहली बार मतदान हो रहा है। अति उग्रवाद प्रभावित होने के कारण मतदाता मताधिकार से वंचित रह जाते थे। इन सभी मतदान केंद्रों पर मतदाता पहली बार मताधिकार का इस्तेमाल कर उत्साहित हैं। नक्सलियों के गढ़ कहे जाने वाले बूढ़ा पहाड़ के वोटर लोकतंत्र में विश्वास दिखा रहे है। एक समय जहां नक्सलियों के डर से लोग घर से बाहर नहीं निकलते थे, वहीं आज भारी संख्या में उत्साहित होकर मतदान कर रहे हैं।

चुनाव आयोग ने आईपीएस किशन सहाय मीणा को किया सस्पेंड

रांची। राजस्थान कैडर के आईपीएस किशन सहाय मीणा को बिना अनुमति ड्यूटी से वापस राजस्थान लौटना महंगा पड़ गया। चुनाव आयोग ने इस मसले को गंभीरता से लेते हुए आईपीएस किशन सहाय मीणा को सस्पेंड कर दिया है। 2004 बैच के आईपीएस किशन सहाय मीणा को गुमला में पुलिस ऑब्जर्वर के रूप में तैनात किया गया था। उन पर बिना अनुमति के ड्यूटी छोड़ने का आरोप है। अब उनकी जगह दूसरे पुलिस अफसर की तैनाती कर दी गई है। इसकी पुष्टि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने की।

शाह आज गिरिडीह गांडेय और डुमरी में करेंगे जनसभा

रांची। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज को गिरिडीह, गांडेय और डुमरी में जनसभा करेंगे। बताया गया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 14 नवंबर को गिरिडीह जिले के सीहोडीह स्थित आम बागान में दिन में 11:30 बजे से जनसभा को संबोधित करेंगे। वहीं, दिन में 01:15 बजे से गांडेय के महेशमुंडा के कुसुंभा में जनसभा करेंगे। गृह मंत्री बोकारो जिले के डुमरी के ऊपरघाट स्थित कंचकीरो फुटबॉल मैदान में दिन में 03:00 बजे से जनसभा को संबोधित करेंगे।

प्रथम चरण के चुनाव में आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के नौ मामले दर्ज

नवीन मेल संवाददाता

रांची। विधानसभा निर्वाचन, 2024 के तहत प्रथम चरण के अंतर्गत तमाड़, रांची, हटिया, कांके एवं मांडर विधानसभा क्षेत्रों में बुधवार को संध्या 05:00 बजे तक मतदान हुआ। मतदान के बाद सभी पोल्ड ईवीएम कृषि उत्पादन बाजार समिति, पंडरा रांची अवस्थित वज्रगृह में अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र के लिए चिह्नित हॉल में जमा किए गए।

इसी क्रम में तमाड़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कुल 57 मतदान केंद्रों के पोल्ड ईवीएम, कांके विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कुल 21 मतदान केंद्रों के पोल्ड ईवीएम एवं मांडर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कुल 10 मतदान केंद्रों के पोल्ड ईवीएम सुरक्षा की दृष्टि से पूर्व पी+1 डे वज्रगृह में जमा किए जाएंगे।

प्रथम चरण में अब तक कुल 09 आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के मामलों में एफआईआर दर्ज हुआ है। प्रथम चरण के मतदान के दिन रांची जिला अंतर्गत कुल 03 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिसमें कि रांची विधानसभा क्षेत्र के झामुमो प्रत्याशी महुआ माजी के विरुद्ध झामुमो का चुनाव चिह्न का पट्टा पहन कर खुलेआम बूथ पर घूमने एवं मतदान के दिन प्रेस के समक्ष मतदाताओं को प्रभावित करने के संबंधी वक्तव्य दिए जाने की शिकायत की गई है। इसपर आवश्यक कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज कराया गया है। इसके अलावा हटिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के सभी बूथों पर कांग्रेस प्रत्याशी के चित्र लगी हुई पर्ची बांटने संबंधी शिकायत प्राप्त हुई है। इसपर आवश्यक जांच की जा रही है।

मतदान प्रक्रिया में प्रथम चरण अंतर्गत सभी विधानसभा क्षेत्रों में कुछ मतदान केंद्रों पर ईवीएम में खराबी आने के फलस्वरूप उन्हें रिप्लेस किया गया वहीं, प्रथम चरण के चुनाव में तमाड़, रांची, हटिया, कांके एवं मांडर विधानसभा क्षेत्रों में मतदान शांति पूर्वक संपन्न कराया गया।

झारखंड की जनता कर रही परिवर्तन की अगुवाई : मरांडी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मतदाताओं का जताया आभार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने बुधवार को राज्य में संपन्न प्रथम चरण के चुनाव के बाद 43 विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं का आभार प्रकट किया है। उनहोंने कहा कि राज्य की जनता ने मतदान में बढ़-चढ़ कर भाग लिया है। गांव गरीब, किसान मजदूर मतदाताओं में उत्साह दिखाई दिया। कहा कि झारखंड की जनता परिवर्तन की अगुवाई कर रही है। राज्य सरकार से त्रस्त महिला शक्ति बहनों ने गुंडे बदमाशों की संरक्षक बनी राज्य सरकार को हटाने केलिए मतदान किया। उन्होंने चुनाव आयोग, मतदानकर्मियों सहित पुलिसकर्मियों को शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने केलिए आभार प्रकट किया।

हमने भाजपा को जड़ से उखाड़ फेंकने का लिया है संकल्प : सीएम

नवीन मेल डेस्क

रांची/धनबाद। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने धनबाद के बाघमारा विधानसभा क्षेत्र के महुदा और निरसा के अलावा सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के बलियापुर में बुधवार को चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया।

सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के बलियापुर हवाई पट्टी पर इंडिया गठबंधन से भाकपा माले के उम्मीदवार चंद्रदेव महतो उर्फ बबलू महतो के चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे हेमंत सोरेन ने कहा कि हमने भाजपा को जड़ से उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया है। संप्रदाय फैलाने वालों को खदेड़ने का संकल्प लिया है। झारखंड अलग होने के बाद 20 वर्षों तक इन्हीं व्यापारियों (भाजपा) ने राज्य में शासन किया और झारखंड को कीचड़ में धकेलने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि न सिर्फ 20 वर्षों के इनके शासन से राज्य बर्बाद हुआ, बल्कि इनके केंद्र सरकार के कारण आज लोग देश से पलायन कर रहे है।

- *मुझ पर झारखंड के गरीबों का आशीर्वाद है, मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता*

सोरेन ने कहा कि पिछले एक साल से असम के सीएम सुपारी लेकर उनकी सरकार गिराने के लिए राज्य में घूम रहे हैं। वे सरकार गिराने में तो सफल न हो सके, हां वो मुझे जेल भेजने में अवश्य सफल रहे, लेकिन मुझ पर झारखंड के गरीबों का आशीर्वाद है। मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनती है, तो अगले दिसंबर के महीने से 1000 की जगह 2500 रुपये उनके खाते में जाने लगेगा और अगले 5 वर्षों में सभी को एक लाख रुपये देने का काम उनकी सरकार करेगी।

हेमंत सोरेन ने कहा कि कोरोना संक्रमण के दौरान उनकी सरकार ने सबसे बेहतरीन कार्य किया। आपदा में भी झारखंड सरकार ने प्रवासी मजदूरों को सही सलामत उनके घरों तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि सिंदरी के विधायक भी कोरोना बीमारी की चपेट में आए और उनके इलाज का खर्च भी अभी तक झारखंड सरकार ही उठा रही है।

शिवराज सिंह चौहान की बिरनी में जनसभा आज

रांची। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरुवार (14 नवंबर) को बिरनी प्रखंड में जनसभा और देवघर में प्रबुद्ध सम्मेलन करेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री 14 नवंबर को दिन में 12:30 बजे से गिरिडीह जिले के बिरनी प्रखंड के भरकट्ठा स्थित हाई स्कूल मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे। वे दिन में 2:15 बजे से देवघर जिले के जिला कार्यालय में प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

साहिबगंज में हिमंता बिस्वा सरमा की जनसभा आज

रांची। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा गुरुवार (14 नवंबर) को साहिबगंज में जनसभा करेंगे। हिमंता 14 नवंबर को साहिबगंज के उधवा मैदान में तदन में 12:00 बजे से जनसभा करेंगे। सरमा दिन में 2:00 बजे से साहिबगंज जिले के राधा नगर हाई स्कूल मैदान में लोगों को संबोधित करेंगे।

भाजपा ने की आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत

रांची। भाजपा ने निर्वाचन आयोग से आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत की है। चुनाव के एक रात पहले मंईयां सम्मान योजना के तहत सरकार द्वारा पैसा भेजने के खिलाफ भाजपा बुधवार को चुनाव आयोग पहुंची और कहा कि मंईयां सम्मान योजना के तहत दी जाने वाली राशि चुनाव के एक दिन पहले रात में किसके आदेश पर दी गई। चुनाव आयोग को बताया गया कि हर महीने के 6-7 तारीख को मंईयां सम्मान योजना का पैसा खाते में जाता था, लेकिन चुनाव के ठीक एक रात पहले इस बार भेजा गया, जो सही नहीं है। कहा कि चुनाव के चक्कर में मंईयां को एक सप्ताह इंतजार करना पड़ गया। इससे दुर्भाग्य और क्या होगा। इसके अलावा, हटिया विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी अजय नाथ शाहदेव की हर बूथ पर पर फोटो युक्त पर्ची बंटने की भी शिकायत की गई। महुआ माजी चुनाव के दौरान चुटिया में पार्टी का पट्टा पहनकर घूम रही हैं, उनके खिलाफ भी शिकायत की गई है। कहा कि हुसैनाबाद में संजय कुमार यादव नाम के एक थाना प्रभारी हैं, जो खुलेआम राजद के समर्थन में काम कर रहे हैं और भाजपा के कई कार्यकताओं को पीट कर बंद कर दिए हैं।

पृष्ठ एक के शेष

पलामू प्रमंडल में मतदान...

इसके साथ ही महिलाओं की भी बड़ी संख्या में भागीदारी देखी गई। मनिका विधानसभा क्षेत्र में 10 किलोमीटर पैदल चलकर मतदाता मतदान केंद्र तक पहुंचे। सरजू क्षेत्र को नक्सल प्रभावित इलाका माना जाता है, इसलिए यहां के मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचने के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हालांकि, इसके बावजूद मतदाताओं में मतदान को लेकर भारी उत्साह था।

मतदान के दौरान तकनीकी समस्याएं : पलामू जिले के डालटनगंज विधानसभा क्षेत्र में स्थित मेदिनीनगर नगर निगम इलाके के कुछ मतदान केंद्रों पर ईवीएम और वीवीपैट मशीनों में तकनीकी समस्या आई। इनमें से कुछ बूथों पर 25 मिनट तक मतदान प्रक्रिया रोकनी पड़ी, लेकिन तकनीकी टीम द्वारा समस्याओं का समाधान करने के बाद मतदान फिर से शुरू हो सका। कुल मिलाकर, पलामू प्रमंडल में विधानसभा चुनाव शांतिपूर्वक और सुरक्षित तरीके से संपन्न हुआ। मतदान के दौरान युवा और नए मतदाताओं के साथ-साथ महिलाओं में भी जबरदस्त उत्साह देखा गया। सुरक्षा बलों की तैनाती और प्रशासनिक प्रबंधों के कारण चुनाव की प्रक्रिया में किसी बड़ी अप्रिय घटना का सामना नहीं करना पड़ा।

पुरुषों के बराबर कतारबद्ध दिखीं महिलाएं : मोहम्मदगंज प्रखंड के 43 मतदान केंद्रों पर बुधवार को हुए मतदान में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों से अधिक रही। शाम 5 बजे तक कुल 56.38% मतदान दर्ज किया गया, जिसमें 10876 पुरुष और 11874 महिलाओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस प्रकार प्रखंड में कुल 22758 मतदाताओं ने मतदान किया। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर पुरुषों के साथ महिलाओं को भी बड़ी संख्या में कतारबद्ध देखा गया, जो चुनाव में उनकी बढ़ती जागरूकता और भागीदारी को दशार्ता है।

43 सीटों पर...

51.50 मतदाताओं ने ही मताधिकार का इस्तेमाल किया है। वहीं सरायकेला-खरसावां जिले की सीटों पर सबसे अधिक 72.19 फीसदी मतदान रिकॉर्ड किया गया है, जबकि सबसे कम वोटिंग हजारीबाग जिले की सीटों में 59.13 फीसदी दर्ज की गई है।

लोकतंत्र के महापर्व में...

एक आदर्श उदाहरण है। वोटिंग के बाद शशि रंजन ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि इस बार मतदान करते हुए उन्हें बहुत आनंद आया क्योंकि यह उनका दूसरा मौका था। उन्होंने कहा कि वह खुद को कभी भी विशेष नहीं मानते और प्रशासनिक दायित्व के अलावा उनका उद्देश्य मतदान प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखना है। उन्होंने यह भी बताया कि पूरे पलामू जिले के पांच विधानसभा क्षेत्रों में शांतिपूर्ण मतदान हो रहा है, और कहीं से भी कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं आई है। यदि कहीं कोई तकनीकी समस्या आई थी, तो उसे तुरंत हल कर लिया गया। इसी दौरान, पलामू की एसपी रेशमा रिमिशन ने भी आम नागरिक की तरह स्टेशन रोड स्थित अपने बूथ पर वोट डाला। वह भी पंक्ति में खड़ी होकर मतदान करने के लिए इंतजार करती रहीं, और उन्हें करीब तीन से चार मिनट का समय लगा, जब उनकी बारी आई।

नवरत्नपुर के वोटरों ने..

प्रतापपुर थाना से महज 500 मीटर की दूरी बलवादोहर के जंगल के पेड़ से लटका शव मिला था। इसके बाद परिजनों द्वारा हत्या का आरोप लगाकर न्याय की मांग कर रहे थे, लेकिन हत्या में पुलिस कुछ भी स्पष्ट नही कर रही है। उक्त मामले को दबाए हुए हैं। हम लोग घटना के बाद से न्याय को लेकर पुलिस व थाना में गुहार लगा चुके हैं। थक हारकर वोट बहिष्कार करने का निर्णय लिया। बता दें कि वोट के कुछ सप्ताह पहले भी वहां के वोटरों ने बूथ संख्या 201 पर वोट बहिष्कार की घोषणा की थी। इस संबंध में प्रखंड निर्वाची पदाधिकारी अभिषेक पांडेय ने बताया कि रंजीत यादव के हत्याकांड के अनुसंधान को लेकर वोट बहिष्कार किया गया है। नवरत्नपुर गांव में जाकर लोगों को समझा-बूझाकर व माइक से प्रचार कर लोगों से वोट देने की अपील की।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist &
Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities
- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

पूर्व सैनिक व टीवी होस्ट को डोनाल्ड ट्रंप ने बनाया अमेरिका का अगला रक्षा मंत्री

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आगामी मंत्रिमंडल में एक और महत्वपूर्ण नियुक्ती की घोषणा की है। पूर्व सैनिक और टीवी कलाकार पीट हेगसेथ नई सरकार में रक्षा सचिव (मंत्री) होंगे। ट्रंप-वैंस ट्रांजिशन टीम ने एक बयान में कहा, पीट सख्त, होशियार और अमेरिका फर्स्ट में सच्चा विश्वास रखने वाले हैं। पीट के नेतृत्व में, अमेरिका के दुश्मनों को यह चेतावनी मिलेगी- हमारी सेना फिर से महान होगी, और अमेरिका कभी पीछे नहीं हटेगी। इस घोषणा पर नई दिल्ली समेत दुनियाभर की नजर थी। बयान में कहा गया कि हेगसेथ प्रिंसटन यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट। उनके पास हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से भी ग्रेजुएशन की डिग्री है। वह एक आर्मी कॉम्बैट वेटरन हैं जो ग्वांतानामो बे, इराक और अफगानिस्तान का दौरा कर चुके हैं। युद्ध के मैदान में उनके कामों के लिए उन्हें दो ब्रॉन्ज स्टार के साथ-साथ एक कॉम्बैट इन्फैंट्रीमैन बैज से सम्मानित किया जा चुका है।

श्रीलंका में संसदीय चुनाव के लिए मतदान आज

कोलंबो। श्रीलंका में संसदीय चुनाव-2024 की तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। गुरुवार सुबह सात बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा। इसमें तरजीही मतों के जरिए 196 प्रतिनिधियों और राष्ट्रीय सूची से 29 प्रतिनिधियों का चुनाव किया जाएगा, ताकि नई 10वीं संसद के लिए 225 प्रतिनिधियों का चयन किया जा सके। इस बार 17.1 मिलियन मतदाता 22 बहु-सीट निर्वाचन क्षेत्रों में मताधिकार करने के पात्र हैं। नई संसद की पहली बैठक 21 नवंबर को आहूत की जा सकती है। आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव के दिन डाक मतों की गिनती शाम 4.15 बजे शुरू होगी और नियमित वोटों की गिनती शाम 7.15 बजे के आसपास शुरू होने की उम्मीद है।

प. बंगाल : छिटपुट हिंसा के बीच हुआ 69.29 फीसदी मतदान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की छह विधानसभा सीटों पर बुधवार को उपचुनाव छिटपुट हिंसा के बीच चुनाव संपन्न हो गया। राज्य निर्वाचन आयोग ने किसी भी तरह की अराजकता, बवाल और कानून व्यवस्था को तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए कड़ी सुरक्षा का प्रबंध किया था। बूथों और स्ट्रांग रूमों के बाहर केंद्रीय बलों की बड़ी संख्या में तैनाती की गई थी। इन छह विस सीटों पर मतगणना 23 नवंबर को होगी। उपचुनाव के दौरान कुछ सीटों पर हिंसा और विवाद की खबरें सामने आईं।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का यूपी सरकार ने किया स्वागत

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम फैसला

एजेंसी

लखनऊ। बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि इससे संगठित अपराध पर शिकंजा कसने और अपराधियों में कानूनी नतीजों का डर पैदा करने में मदद मिलेगी। वहीं, विपक्ष ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट से राज्य में "बुलडोजर आतंक" और "जंगल राज" खत्म हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने पूरे देश में होने वाली बुलडोजर कार्रवाई को लेकर दिशा-निर्देश तय किए और कहा कि बिना 'कारण बताओ नोटिस' के किसी भी संपत्ति को ध्वस्त नहीं किया जाना चाहिए और प्रभावितों को जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिया जाना चाहिए।

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रवक्ता ने स्पष्ट करते हुए बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने जिस मामले को फैसला सुनाया है, वह उत्तर प्रदेश से जुड़ा नहीं था, बल्कि यह मामला उत्तरी दिल्ली नगर निगम व अन्य बनाम जमीयत उलेमा-ए-हिंद का था।

फैसले से अपराधियों में कानून के प्रति भय बढ़ेगा कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए प्रवक्ता ने कहा, 'अच्छे शासन की पहली आवश्यकता कानून का शासन है।

सरकार किसी की निजी संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाती

वहीं, उत्तर प्रदेश कैबिनेट के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने भी कोर्ट के फैसले को स्वागत किया और कहा कि सरकार कभी किसी की निजी संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाती है, बल्कि पब्लिक प्रॉपर्टी पर हुए अवैध क जों पर बुलडोजर चलाया जाता है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई हाई कोर्ट के फैसले के आधार पर की जाती रही है।

मायावती ने कहा- आतंक खत्म होगा

इसके अलावा, बसपा प्रमुख मायावती और उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष अजय राय ने भी फैसले का स्वागत किया। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'माननीय सुप्रीम कोर्ट के बुलडोजर विध्वंसों से जुड़े आज के फैसले व तत्सम्बंधी कड़े दिशा-निर्देशों के बाद यह उम्मीद की जानी चाहिए कि यूपी व अन्य राज्य सरकारें जनहित व जनकल्याण का सही व सुचारू रूप से प्रबंधन करेंगी और बुलडोजर का छाया आतंक अब जरूर समाप्त होगा'।

बुलडोजर हमेशा के लिए गैराज में खड़ा हो गया : अखिलेश यादव

कानपुर। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बुलडोजर हमेशा के लिए गैराज में खड़ा हो गया। सुप्रीम कोर्ट ने जो कहा, उससे बड़ी टिप्पणी कोई और नहीं हो सकती। सपा मुखिया अखिलेश यादव बुधवार को कानपुर उपचुनाव के लिए प्रचार करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत की और कहा कि आज के बाद उनका बुलडोजर हमेशा के लिए गैराज में खड़ा हो जाएगा, अब किसी गरीब का घर नहीं टूटेगा।

अदालत से इसी तरह गरीबों को मदद मिलती रहे : मौलाना अरशद मदनी

नई दिल्ली। बुलडोजर कार्रवाई पर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर जमीयत उलेमा-ए-हिंद के चेयरमैन मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि हम तो ये समझते हैं कि किसी शख्स की पूरी जिंदगी की कमाई उसके घर को गिरा देना ये कानून के खिलाफ है। जो कुछ किया जा रहा है वह गरीबों की पूरी जिंदगी की कमाई खत्म कर देने का प्रयास है। कुछ मामले ऐसे भी सामने आए है कि किराए के मकान को भी गिरा दिया गया। एक घर में पूरा परिवार है।

ज्वालामुखी विस्फोट के बाद इंडिगो और एयर इंडिया ने बाली के लिए रद्द कीं उड़ानें

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडिगो और एयर इंडिया एयरलाइंस ने बुधवार को बाली के लिए अपनी उड़ानें रद्द कर दी हैं। इन दोनों एयरलाइन कंपनियों ने इंडोनेशिया के द्वीप में ज्वालामुखी विस्फोट से राख के बादल छाने के कारण अपनी उड़ानें कैंसिल की हैं। वहीं, राष्ट्रीय राजधानी में आज सुबह कम दृश्यता के कारण विमान परिचालन प्रभावित हुआ। इंडिगो ने एक्स पोस्ट में कहा कि बाली में हाल ही में हुए ज्वालामुखी विस्फोट के कारण इस क्षेत्र से आने-जाने वाली उड़ानें रद्द कर दी गई हैं, क्योंकि राख के बादल हवाई यात्रा को प्रभावित कर सकते हैं। इंडोनेशिया के पूर्वी नुसा तेंगारा प्रांत के एक सुदूर द्वीप में स्थित माउंट लेवोटोबी लाकी ज्वालामुखी इसी महीने फटा था, जिसके राख के बादल आसमान में छाए हुए हैं। ये बादल उड़ान संचालन के लिए खतरा बन सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप कई एयरलाइनों ने बाली के लिए अपनी सेवाएं रद्द कर दी हैं।

दूसरी ओर आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एअर इंडिया ने अपनी बाली उड़ान रद्द कर दी है। यह दिल्ली से इंडोनेशियाई द्वीप के लिए रोजाना एक उड़ान संचालित करती है।

असम विस उप चुनाव में 72.83 फीसदी मतदान

गुवाहाटी। असम में बुधवार को पांच विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव में शाम 5 बजे तक 72.83 प्रतिशत मतदान हुआ है। इनमें बंगाईगांव में 69.08 प्रतिशत, धोलाई 72,40 प्रतिशत, बिहाली 73.70 प्रतिशत, सिडली 71.50 प्रतिशत तथा सामगुरी में 78.70 प्रतिशत मतदान हुए हैं। 9,09,057 मतदाताओं के लिए 1078 मतदान केंद्रों की व्यवस्था की गयी थी। मेघालय के गम्बेगर निर्वाचन क्षेत्र में शाम 5 बजे तक 80.91 प्रतिशत वोट डाले गए। राज्य में मतदान पूरी तरह से शांतिपूर्ण हुआ। सामगुरी विधानसभा क्षेत्र में कई जगहों पर चुनावी हिंसा की खबरें आईं। खलीहारी में भाजपा उम्मीदवार दिप्लूरंजन शर्मा पर हमले का प्रयास किया गया। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ता हारुन रशीद और मेराजुल हक पर हमला करने के आरोप लगाए। भाजपा उम्मीदवार दिप्लूरंजन शर्मा ने असम की राजनीति में हिंसा पैदा करने के लिए सांसद रकीबुल हुसैन की कड़ी आलोचना की।

हरियाणा में लागू हुआ एससी एसटी आरक्षण के कोटे में कोटा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) 20 प्रतिशत आरक्षण के कोटे में कोटा लागू हो गया है। इसमें अब सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत कोटा वंचित अनुसूचित जातियों के लिए और 10 प्रतिशत कोटा अन्य अनुसूचित जातियों के लिए होगा। विधानसभा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार की शाम एससी-एसटी वर्ग में आरक्षण के उपवर्गीकरण की घोषणा की। मुख्यमंत्री की घोषणा के कुछ देर बाद ही मुख्य सचिव ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी। अन्य अनुसूचित जाति श्रेणी में 15 तथा वंचित अनुसूचित जाति श्रेणी में 66 जातियां शामिल हैं। सरकार के इस फैसले का सबसे अधिक लाभ वंचित अनुसूचित जाति श्रेणी में शामिल 66 जातियों के लोगों को मिलेगा, जिनके लिए नौकरियों के अवसर लगातार कम होते जा रहे थे। हरियाणा देश में ऐसा पहला राज्य है, जिसने सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश को अपने यहां सबसे पहले लागू किया है। विधानसभा में मुख्यमंत्री ने जैसे ही सुप्रीम कोर्ट के फैसले को हरियाणा में लागू करने की घोषणा की, पूरा सदन तालियों से गूंज उठा। विगत 18 अक्टूबर को हुई कैबिनेट की बैठक में पहले ही एससी-एसटी वर्ग के ज्यादा जरूरतमंदों को आरक्षण का लाभ देने के लिए उपवर्गीकरण पर मुहर लगा दी गई थी। कोटे में कोटा लागू होने से आरक्षण का लाभ उसी वर्ग के ज्यादा जरूरतमंद लोगों को मिल सकेगा, जिन्हें वास्तव में इसकी अधिक जरूरत है।

एजुकेशन/करियर

हेयर ड्रेसर, हेयर स्टाइलर सुनने में जितना अच्छा लगता है उससे कई ज्यादा अच्छा तब लगता है, जब आप इस पोस्ट पर आ चुके होते हैं। तो क्या आप भी अपना करियर हेयर स्टाइलर बनकर बनाना चाहते हैं? अगर हां, तो बस फिर तो आपके लिए यह सोने पे सुहागा वाली बात हो गई क्योंकि आज हम आपको इस आर्टिकल में बताएंगे कि आप कैसे हेयर स्टाइलिस्ट बन सकते हैं। और हेयर स्टाइलिस्ट बनने के बाद अपना करियर कहां-कहां बना सकते है? इतना ही नहीं इसके साथ ही में आपको इंडिया की टॉप 5 हेयर एकेडमी के बारे में बताऊंगी, जहां से आप हेयर कोर्स कर सकते हैं।

हेयर ड्रेसिंग में बना सकते हैं अपना सुनहरा भविष्य

हेयर एकेडमी : मेरीबिंदिया इंटरनेशनल एकेडमी : मेरीबिंदिया इंटरनेशनल एकेडमी इंडिया की सर्वश्रेष्ठ ब्यूटी इंस्टिट्यूट में आती है। मेरीबिंदिया इंटरनेशनल एकेडमी को इंजीनियर माही मैम ने अपनी लाखों रूपए की जॉब छोड़कर स्टार्ट किया था। इनका ऐम यूथ को हाई क्वॉलिटी ब्यूटी ट्रेनिंग प्रोवाइड कराना है। इसलिए मेरीबिंदिया इंटरनेशनल एकेडमी में ट्रेनिंग क्वॉलिटी के साथ कोई कॉमप्रोमाइज नहीं किया जाता है। मेरीबिंदिया इंटरनेशनल एकेडमी मेकअप इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए भारत की बेस्ट ब्यूटी एकेडमी है। मेरीबिंदिया इंटरनेशनल एकेडमी को बहुत सारे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने इंडिया के बेस्ट ब्यूटी स्कूल अवार्ड से पुरस्कृत किया है।

टॉनी एंड गाय एकेडमी : टॉनी एंड गाय एकेडमी सैलून की शाखाएं पूरे विश्व में फैली हुई है। उन्होंने इंडिया में अपनी एकेदमी की शुरूआत की है। टॉनी एंड गाय एकेडमी में बहुत कीमती हेयर स्टाइल कोर्स कराए जाते है। यहां पर बेसिक कोर्स से लेकर एडवांस कोर्स तक कराए जाते है। साथ ही सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा कोर्स भी कराए जाते है। यहां से अगर आप कोर्स करते है, तो आपको 2 महीने का समय लगेगा और 1 लाख 80 हजार रुपए लगेंगे।

कपिल एकेडमी : कपिल शर्मा ने मुंबई शहर में इस एकेडमी की शुरुआत की है। यह एकेडमी बहुत ही विश्वसनीय हेयर एकेडमी। यहां पर देश के बेस्ट ट्रेनर्स प्रशिक्षण देने आते है। इस एकेडमी से आप हेयर एकेडमी कोर्सके अलावा मेकप कोर्स , कर सकते हैं। यहां हेयर कटिंग, हेयर स्टाईल, हेयर एक्सटेंशन आदि लगभग हर चीज़ आप अच्छे से सीख सकते है। यहां से अगर आप कोर्स करते है, तो आपको 2 महीने का समय लगेगा और 1 लाख 50 हजार रुपए लगेंगे।गर आप कपिल एकेडमी में नामांकन लेने के लिए किसी भी तरह का परामर्श चाहते हैं तो नीचे दिए गए नंबर पर बेहिचक संपर्क कीजिए ।

लेक्मे एकेडमी : लेक्मे एकेडमी ब्रांड का नाम देश का जाना-माना नाम है। लेक्मे में सौन्दर्य उत्पादों के क्षेत्र में से सैलून और ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट में भी काफी फेमस है। यह आपको बहुत ही अच्छे हेयर स्टाईल कोर्स करने को मिलेंगे।

हेयर स्टाइल कंपटीशन में पार्टिसिपेट लेने के बेनिफिट

- हेयर स्टाइल कंपटीशन में पार्टिसिपेट करने से आपको अपना टलेंड साबित करने का मौका मिलता है।
- इवेनेंट में काफी लोग आपके हेयर स्टाइल को बाकि लोगों के हेयर स्टाइल के साथ कंपेयर करते है। यदि उन्हें आपकी हेयर स्टाइल पसंद आती है, तो वह डायरेक्ट आपको हेयर स्टाइल के लिए बुक कर सकते हैं, और अपने दोस्तों को आपका रिफरेंस भी दे सकते हैं।
- हेयर स्टाइल कंपटीशन आपके अंदर के कॉन्फिडेंस को बढ़ाता है।
- हेयर स्टाइल कंपटीशन आपके नाम और आपके काम के ब्रांड की वैल्यू को बढ़ाते हैं।
- हेयर स्टाइल कंपटीशन में पार्टिसिपेट करने से आपके सोशल मीडिया के फोलोवर्स बढ़ते है।
- यदि आप हेयर स्टाइल कंपटीशन में पार्टिसिपेट लेते हैं, तब कंपटीशन में स्थान पाने के लिए प्रेक्टिस करते हैं... और प्रेक्टिस से ही हेयर स्टाइलर का हाथ साफ होता है।
- कंपटीशन में पार्टिसिपेट करने से नए ट्रेंड के हेयर स्टाइल के बारे में पता चलता है।
- कंपटीशन में हेयर स्टाइल करने के लिए समय सीमा होती है। इसका फायदा यह है कि आप कम समय में परफेक्ट हेयर स्टाइल बना सकते है।
- कंपटीशन में पार्टिसिपेट करने से कंटेंट भी स्ट्रोग होते हैं, जिससे आपका वर्क देखकर आपको अच्छे लेवल पर वर्क भी मिल सकता है।

हेयरस्टाइलिस्ट आर्टिस्ट बनने के बाद करियर

- -हेयर स्टाइलिस्ट बनकर सैलून में हेयर स्टाइलिस्ट की जॉब्स कर सकते है।
- -टेक्निकल ट्रेनर के रूप में किसी मैन्युफैक्चरिंग कंपनी में जॉब कर सकते है।
- -खुद का सैलून ऑपन कर सकते है।
- -हेयर एकेडमी की शुरुआत कर सकते हैं।
- -विदेश में भी जॉब्स कर सकते है। बता दें, विदेश में आपकी सैलरी काफी हाई होगी।
- -क्रूज में भी जॉब कर सकते है यहां जॉब करने पर आप दुनिया की सैर सकते है।
- -खुद के सेमिनार होस्ट कर सकते है या फिर किसी और के साथ मिलकर खुद का इवेंट भी ऑर्गेनाइज कर सकते है।
- -खुद का प्रोडक्ट मैन्युफैक्चरिंग भी कर सकते है।
- -मूवीज, सैट, शूट में काम कर सकते है।
- -किसी सेलिब्रिटी का पर्सनल आर्टिस्ट बन सकते है।